



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 10, 2017/चैत्र 20, 1939

No. 88]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 10, 2017/CHAITRA 20, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2017

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “एलाय या नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों”, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच।

फा. सं. 14/12/2016-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए मै. एस्सार स्टील लिमिटेड, मै. स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, मै. जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जिन्हें आगे ‘आवेदक’ या ‘याचिकाकर्ता’ या ‘घरेलू उद्योग’ कहा गया है) ने अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और यूक्रेन (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “एलाय या नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों”, (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरूआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए जाँच की शुरूआत करने का अनुरोध किया गया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना दिनांक 19.04.2016 जारी की जिसमें संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में नियमावली के नियम 6 (1) के अनुसार पाटनरोधी जॉच की शुरूआत की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

3. प्राधिकारी ने दिनांक 03.08.2016 की अधिसूचना सं. 14/12/2016-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जॉच परिणाम जारी किए जिनमें वर्तमान जॉच में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई। वित्त मंत्रालय ने सीमाशुल्क अधिसूचना जारी की जिसमें प्राधिकारी की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 45/2016-सीमाशुल्क (एडीडी) दिनांक 17.08.2016 द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 13 के दूसरे परंतुक के अनुसार संबद्ध देशों से अधिकांश निर्यातिकों के अनुरोध पर केन्द्र सरकार से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को दो महीने और जारी रखने की सिफारिश की। वित्त मंत्रालय ने प्राधिकारी द्वारा समय बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार किया और सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 06/2017-सीमाशुल्क (एडीडी) दिनांक 7.02.2017 द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की अवधि दो महीने बढ़ा दी।

#### क. प्रक्रिया

4. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही की शुरूआत करने से पहले आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों से दूतावासों, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराये गये पतों अनुसार संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों और संबद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों को जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार उनसे जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- ग. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों और संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को भेजी थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षों को भी भेजी गई थी।
- घ. भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों से उनके देशों के उत्पादकों/निर्यातिकों को विहित समय-सीमा के भीतर उनके उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था।
- ड. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातिकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें निर्यातिक प्रश्नावलियां भेजीं:

#### चीन जन. गण.

1. रिझाउ
2. बेताइ आयरन एंड स्टील
3. बाओतोउ आयरन एंड स्टील ग्रुप
4. जिआंसु शांगांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड
5. तोंघाउ आयरन स्टील ग्रुप कार्पोरेशन
6. आंगेंग स्टील कंपनी
7. नांजिंग आयरन एंड स्टील
8. तांगशांग आयरन एंड स्टील

9. वुहान आयरन एंड स्टील
10. तियानजिन आयरन एंड स्टील ग्रुप कं. लि.

#### जापान

1. निप्पोन सुमितोमो
2. कोबे
3. जेएफर्ड स्टील कार्पोरेशन

कोरिया गणराज्य

1. पोस्को
2. हुंडे स्टील कं. लि.
3. डांगकुक स्टील मिल कं. लि.

#### यूक्रेन

1. आर्सिलर मित्तल
2. पीजे-एससी "निप्पोल फेरोअलांय प्लांट"

च. जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों/व्यापारियों ने निर्यातिक प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

#### I. कोरिया :

1. कोवोन ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (व्यापारी)
2. डोंगकुम इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक)
3. सैमसंग सीएंडटी कार्पोरेशन (व्यापारी)
4. हुंडे स्टील कं. (उत्पादक)
5. पी एंड ए कार्पोरेशन (व्यापारी)
6. एल जी इंटरनेशनल लिमिटेड (व्यापारी)
7. हुंडे कार्पोरेशन (व्यापारी)
8. पोस्को देवू कार्पोरेशन (व्यापारी)
9. पोस्को एशिया कं. लि. (व्यापारी)
10. पोस्को, कोरिया (उत्पादक)
11. पास्को प्रोसेसिंग एंड सर्विसेज कं. लि. (व्यापारी)

#### II. यूक्रेन

12. जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेडआयरन एंड स्टील वर्क्स (उत्पादक)
13. मेटिनवेस्ट – एसएमसी एलएलसी
14. मेटिनवेस्ट इंटरनोनल एस ए (व्यापारी)

#### III. चीन जन. गण.

15. जिंसा इंटरनेशनल प्रा. लि. (व्यापारी)
16. ज्ञाजियागांग यांगत्जे रीवर कोल्ड रोल्ड शीट क. लि. (उत्पादक)
17. जियांगसू शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
18. फ्यूचर मैटिरियल इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लि. (व्यापारी)
19. लु किन (हांग कांग) कं. लि. (व्यापारी)

20. अनगांग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
21. अनगांग ग्रुप हांगकांग कं. लि. (व्यापारी)
22. बाओशल आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
23. बाओस्टील सिंगापुर प्रा. लि. (व्यापारी)

#### IV. जापान

24. निसान ट्रेडिंग कं. लि. (व्यापारी)
25. सुमितोमो कार्पोरेशन (व्यापारी)
26. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन (व्यापारी)
27. ओह्नी इंडस्ट्रीज लि. (व्यापारी)
28. कनेमत्सु कार्पोरेशन लि. (व्यापारी)
29. जेएफई स्टील कार्पोरेशन (उत्पादक)
30. निशिन स्टील कं. लि. (उत्पादक)
31. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन (उत्पादक)
32. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक (व्यापारी)
33. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन (व्यापारी)
34. निप्पोन स्टील एंड सुमिनकिन बुसान कार्पोरेशन (व्यापारी)
35. मित्सुई एंड कं. लि. (व्यापारी)
36. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन (व्यापारी)
37. मैटल वन कार्पोरेशन (व्यापारी)

छ. चीन जन. गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जॉच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का खंडन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया है। तथापि यूक्रेन से उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। इस पर प्रकटन विवरण में उचित स्थान पर विचार किया गया है।

ज. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

1. अल्स्टोम इंडिया लि.
2. आर्सेलर नील टेलर्ड ब्लेंक प्रा.लि.
3. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि.
4. भिलाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लि.
5. सी. आर. आई. पम्प्स प्रा. लि.
6. कैटरपिलर इंडिया प्रा. लि.
7. डेनिस प्लास्ट लि.
8. डेस्मी इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
9. एक्सकोटर्स लि.
10. एक्सेडी इंडिया लिमिटेड
11. फाइन फोर्ज लिमिटेड
12. फ्लैंक्ट (इंडिया) लि.
13. जेमेसा विंड टर्बाइन्स पी. लि.
14. गणपति एंटरप्राइजेज

15. हिंदुस्तान शिपयार्ड लि.
16. हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कं. लि.
17. आइडल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड
18. आईएफबी आटोमटिव प्रा. लि.
19. जेबीएम इंडस्ट्रीज लि.
20. जेसीबी इंडिया लि.
21. कलिंग फिक्सर लि.
22. कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लि.
23. लारसेन एंड टुब्रो लिमिटेड
24. लायड्स स्टील इंडस्ट्रीज लि.
25. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
26. पोस्को इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा.लि.
27. रवि स्टील कं.
28. सुपीरियर स्टील इंडस्ट्रीज
29. ट्रांटर इंडिया प्रा.लि.
30. टीआरएफ लि.

झ. संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तर के प्रपत्र में उत्तर दिया है या जाँच की शुरूआत के संबंध में टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं:

1. टोयोटा किलोस्कर मोटर प्रा. लि.
2. सुगवु हाइटैक इंडिया लिमिटेड
3. पीएचए इंडिया (प्रा.) लि.
4. टी आई मैटल फोर्मिंग
5. पियुंग हवा इंडिया प्रा. लि.
6. हुंडई मोटर्स इंडिया लि.
7. हवासिन ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
8. सुगवु स्टैपिंग प्रा. लि..
9. मियोंग शिन इंडिया ऑटोमोटिव प्रा. लि..
10. वाईएसआई ऑटोमोटिव प्रा. लि.
11. क्वांग जिन इंडिया ऑटो सिस्टम्स प्रा. लि.
12. डाइमोस लियर ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
13. निप्पोन स्टील एंड सुमकिन पाइप इंडिया प्रा. लि
14. राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेन्टर प्रा. लि.
15. टी टी स्टील सर्विस इंडिया प्रा. लि.
16. बाओस्टील इंडिया कंपनी प्रा. लि.

17. हुडई स्टील इंडिया लिमिटेड
18. पोस्को इलैक्ट्रिकल स्टील इंडिया
19. पोस्को महाराष्ट्र स्टील प्रा. लि.
20. बाओस्टील कंपनी प्रा.
21. पोस्को, आईडीपीसी, पोस्को आईसीपीसी और पोस्को आईपीपीसी
22. मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड

ज. प्रतिवादी निर्यातकों, आयातकों, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों अलावा निम्नलिखित पक्षों ने इस जाँच की प्रक्रिया के दौरान के संबंध में अनुरोध प्रस्तुत किए हैं।

1. फेडरेशन आफ इंडस्ट्रीज आफ इंडिया
2. जीपीटी स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड
3. कोर्समा
4. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चर्स
5. बाओशन आयरन एंड स्टील कं. लि., बाओस्टील कंपनी इंडिया प्रा. लि., बाओस्टील सिंगापुर प्रा. लि
6. मेट्रोवेस्ट ग्रुप
7. एंबेसी ऑफ यूक्रेन
8. द जापान आयरन एंड स्टील फैडरेशन
9. कोबे स्टील लि.
10. कोरिया गणराज्य का दूतावास
11. फोकस्वोगन इंडिया

ट. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जाँच हेतु रखी गई सार्वजनिक फाईल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया गया। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर वर्तमान जाँच परिणाम में ध्यान दिया गया है।

ठ. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जाँच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।

ड. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षों से आवश्यक समझी गई सीमा तक और सूचना मांगी गई थी।

ढ. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्ष ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जाँच के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है या जाँच में काफी बाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है और उपलब्ध

ण. तथ्यों के आधार पर जाँच परिणामों को रिकार्ड किया है।

त. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत (जिसे आगे एनआईपी कहा गया है) का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार किया जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

थ. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तु का आयात विभिन्न ग्रेडों/आकारों/आयामों में किया जा रहा है, आवेदकों ने पाठन मार्जिन की गणना के लिए पीसीएन से पीसीएन की तुलना करने के लिए उत्पाद नियंत्रण सं. (पीसीएन) का भी प्रस्ताव किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने पाठन मार्जिन की गणना के प्रयोजनार्थ पीसीएन से पीसीएन की तुलना की है।

द. आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना जहां लागू हो, पर वर्तमान प्रारंभिक जॉच परिणामों के प्रयोजनार्थ भरोसा किया गया है।

ध. यह जांच 1 जुलाई, 2015 से प्रारंभ करके 31 दिसम्बर, 2015 (6 महीने) (जिसे आगे 'जॉचअवधि' या पीओआई भी कहा गया है) तक की गई है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए प्रवृत्तियों की जॉच में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, अप्रैल 2015 से दिसंबर 2015 और जांच की अवधि को शामिल किया गया।

न. याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस से प्राप्त सौदावार आयात आकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाठन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है। तथापि, वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जॉच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदावार व्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएस के सौदा-वार आयात आकड़ों का अगोपनीय अंश सार्वजनिक फाइल में भी रखा। गोपनीय सूचना जैसे आयातकों के नाम, आयातकों के आईईसी कोड को डीजीसीआईएंडएस के सौदावार आयात आकड़ों से उन्हें सार्वजनिक फाइल में रखने से पहले हटा दिया गया।

प. पाठनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 13 अक्टूबर, 2016 को हुई सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक रूप से उनके विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वालेसभी पक्षों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को 24 अक्टूबर, 2016 तक लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। पक्षों को प्रतिवादी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रति लेने की सलाह दी गई और 4 नवंबर, 2016 तक अपने खंडन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया।

फ. गए विचारों की प्रति लेने की सलाह दी गई और 4 नवंबर, 2016 तक अपने खंडन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया।

ब. प्राधिकारी ने पुनः दिनांक 10 जनवरी, 2017 को हुई सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक रूप से उनके विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को 17 जनवरी, 2017 तक लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। पक्षों को प्रतिवादी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रति लेने की सलाह दी गई और 24 जनवरी, 2017 तक अपने खंडन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया।

भ. पीयूसी से बाहर रखने के मुद्दों की वस्तुनिष्ठ छाग से जॉच करने के लिए प्राधिकारी ने पीयूसी से बाहर रखने की मांग करने वाले सभी पक्षों को बाहर रखे जाने की मांग वाले ग्रेडों के पीसीएनवार व्यौरे प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। घरेलू उद्योग से भी पीओआई के दौरान उनके द्वारा विनिर्मित पीसीएनवार व्यौरे प्रदान करने के लिए कहा गया। घरेलू उद्योग से उनके खंडन में बाहर रखने का उत्तर देने का अनुरोध किया गया। अनेक हितबद्ध पक्षों ने अपने लिखित अनुरोधों के साथ पीयूसी से बाहर रखने के अनुरोध प्रस्तुत किए। तथापि कुछ हितबद्ध पक्षों ने अनुरोध किया कि एक पीसीएन में कुछ ग्रेडों को बाहर रखा जाना चाहिए। तथापि ऐसे ग्रेड ऐसे हितबद्ध पक्षों के आंतरिक ग्रेड थे जिन पर घरेलू उद्योग प्रभावी छाग से अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं कर सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग या प्राधिकारी को ऐसे आंतरिक ग्रेडों के रासायनिक संघटन की जानकारी नहीं है। प्राधिकारी ने ऐसे हितबद्ध पक्षों से आंतरिक ग्रेडों के लिए समकक्ष भारतीय/अंतर्राष्ट्रीय ग्रेडों की

जानकारी देने के लिए कहा ताकि घरेलू उद्योग और प्राधिकारी सार्थक रूप से ऐसे हितबद्ध पक्षों के बाहर रखने संबंधी अनुरोधों की जाँच कर सकें। उन्होंने यह अनुरोध किया कि बाहर रखने की मांग वाले कतिपय ग्रेड ग्राहक विशिष्ट ग्रेड हैं और वे भारतीय मानकों और इस्पात और इस्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) अदेश, 2015 के अधीन शामिल नहीं हैं।

म. हितबद्ध पक्षों के लिए 31.03.2017 को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया जिसमें इस जाँच के उन अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया गया, जो अंतिम जाँच परिणाम का आधार बनेगा। प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों से प्राप्त अनुरोधों पर संगत समझी गई सीमा तक अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचना में विचार किया।

य. 31.03.2017 को हितबद्ध पक्षकारों को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था, जिसमें इस जाँच के अनिवार्य तथ्य शामिल थे, जोकि इस अंतिम जाँच परिणाम का आधार बनते हैं। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राप्त प्रकटीकरण विवरण पश्चात अनुरोधों पर विचार किया गया है, जो इस अंतिम जाँच परिणाम संबंधी अधिसूचना में हद तक सुसंगत पाए गए हैं।

र. सीमाशुल्क आकड़ों के अनुसार पीओआई के लिए अमरीकी डालर से भारतीय रूपये में परिवर्तन की विनिमय दर को 65.93 भारतीय रूपये माना गया है।

ल. इस अधिसूचना में \*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।

#### ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

##### 5. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) इस प्रकार है:-

“एलाय या नाँन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों”।

विचाराधीन उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद, क्वायल में हों अथवा क्वायल में न हों, शामिल हैं जिनमें स्लिट क्वायल अथवा शीट्स, ब्लैंक्स शामिल हैं, वे चाहे एनील्ड अथवा बॉक्स एनील्ड में हों अथवा बैच एनील्ड में हों अथवा निरंतर एनील्ड हों अथवा अन्य किसी एनीलिंग प्रक्रिया में हों अथवा पूर्णतः सख्त अथवा आंशिक रूप से सख्त हों। संबंधित उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल हैं जो प्राइम और नाँन प्राइम गुणवत्ता के अनुरूप हैं, वे चाहे 4 गुना ऊंची रिवर्सिवल मिल से रोल्ड हों अथवा न हों, 6 गुना ऊंची रिवर्सिवल मिल से रोल्ड हों, सेंडजीमिर मिल, 20 गुना ऊंची कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स एंड टेंडम कोल्ड रोलिंग मिल्स (पी एल टी सी एम), सतत एनीलिंग लाइन (सी ए एल) अथवा अन्य किसी कोल्ड रोलिंग/कोल्ड रिड्यूसिंग प्रक्रिया से अनहील्ड हों अथवा न हों। ये उत्पाद किसी भी किस्म, मानक, विशिष्ट और ग्रेड के तेल के बिना सप्लाई/आयल्ड किए जा सकते हैं। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता वाले स्टील को शामिल करके उनके अनुरूप हो सकते हैं परंतु पूर्णतः सख्त, आंशिक रूप से सख्त, वाणिज्यिक गुणवत्ता, ड्राइंग, डी ड्राइंग, एक्स्ट्राडीप ड्राइंग, इंटर स्टीटियल प्री स्टील, हाइ स्टेंथ लो एलाय स्टील, एडवांस्ड हाई स्टेंथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्टेंथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलाय स्टील, एडवास्ट हाई स्ट्रेंथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रेंथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलायड स्टील, ट्रिप स्टील (ट्रांसफोरमेशन इन्ड्यूज्ड फ्लास्टिसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट्स (टीलएमबीपी) और अन्य कई गुणवत्ताओं तक सीमित नहीं हैं। इन स्टीलों का उत्पादन और आपूर्ति स्किन पास/टेम्पर रोलिंग सहित अथवा उसके बिना किया जा सकता है, भले ही वे एल्यूमिनियम किल्ड/नाँन एजीइंग गुणवत्ता के हों अथवा न हों तथा उनमें बोरेन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वेनाडियम अथवा भार की दृष्टि से किसी स्तर का उपयुक्त कोई अन्य

घटक हो या न हो। इन स्टीलों का अनुप्रयोग विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैल सकता है परंतु वे आटोमोटिव इंडस्ट्री उद्योग, ट्रेक्टरों, साइकिलों, उपकरणों, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनलों, पैकेजिंग, ड्रम, बैरलों, सामान्य इंजीनियरी, कोटिंग के लिए सब्स्ट्रेट, कलर कोटिंग गेल्वेनाइजिंग, मैटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट इत्यादि तथा अन्य कई अनुप्रयोगों तक सीमित नहीं है।

निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है:

- (क) स्टेनलैस स्टील।
- (ख) हाई स्पीड स्टील अर्थात् अलाय स्टील, अन्य घटकों सहित अथवा उनके बिना, तीन घटकों मोलिवडेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) में से कम से कम दो, जिनमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के भार, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक का कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत का क्रोमियम पदार्थ संयुक्त हों।
- (ग) सिलिकन इलैक्ट्रिकल स्टील जो ग्रेन ओरिएंटेड और नॉन ग्रेन ओरिएंटेड स्टील्स के अनुरूप हो अर्थात् भार युक्त एलाय स्टील, कम से कम 0.6 प्रतिशत परंतु सिलिकन के 6 प्रतिशत से अधिक न हो और कार्बन के 0.08 प्रतिशत से अधिक न हो। इस स्टील में भार की दृष्टि से 1 प्रतिशत एल्यूमिनियम से अधिक भी नहीं हो सकता परंतु उत्पादन में ऐसा कोई घटक न हो जिससे स्टील में अन्य एलाय स्टील की विशेषताएं आ जाएं।

6. विचाराधीन उत्पाद का उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों और क्षेत्रों यथा आटोमोटिव, टेल और गैस लाइन पाइपों/उत्खनन, कोल्ड रोलिंग, पाइप और ट्यूब विनिर्माण, अवसंरचना और निर्माण, सामान्य इंजीनियरी और फेब्रिकेशन, अर्थ-मूविंग और खनन उपकरण, स्टोरेज टैंक, लो प्रेशर हीटरों, संयंत्र और सीमेंट, उर्वरक, रिफाइनरीज आदि के लिए प्रक्रिया उपकरणों सहित पूँजीगत सामानों में किया जाता है।

7. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 7209, 7211, 7225 और 7226 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उत्पाद के दायरे से बाहर के उत्पादों को हटाकर पीयूसी के लिए आयात आकड़ों को ज्ञात करने के लिए डीजीसीआईएंडएस के सौदावार आयात आकड़ों का विश्लेषण किया है।

#### ख.1 हितबद्ध पक्षों के विचार

8. पीयूसी से संबंधित मुद्रों के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार हैं:

- क. उत्पाद का दायर काफी व्यापक एवं अस्पष्ट है। उत्पाद भिन्न प्रकार के हैं और इन्हें समान वस्तु के रूप में एक साथ मिलाया नहीं जा सकता। विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत वर्गीकृत किए गए उत्पाद वास्तव में अलग अलग हैं और इन्हें एक साथ नहीं मिलाया जा सकता।
- ख. जापान से भारत में आयातित संबद्ध वस्तुएं विभिन्न स्टील निर्माता कंपनियों में खपत की जा रही हैं जिनमें ऑटोमोटिव, इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रोनिक्स क्षेत्रों इत्यादि जैसे क्षेत्र शामिल हैं लेकिन यह केवल इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। भारत में प्राप्त नहीं किए जा रहे उत्पाद ग्रेड को उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए।
- ग. घरेलू उद्योग ने पहले ही कच्ची सामग्री अर्थात् होट रोल्ड स्टील के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क की मांग की है। घरेलू उद्योग होट रोल्ड स्टील उत्पादों पर भी पाटन रोधी शुल्क की मांग कर रहा है। यह समझ से परे है कि क्यों घरेलू उद्योग भी कोल्ड रोल्ड स्टील के आयातों से संरक्षण की मांग कर रहा है जबकि कच्ची

सामग्री के आयात से सरंक्षण मौजूद है। यह आकलन कठिन है कि क्षति कैसे हो रही है जबकि कच्ची सामग्री के आयात से सरंक्षण मौजूद है।

- घ. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के साथ गुणवत्ता का मामला है। घरेलू उद्योग संबंधित सभी प्रकार के आकार के संबंधित उत्पादों का उत्पादन नहीं कर सकता। घरेलू उद्योग विभिन्न ग्रेड के संबंध में ग्राहक का अनुमोदन प्राप्त करने में असमर्थ रहा है।
- ङ. उप शीर्ष 7225 और 7208 के तहत वर्गीकृत उत्पाद समान नहीं हैं और अधिक संख्या में तथा भिन्न प्रकार के हैं और इसीलिए इन्हें एक एकल विचाराधीन उत्पाद का निर्धारण करने के लिए एक साथ नहीं मिलाया जा सकता।
- च. अनेक प्रकार के ग्रेड हैं जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा सकता और इन्हें उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाएगा।
- छ. जीपीटी स्टील इंडस्ट्रीज का यह कहना है कि केवल टिन मिल ब्लैक प्लेट का उपयोग इलैक्ट्रोलिटिक टिन प्लेटों के लिए एक इनपुट के रूप में किया जाता है। भारत में केवल तीन ही इकाइयां हैं जो जीपीटी सहित टिन प्लेटों का निर्माण कर रही हैं। अन्य दो उत्पादक टीसीआईएल और वल्लभ अपनी स्वयं की खपत के लिए ही टीएमबीपी का उत्पादन करते हैं और इसलिए टीएमबीपी का उनका उत्पादन
- ज. और उनकी खपत आबद्ध है। भारत में टीएमबीपी कॉइल के कोई व्यापारी उत्पादक नहीं हैं और इसीलिए जीपीटी इंडस्ट्रीज को जरुरत के अनुसार उसकी आयात करना पड़ता है और वह भारत में टीएमबीपी का एकमात्र आयातक है। अतः जीपीटी द्वारा टीएमबीपी के कारण किसी भी भारतीय उत्पादक को कोई क्षति होने का कोई उदाहरण अथवा प्रश्न नहीं है।
- झ. पीयूसीको दो श्रेणियों कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड (सीआरएफएच) और कोल्ड रोल्ड एनिल्ड में विभाजित किया जाना चाहिए। परंतु प्रारंभिक जॉच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सीआरएफएच और एनिल्ड पर एक ही शुल्क लगाया है। यद्यपि फुल हार्ड घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित की जाती है उसकी प्राथमिक रूप से आबद्ध खपत होती है।
- ज. केवल विनिर्माण करने की क्षमता उत्पाद की वाणिज्यिक रूप से आपूर्ति करने के समान नहीं है। यदि घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के अनेक विनिर्देशनों की तरह समान वस्तु का विनिर्माण नहीं करता है तो उत्पादकों को उन विनिर्देशनों का घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है। नमूना आपूर्ति के बजाय वाणिज्यिक आपूर्ति को महत्व दिया जाना चाहिए।

## ख.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

9. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गये अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. घरेलू उद्योग का यह कहना है कि वे विचाराधीन उत्पाद के सभी ग्रेड/प्रकार का निर्माण करने में सक्षम है।
- ख. हितबद्ध पक्षकार अपने दावों को साक्ष्य के साथ प्रमाणित करने में विफल रहे हैं। इसके अतिरिक्त कई निर्यातकों ने घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाया है लेकिन उनका ऐसे मामले उठाने का कोई अर्थ नहीं है। ऐसे मामले तभी विश्वसनीय होते हैं यदि भारत में प्रयोक्ता उन्हें उठाएं।
- ग. भारत में कई प्रयोक्ताओं ने, विशेषकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र में, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की है। ये सराहना पत्र और सेंपल इनवॉयस विभिन्न ग्रेड की आपूर्ति को प्रदर्शित कर रहे हैं।
- घ. मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड सहित कई हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सभी आयातित ग्रेड, जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जा रहे हैं, उन्हें उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए। यद्यपि ऐसे पक्षकारों ने अपने अनुरोधों के साथ एक सूची संलग्न की है लेकिन उसे गोपनीय माना गया है। जब तक कि ऐसे पक्षकार
- ङ. अगोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों को ग्रेडों की सूची उपलब्ध नहीं करा देते तब तक घरेलू उद्योग इस स्थिति में नहीं होगा कि ऐसे ग्रेडों पर टिप्पणी कर सके जिन्हें वे बाहर करना चाहते हैं। इसे देखते हुए ऐसे पक्षकारों द्वारा निष्कासन के लिए किया गया अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह बात दोहराई

जाती है कि घरेलू उद्योग भारत में घरेलू प्रयोक्ताओं द्वारा यथा अपेक्षित सभी ग्रेड और विनिर्देशनों वाले उत्पादों का निर्माण करने के लिए सक्षम है।

च. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सभी निष्कासन संबंधी अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि घरेलू उद्योग न केवल उसका निर्माण कर रहा है बल्कि उसने भारत में प्रयोक्ताओं को नियमित रूप से आपूर्ति भी की है। प्राधिकारी को इस संबंध में प्रयोक्ताओं से इनवॉयस, मिल जांच प्रमाण पत्रों और सराहना पत्रों के रूप में साक्ष्य प्रदान किए गए हैं। इस बात का कोई भी संदेह नहीं है कि घरेलू उद्योग ऐसे सभी ग्रेड का निर्माण करने में पूरी तरह से सक्षम है जिनके लिए हितबद्ध पक्षकारों ने निष्कासन करने का अनुरोध किया है।

छ. घरेलू उत्पादक टिन मिल ब्लेक प्लेट ग्रेड का विनिर्माण कर रहे हैं।

ज. घरेलू उद्योग नियमित रूप से कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड स्टील का विनिर्माण करता है इसलिए कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड को उत्पाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता है। अमरीका जैसे अन्य प्राधिकारियों, द्वारा कोल्ड रोल्ड जॉच में भी, कोल्ड रोल्ड फुल हार्ड को उत्पादन में दायरे में रखा गया है।

झ. घरेलू उद्योग ने ऐसे सभी ग्रेडों या प्रतिस्थापनीय ग्रेडों की आपूर्ति की है जिनके लिए निर्यातकों/आयातकों/प्रयोक्ताओं ने बाहर रखने की मांग की है। इसके होते हुए भी, हितबद्ध पक्षों ने विशिष्ट ग्रेडों या संगत पीसीएन के विनिर्देशन घरेलू उद्योग के लिए अगोपनीय अंश में अपने संबंधित ग्रेडों का दर्शने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग को ऐसे विनिर्देशन या पीसीएन का अध्ययन करना चाहिए और हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए दावों के उचित उत्तर देने चाहिए।

ज. प्रारंभिक जॉच परिणामों में विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के विश्लेषण के संबंध में, घरेलू उद्योग यह अनुरोध करता है कि विश्लेषण पर्याप्त है और घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों दोनों द्वारा दी गई दलीलों का समाधान करता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अंतिम जॉच परिणामों में उत्पाद के दायरे के अपने विश्लेषण में निश्चित रूप से पुष्टि करने का अनुरोध किया जाता है।

### **ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

10. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मामलों के संबंध में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की निम्नानुसार जॉच और समाधान किया गया है:

क. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों में इन तीन बातों पर प्रमुख रूप से बल दिया गया है, (i) घरेलू उद्योग उत्पादन के दायरे में शामिल कई ग्रेड का निर्माण नहीं करता, (ii) घरेलू उद्योग कतिपय ग्रेड का निर्माण करता है लेकिन गुणवत्ता उचित नहीं होती है, और (iii) कतिपय ग्रेड के लिए, घरेलू उद्योग के पास ग्राहक का अनुमोदन नहीं होता है। घरेलू उद्योग ने इन हितबद्ध पक्षकारों के दावों के संबंध में एक विस्तृत उत्तर दाखिल किया है। प्राधिकारी ने भी सत्यापन दौरे के दौरान यह पाया है कि घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेड (पीसीएन के बिल्कुल समकक्ष/बिल्कुल मिलते-जुलते) का निर्माण कर रहा है, और भारत में उपयोगकर्ताओं को आपूर्ति भी की है।

ख. पीयूसी से बाहर रखने के मुद्दों की वस्तुनिष्ठ ढंग से जॉच करने के लिए प्राधिकारी ने पीयूसी से बाहर रखने की मांग करने वाले सभी पक्षों को बाहर रखे जाने की मांग वाले ग्रेडों के पीसीएनवार व्यौरे प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। घरेलू उद्योग से भी पीओआई के दौरान उनके द्वारा विनिर्मित पीयूसी के पीसीएन वार व्यौरे प्रदान करने के लिए कहा गया। सूचना की विस्तृत जॉच करने से प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग ने उस प्रत्येक पीसीएन जिसके लिए हितबद्ध पक्षों ने बाहर रखने की मांग की है के बिल्कुल समान या काफी मिलते-जुलते पीसीएन का विनिर्माण किया है। इसे देखते हुए उत्पाद के दायरे से कुछ बाहर रखने की आवश्यकता नहीं है। यह विस्तृत विश्लेषण उत्पादक के दायरे से बाहर रखने के सभी अनुरोधों का समाधान करता है। तथापि आगामी पैराग्राफों में, प्राधिकारी

ने अतिरिक्त रूप से आवश्यक समझी गई सीमा तक बाहर रखे जाने के अलग-अलग अनुरोधों का समाधान किया है।

ग. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि उत्पाद का दायरा काफी व्यापक, अस्पष्ट और विषम है और सभी उत्पादों को एक ही विचाराधीन उत्पाद में समेकित नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा बहुत ही सीमित है। हितबद्ध पक्षकार विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा की जांच करके ऐसे ग्रेड/विनिर्देशनों पर टिप्पणी करते हैं जो उत्पाद के दायरे का भाग नहीं होने चाहिए। तथापि, कोई भी हितबद्ध पक्षकार विचाराधीन उत्पाद पर विश्वसनीय साक्ष्य के साथ उनके दावे को प्रमाणित नहीं कर सका है। इसके अलावा कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह नहीं बता सका कि उपरोक्त तरीके से विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में कोई कानूनी बाधा क्या है।

घ. केवल इस कारण से कि कच्ची सामग्री होट रोल्ड स्टील के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाया गया है और होट रोल्ड स्टील के उत्पादों पर एक पाटनरोधी जांच भी चल रही है, यह अर्थ नहीं होता कि घरेलू उद्योग पर कोल्ड रोल्ड स्टील उत्पादों के संबंध में एक पाटनरोधी आवेदन दाखिल करने पर प्रतिबंध है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसे दावे कानूनन तर्कसंगत नहीं हैं।

ड. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में घरेलू उद्योग टिन मिल ब्लेक प्लेटों का विनिर्माण करता है। इसके अलावा, टिन मिल ब्लेक प्लेटों और कोल्ड रोल्ड अनिल्ड उत्पाद बिल्कुल प्रतिस्थापनीय उत्पाद हैं।

च. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विचाराधीन उत्पाद व्यापक और अस्पष्ट है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को, संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग के उत्पादन व आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए उपयुक्त रूप से परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने उत्पाद के दायरे पर पहुँचने से पूर्व सभी पक्षकारों के तर्कों की पूरी तरह से जांच की है।

छ. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि: "समान वस्तु" से तात्पर्य ऐसी वस्तु से है, जो भारत में पाटित किए जाने के लिए की जा रही जांच के अधीन वस्तु के समान अथवा एक जैसी है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि पूरी तरह से समान तो नहीं है, लेकिन जांच की जा रही वस्तु से काफी मिलती-जुलती विशेषताओं वाली है। उपलब्ध सूचना के आधार पर और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने अनन्तिम रूप से यह पाया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों ही भौतिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रियाओं, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य हैं। उपभोक्ता दोनों को ही एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाते हैं। इस प्रकार प्राधिकारी यह मानते हैं कि वे आवेदकों द्वारा निर्मित उत्पाद संबद्ध देशों से भारत में आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

ज. नियमावली के नियम 6(7) और नियम 7 के संदर्भ में प्राधिकारी एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को प्रदान करने के लिए बाध्य है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार अनुरोध और साक्ष्य के संबंध में गोपनीयता का दावा करता है कि हितबद्ध पक्षकार नियम 7 के तहत इस अनुरोध और साक्ष्य को अगोपनीय फॉर्मेट में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य हैं, लेकिन यह अगोपनीय अनुरोध और साक्ष्य सार्थक होना चाहिए ताकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणी करने दिया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कई हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद के दायरे से कई ग्रेड को निष्कासित करने का अनुरोध किया है परंतु मारुति सुजुकी इंडिया लि., जीपीटी स्टील इंडस्ट्रीज और हुंडे मोटर इंडिया लिमिटेड जैसे कुछ हितबद्ध पक्षों ने अपवर्जन सूची या पीसीएन सूची के गोपनीय होने का दावा किया है। चूंकि प्राधिकारी एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकारी है, इसलिए उसने ऐसे पक्षकारों के अगोपनीय अनुरोध घरेलू उद्योग को उपलब्ध करा दिए हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे हितबद्ध पक्षकारों

ने नियम 7 का पालन नहीं किया है क्योंकि उनके अगोपनीय अनुरोध पर्यास रूप से सार्थक नहीं हैं और उनमें उन पीसीएन/ग्रेडों की सूची है जिसके लिए उन्होंने निष्कासन मांगा है। इससे कि घरेलू उद्योग को उक्त हितबद्ध पक्षों द्वारा अनुरोध किए गए निष्कासन पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने का उचित अवसर नहीं मिला है। अतः इस अवस्था में प्राधिकारी ने यह मानने का प्रस्ताव किया है कि उक्त हितबद्ध पक्षों के निष्कासनों की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

झ. प्राधिकारी एतद्वारा इस जाँच के लिए विचाराधीन उत्पाद की निम्नानुसार पुष्टि करते हैं :

“एलाँय या नाँन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों”।

विचाराधीन उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद, क्वायल में हों अथवा क्वायल में न हों, शामिल हैं जिनमें स्लिट क्वायल अथवा शीट्स, ब्लैंक्स शामिल हैं, वे चाहे एनील्ड अथवा बॉक्स एनील्ड में हों अथवा बैच एनील्ड में हों अथवा निरंतर एनील्ड हों अथवा अन्य किसी एनीलिंग प्रक्रिया में हों अथवा पूर्णतः सख्त अथवा आंशिक रूप से सख्त हों। संबंधित उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल हैं जो प्राइम और नाँन प्राइम गुणवत्ता के अनुरूप हैं, वे चाहे 4 गुना ऊंची रिवर्सिवल मिल से रोल्ड हों अथवा न हों, 6 गुना ऊंची रिवर्सिवल मिल से रोल्ड हों, सेंडजीमिर मिल, 20 गुना ऊंची कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स एंड टेंडर्म कोल्ड रोलिंग मिल्स (पी एल टी सी एम), सतत एनीलिंग लाइन (सी ए एल) अथवा अन्य किसी कोल्ड रोलिंग/कोल्ड रिड्यूसिंग प्रक्रिया से अनहील्ड हों अथवा न हों। ये उत्पाद किसी भी किस्म, मानक, विशिष्ट और ग्रेड के तेल के बिना सप्लाई/आयल्ड किए जा सकते हैं। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता वाले स्टील को शामिल करके उनके अनुरूप हो सकते हैं परंतु पूर्णतः सख्त, आंशिक रूप से सख्त, वाणिज्यिक गुणवत्ता, ड्राइंग, डी ड्राइंग, एक्स्ट्राडीप ड्राइंग, इंटर स्टीटियल प्री स्टील, हाइ स्टेंथ लो एलाय स्टील, एडवांस्ड हाई स्टेंथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रैंथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलाय स्टील, एडवास्ट हाई स्ट्रैंथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रैंथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलायड स्टील, ट्रिप स्टील (ट्रांसफोरमेशन इन्ड्यूज्ड प्लास्टिसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट्स (टीलएमबीपी) और अन्य कई गुणवत्ताओं तक सीमित नहीं हैं। इन स्टीलों का उत्पादन और आपूर्ति स्किन पास/टेम्पर रोलिंग सहित अथवा उसके बिना किया जा सकता है, भले ही वे एल्यूमिनियम किल्ड/नाँन एजीइंग गुणवत्ता के हों अथवा न हों तथा उनमें बोरोन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वेनाडियम अथवा भार की दृष्टि से किसी स्तर का उपयुक्त कोई अन्य घटक हो या न हो। इन स्टीलों का अनुप्रयोग विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैल सकता है परंतु वे आटोमोटिव इंडस्ट्री उद्योग, ट्रेक्टरों, साइकिलों, उपकरणों, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनलों, पैकेजिंग, ड्रम, बैरलों, सामान्य इंजीनियरी, कोटिंग के लिए सब्स्ट्रेट, कलर कोटिंग गेल्वेनाइजिंग, मैटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट इत्यादि तथा अन्य कई अनुप्रयोगों तक सीमित नहीं है।

निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है :

- (क) स्टेनलैस स्टील।
- (ख) हाई स्पीड स्टील अर्थात् अलाय स्टील, अन्य घटकों सहित अथवा उनके बिना, तीन घटकों मोलिवडेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) में से कम से कम दो, जिनमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के भार, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक का कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत का क्रोमियम पदार्थ संयुक्त हों।
- (ग) सिलिकन इलैक्ट्रिकल स्टील जो ग्रेन ओरिएंटेड और नाँन ग्रेन ओरिएंटेड स्टील्स के अनुरूप हो अर्थात् भार युक्त एलाय स्टील, कम से कम 0.6 प्रतिशत परंतु सिलिकन के 6 प्रतिशत से अधिक न

हो और कार्बन के 0.08 प्रतिशत से अधिक न हो। इस स्टील में भार की दृष्टि से 1 प्रतिशत एल्यूमिनियम से अधिक भी नहीं हो सकता परंतु उत्पादन में ऐसा कोई घटक न हो जिससे स्टील में अन्य एलाय स्टील की विशेषताएं आ जाएं।

#### ग. गोपनीयता

##### ग.1 घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

11. अत्यधिक गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाये गए हैं :

- क. आईबीआईएस से प्राप्त मूल/अपरिष्कृत सौदा-वार आयात आकड़ों की प्रति एक्सेल फाइल फार्मेट में नहीं दी गई है।
- ख. आवेदक से इतर घरेलू उत्पादक के कंपनी-वार उत्पादन और विक्री मात्रा के ब्योरे नहीं दिए गए हैं।
- ग. परिकलित मूल्य और सामान्य मूल्य के मद-वार ब्योरे गोपनीय रखे गए हैं और सामान्य मूल्य की रेंज भी नहीं बताई गई है।
- घ. यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है हितबद्ध पक्ष सार्थ टिप्पणियां करने में असमर्थ हो गए हैं जो पाटनरोधी नियमावली में प्रदत्त गोपनीयता के प्रावधानों के पूर्णतः विरुद्ध है।
- ङ. आवेदक उद्योग ने विक्री कीमत, उत्पादन लागत, आरओसीई, उत्पादकता, रोजगार आदि जैसी काफी सूचना को कोई न्यायोचित कारण बताए बिना गोपनीय रखा है। यह नियमों के अंतर्गत अनुमत नहीं है जैसा कि उक्त उपबंधों से देखा जा सकता है। गोपनीयता की आड में छिपाई गई सूचना इस प्रकार है:
- छ. पाटनरोधी प्राधिकारी ने बताया है कि उन्होंने डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों पर भरोसा किया है परंतु डीजीसीआईएस के आकड़ों की एक प्रति प्रारंभिक जॉच परिणाम के साथ संलग्न नहीं है।

#### ग.2 घरेलू उद्योग के विचार

12. कुछ हितबद्ध पक्षों का यह मत है कि घरेलू उद्योग ने i) आईबीआईएस आयात आकड़ों; ii) कंपनी वार उत्पादन और विक्री मात्रा के ब्योरे iii) परिकलित सामान्य मूल्य के मद-वार ब्योरे iv) समुद्रीभाड़ा, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय आदि; v) घरेलू विक्री कीमत vi) लाभ और आरओसीई प्रतिशत रूप में vii) परिकलित सामान्य मूल्य को गोपनीय रखकर याचिका में अत्यधिक गोपनीयता बरती है। घरेलू उद्योग उक्त दलीलों से पूर्णतः इनकार और आपत्ति जताता है। सबसे पहले, यह स्पष्ट किया जाता है कि एडी नियमावली का नियम 7 सूचना के संबंध में गोपनीयता का दावा करने की पक्षकार को अनुमति देता है। नियम 7 में यह भी अधिदेशित है कि गोपनीय सूचना का हितबद्ध पक्षों के लिए एक अगोपनीय सारांश में प्रदान की जानी चाहिए और जहां यह संभव न हो वहां सारांश संभव न होने के कारण दिए जाने चाहिए। घरेलू उद्योग ने एडी नियमावली के नियम के अनुपालन में कतिपय आकड़ों के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है। इसलिए हितबद्ध पक्षों की उक्त दलीलों में कोई तथ्य नहीं है। इसके अलावा, इस जॉच में आयात आकड़े पहले ही सार्वजनिक फाइल में रखे गए हैं। इसलिए आयात आकड़ों की अनुपलब्धता संबंधी दलीलें निराधार हैं। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने उनके द्वारा उत्पादित पीसीएन की सूची लिखित अनुरोधों के अगोपनीय अंश में रिकार्ड में रखी है।

#### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जॉच

13. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

(1) नियम 6 के उपनियम (7), नियम 12 के उपनियम (2) (3), (2) नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम

(1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

14. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षों के अनुरोधों की जाँच और तदनुसार समाधान किया गया है। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षों द्वारा दी गई सूचना गोपनयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांची गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां आवश्यक हो स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है और अन्य हितबद्ध पक्षों को उसका प्रकटन नहीं किया है। जहां संभव हो गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षों को गोपनीय आधार पर दी गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निदेश भी दिया गया है। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सार्वजनिक डोमेन में दी गई किसी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है। यह भी नोट किया जाए कि प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के सौदावार आयात आकड़ों को गोपनीय सूचना जैसे आयातकों के नाम, आयातकों के आईईसी कोड को से हटाकर उन्हें सार्वजनिक फाइल में रखा गया है।

#### घ. घरेलू उद्योग और स्थिति

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"

12. मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, मैसर्स एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड और मै. जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा आवेदन दाखिल किया गया है। उपरोक्त चार उत्पादकों के उत्पादन में कुल घरेलू उद्योग का एक बड़ा हिस्सा शामिल है और वह भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक है। आवेदन का घरेलू उत्पादक भूषण स्टील लिमिटेड द्वारा भी समर्थन किया गया है।

घ. 1 घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में निर्यातक, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

17. जेएसडब्ल्यू को नीचे बताये गए कारणों से घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जा सकता है:

क. जेएसडब्ल्यू में जेएफई द्वारा निवेश 4600 करोड़ रूपये से अधिक है (शेयरधारिता के 15 प्रतिशत से अधिक)

ख. तकनीकी सहयोग

- आटोमोटिव इस्पात उत्पादन के लिए सहयोग
- जेएफई और जेएसडब्लू निकट भविष्य में भारत में पता लगाए जा सकने वाले सहयोग के संभावित क्षेत्रों के संबंध में भी व्यापक सहमति तक पहुंच गए हैं।

ग. जेएसडब्लू में निदेशक को जेएफई द्वारा नामांकित किया जाता है।

घ. जेएसडब्लू द्वारा जेएफई से संबद्ध वस्तु का आयात

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए झूठे प्रकटन के आधार पर शुरू की गई जॉन्च से घरेलू उद्योग के दायरे का गलत निर्धारण हुआ। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के दायरे पर पुनर्विचार नहीं कर सकते हैं इसलिए जॉन्च आरंभ से ही तथ्य के बिना है और उसे तत्काल समाप्त कर देना चाहिए।

## घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

18. घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

क. कुछ हितबद्ध पक्षों का यह मत है कि जेएफई स्टील की जेएसडब्लू स्टील में 15 प्रतिशत से तक की भागीदारी है, उसे घरेलू उद्योग नहीं माना जाना चाहिए। घरेलू उद्योग इस दलील को पूर्णतः निराधार बताता और उस पर आपत्ति करता है। सार्थक विश्लेषण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) का संदर्भ लेना महत्वपूर्ण है जिसके संगत भाग को यहां उद्धरित किया गया है :

**"घरेलू उद्योग"** का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाठित वस्तु के नियांतकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"

## स्पष्टीकरण – इस खंड के प्रयोजनार्थ

- उत्पादक को नियांतकों या आयातकों से केवल तभी संबंधित माना जाएगा यदि –
  - उनमें से एक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दूसरे को नियंत्रित करता है; या
  - वे दोनों किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित होते हों; या
  - वे दोनों मिलकर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तीसरे व्यक्ति को नियंत्रित करते हों, इस शर्त के अधीन कि इस बात को मानने या संदेह करने के आधार हों कि ऐसे संबंध का प्रभाव उत्पादकों द्वारा असंबंधित उत्पादक से अलग व्यवहार का कारण हो सकता है।
- किसी उत्पादक को अन्य उत्पादक को नियंत्रित करता हुआ तभी माना जाएगा जब पहला दूसरे पर विधिक या प्रचालनात्मक रूप से नियंत्रण या निदेश देने की स्थिति में हो।
- उक्त विधिक स्थिति को देखते हुए घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि मामले के तथ्यों में यह सिद्ध नहीं हुआ है कि जेएसडब्लू स्टील पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख)(i) और 2(ख)(ii) के अनुसार जेएफई से संबंधित है। विशेष रूप से, कोई भी हितबद्ध पक्ष यह सिद्ध नहीं कर सका है कि जेएफई स्टील प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेएसडब्लू स्टील को नियंत्रित करता या इसके विपरीत होता है। इसके अलावा कोई भी

हितबद्ध पक्ष यह सिद्ध नहीं कर सका है कि जेएफईस्टल और जेएसडब्लू स्टील मिलकर किसी तीसरी कंपनी को नियंत्रित करते हैं। मामले के तथ्यों से यह भी सिद्ध नहीं हुआ है कि जेएफई स्टील, जेएसडब्लू स्टील पर कोई नियंत्रण या निदेश रखता है या इसके विपरीत होता है। इस प्रकार, जेएफई स्टील द्वारा जेएसडब्लू स्टील पर नियंत्रण या उसका विपरीत होने का प्रश्न पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख)(i) और 2(ख)(ii) के अनुसार वर्तमान मामले में बिल्कुल सिद्ध नहीं होता है।

ग. इस संबंध में घरेलू उद्योग ने चीन जन. गण. से सर्कुलर वीरिंग मशीन के संबंध में दिनांक 16 नवंबर, 2010 की संख्या 14/25/2008-डीजीएडी द्वारा जारी अंतिम जॉच परिणाम पर भरोसा किया है जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी ने माना है कि केवल शेयरधारिता/संबंध पाटनरोधी नियमावली के अनुसार नियंत्रण नहीं दर्शते हैं। अंतिम जॉच परिणाम से संगत उद्धरण को तत्काल संदर्भ के लिए यहां दिया गया है :

'15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादक और नियर्तिक के बीच संबंध का मुख्य तत्व कानूनी या प्रचालनात्मक 'नियंत्रण' है। प्राधिकारी पाते हैं कि स्टारलिंगर, चीन, स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का 100 प्रतिशत अधीनस्थ है जिसमें दोनों संबंधित कंपनियां हैं। इसके अलावा, यह साक्ष्य दिया गया है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के पास आवेदक कंपनी अर्थात् लोहिया स्टारलिंग लिमिटेड में 34.67 प्रतिशत शेयर हैं। परंतु केवल शेयर धारिता से नियंत्रण नहीं होता है और इसलिए स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/या स्टारलिंगर, चीन लोहिया स्टारलिंग लिमिटेड (एलएसएल) से पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबंधित नहीं हो जाते हैं। अधिकांश शेयरधारिता अर्थात् 50 प्रतिशत से अधिक केवल कानूनी नियंत्रण देती है। इसके अलावा प्राधिकारी पाते हैं कि वर्ष 2002 से स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई निदेशक आवेदक कंपनी के बोर्ड में नियुक्त नहीं किया गया है। दोनों पक्षों द्वारा यह रिकार्ड में लाया गया है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने कंपनी लॉ कोर्ड के समक्ष याचिका दायर की गई जिसमें एलएसएल के बोर्ड में नामिती की नियुक्ति की मांग की गई है। इन सबसे यह सिद्ध होता है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के पास एलएसएल पर कोई प्रचालनात्मक नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा, यदि दोनों पक्ष संबंधित पक्ष हैं तो केवल संबंध का तथ्य घरेलू उत्पादक को अपात्र मानने के लिए अपर्याप्त होगा। ऐसे संबंधित घरेलू उत्पादक को बाहर करने को उचित बताने वाले पर्याप्त आधार होने चाहिए। इस बात के साक्ष्य होने चाहिए कि संबंधित घरेलू उत्पादक ने संबंध के कारण अलग व्यवहार किया है या ने पाटन की प्रक्रिया में भाग लिया है और ऐसे कदम उठाए हैं जिनसे स्व-आरोपित क्षति हो सकती थी। वर्तमान मामले में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि दोनों पक्षों के बीच संबंध से याचिकाकर्ता किसी असंबंधित उत्पादक से अलग ढंग से व्यवहार करने लगा।

16. इस प्रकार, एलएसएल पर स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/या स्टारलिंगर, चीन द्वारा कानूनी या प्रचालनात्मक नियंत्रण के अभाव में और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में अंतर्विष्ट उपबंधों के आलोक में एलएसएल को अपात्र घरेलू उत्पादक मानने के लिए पर्याप्त आधारों के अभाव में प्राधिकारी आवेदक को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग होने का पात्र मानते हैं और उसके पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में याचिका दायर करने की योग्यता है।

घ. किसी भी हितबद्ध पक्ष ने यह सिद्ध नहीं किया है कि जेएफई स्टील का जेएसडब्लू स्टील में 15 प्रतिशत हिस्सा (यद्यपि स्वीकृत नहीं) होने से जेएफई स्टील पर नियंत्रण हो जाता है और इस प्रकार जेएफई स्टील और जेएसडब्लू स्टील संबंधित हो जाते हैं। जे एफ ई स्टील, जेएसडब्लू स्टील पर कोई नियंत्रण नहीं रखता

है। अतः, जे एस डब्लू स्टील निर्यातिक जेएफई स्टील से संबंधित नहीं है और इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के भीतर घरेलू उद्योग के रूप में योग्य है।

### घ. 3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

19. घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों की निम्नानुसार जाँच की गई है :

- क. कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि जेएफई स्टील प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेएसडब्लू स्टील को नियंत्रित करता है या इसका विपरीत है। इसके अलावा, कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह सिद्ध नहीं कर पाया है कि जेएफई स्टील और जेएसडब्लू स्टील मिलकर किसी तीसरी कंपनी को नियंत्रित नहीं करते हैं। मामले के तथ्यों से यह भी सिद्ध नहीं हुआ है कि जेएफई स्टील, जेएसडब्लू स्टील पर नियंत्रण या निदेश या उसके विपरीत नहीं करता है।
- ख. निर्यातिक से संबंध होने के कारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार किसी उत्पादक को अपात्र मानने के लिए इस बात का साक्ष्य होना चाहिए कि संबंधित घरेलू उत्पादक ने संबंध के कारण अलग व्यवहार किया है या ने पाटन की प्रक्रिया में भाग लिया है और ऐसे कदम उठाए हैं जिनसे स्व-आरोपित क्षति हो सकती थी। वर्तमान मामले में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि दोनों पक्षों के बीच संबंध से याचिकाकर्ता किसी असंबंधित उत्पादक से अलग ढग से व्यवहार करने लगा।
- ग. इस प्रकार, जेएसडब्लू पर जेएफई द्वारा विधिक और प्रचालनात्मक नियंत्रण के अभाव और जेएसडब्लू स्टील को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में अंतर्विष्ट उपबंधों के आलोक में अपात्र घरेलू उत्पादक मानने के लिए पर्याप्त आधारों के अभाव में प्राधिकारी जेएसडब्लू स्टील को इस मामले में एक पात्र आवेदक मानते हैं। यही दृष्टिकोण चीन जन. गण. से सर्कुलर वीरिंग मशीन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच में प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया था।
- घ. प्राधिकारी मानते हैं कि जेएसडब्लू स्टील पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का भाग होने का पात्र मानते हैं।
- ड. प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि आवेदकों को मिलाकर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है। तदनुसार, आवेदक नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग है।

### ड. निर्धारित न्यूनतम सीमा

20. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राधिकारी द्वारा प्राप्त आयात आकड़ों और संबद्ध देशों से सहयोगी निर्यातिकों द्वारा प्रस्तुत आकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्धवस्तु के आयातों को निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया है।

### च. विविध मुद्दे

21. विभिन्न हितबद्ध पक्षों ने पाटन के निर्धारण और घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों की पद्धति सहित वर्तमान जाँच के संबंध में अनेक मुद्दे उठाए हैं। यद्यपि पाटन और क्षति निर्धारण से संबंधित मुद्दों पर इस जाँच परिणाम में उचित स्थानों पर ध्यान दिया गया है, तथापि जाँच के लिए पक्षों द्वारा उठाए गए सामान्य मुद्दों की नीचे जाँच की गई है। संक्षिप्तता के लिए पक्षों के अनुरोध और उनमें उठाए गए मुद्दों का सारांश निम्नानुसार है :

### च.1 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मामले

क. याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में उल्लिखित मांग संबंधी आंकड़ों को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया है और वे सही नहीं हैं। सेल की वेबसाइट से प्राप्त एक प्रैस विज़सि में यह स्पष्ट किया गया है कि वित्त वर्ष 2014-15 में मांग विगत वर्षों की तुलना में कम थी। इसके अलावा विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग एक प्राइवेट एजेंसी से संकलित आंकड़ों के आधार पर है न कि संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी) जैसे शासकीय स्रोतों से है।

ख. यह याचिका एक प्राइवेट एजेंसी से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है न कि जेपीसी जैसे अधिकृत आंकड़ों पर आधारित है। कच्चे आंकड़े एक प्राइवेट वाणिज्यिक एजेंसी द्वारा संकलित किए गए हैं और इन्हें समृद्ध ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुसार तोड़ा मरोड़ा जा सकता है। इसके बाद इन आंकड़ों पर याचिकाकर्ताओं द्वारा छेड़छाड़ की गई है और इसीलिए स्वतंत्र जांच के लिए इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ग. याचिका में विचाराधीन उत्पाद की कैप्टिव खपत के संबंध में सूचना शामिल नहीं है। ऐसी सूचना होने पर याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाए गए कोई भी आरोप अप्रमाणित माने जाएं और उन्हें कथित क्षति के एक प्रथम दृष्टया मामले के लिए पर्याप्त नहीं माना जाए। मालसूची, रोजगार, मजदूरी और विकास के संबंध में कोई भी सूचना प्रदान नहीं की गई है। भारतीय उद्योग के समग्र सकारात्मक दृष्टिकोण के आधार पर यह माना जा सकता है कि इन संकेतकों ने उचित निष्पादन किया है।

घ. पीओआई के दौरान सीआर काइलों की मालसूची 15-20 दिनों के मासिक उत्पादन के मानकों के भीतर थी, उत्पादन और विभिन्न गंतव्यों तक तैयार उत्पाद के प्रेषण के बीच लगने वाला सामान्य समय परीक्षण प्रमाण-पत्रों के जारी होने, पैकिंग, बिक्री आदेशों के साथ लिंकिंग, रेक्स/वेगंस आदि की बीजक उपलब्धता के कारण होता है। याचिकाकर्ताओं द्वारा बताया गया मालसूची का स्तर भी मानकों के भीतर है परंतु वास्तविक स्थिति जानने के लिए आगे जाँच की जरूरत है।

ङ. याचिका में क्षमता उपयोग में कमी के संबंध में पर्याप्त सूचना शामिल नहीं है। शिकायत से यह स्पष्ट नहीं है कि याचिकाकर्ता किस विशेष उत्पाद मिश्रण के संबंध में कह रहा है।

च. भारतीय उत्पादकों को पहले से ही 12.5% सीमा शुल्क का संरक्षण मिला हुआ है। एचआर कॉइल पर सीमा शुल्क लगाने के अलावा घरेलू उत्पादकों को स्टील और स्टील उत्पादों के गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के माध्यम से आयातों पर तकनीकी अवरोधों से संरक्षण मिला हुआ है। विचाराधीन उत्पादों के लिए प्रयुक्त कच्चे माल पर रक्षोपाय शुल्क लगाया गया है और याचिकाकर्ता वर्तमान में मिश्रित धातु अथवा गैर मिश्रित धातु स्टील के होट रोल्ड फ्लैट उत्पादों पर पाटन रोधी उपायों की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा न्यूनतम आयात कीमत (एमआईपी) के उपाय भी लागू हैं। इससे याचिकाकर्ता की बाजार में स्वयं की अक्षमता का पता चलता है। याचिकाकर्ता ऐसे संरक्षण के उपायों की मांग करके घरेलू बाजार पर एकाधिकार रखना चाहते हैं।

छ. एमआईपी लगने, आयात शुल्कों में वृद्धि होने और रक्षोपाय शुल्क लगाने के बाद स्टील उद्योग के संरक्षण की आगे कोई जरूरत नहीं है। अब स्टील की ये कीमतें बढ़ रही हैं और प्रमुख घरेलू स्टील उत्पादक जैसे जेएसडब्ल्यू स्टील, भूषण, एस्सार, जेएसपीएल, टाटा अच्छा कर रहे हैं।

ज. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.3. के तहत यूक्रेन ने प्राधिकारी से अन्य देशों से अलग से विचाराधीन उत्पाद की यूक्रेन के आयातों के प्रभाव पर विचार करने के लिए कहा है।

झ. याचिकाकर्ता ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराता जिससे कि यह प्रमाणित होता हो कि घरेलू उद्योग को क्षति यूक्रेन से आयातों के कारण थी। याचिका में केवल यह आरोप किया गया है कि नकारात्मक निष्पादन पाठित आयातों के कारण है।

ज. घरेलू उद्योग ने सार्थक टिप्पणियों के साथ हितबद्ध पक्षकारों को वंचित करते हुए अत्यधिक गोपनीयता का सहारा लिया है। उत्पादन की मात्रा, घरेलू बिक्री की मात्रा, मालसूची की मात्रा, प्रति इकाई बिक्री कीमत सूची में, प्रति इकाई लाभ सूची में, आरओसीई प्रतिशतता में, रोजगार, प्रोफार्मा IV वी इत्यादि जैसी सूचना को गोपनीयता के नाम पर रोक लिया गया है।

ट. याचिका का अगोपनीय पाठ भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 7 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता । याचिकाकर्ताओं ने अनेक तत्वों को सीमित कर दिया है जो कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों की स्थिति की पैरवी करने के लिए महत्वपूर्ण हैं ।

ठ. भारतीय स्टील बाजार वास्तव में अल्पाधिकार में है क्योंकि याचिकाकर्ता बाजार के 74% हिस्से पर विचार करता है । पाटनरोधी शुल्क लगाने से प्रतिस्पर्धा की स्थिति खराब होगी जो भारतीय अर्थव्यवस्था और ग्राहकों के हित के लिए खराब है । अधिक मात्रा में व्यापार सुरक्षा उपाय करना लोक हित में नहीं है ।

ड. एनआईपी की गणना करने के लिए 22 प्रतिशत की आरओसीई काफी अधिक है । ब्रिजस्टोन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सेस्टेट के निर्णय पर भरोसा किया गया है ।

**च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया हैं, वे इस प्रकार हैं:**

क. अधिनियम की धारा 9 क(3) उत्पाद के पाटन के इतिहास के संदर्भ में है । याचिकाकर्ता प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क पूर्वव्यापी प्रभाव से लगाने की सिफारिश करें क्योंकि पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने की शर्त पूरी है ।

ख. नियांतिकों को अच्छी तरह से इस बात की जानकारी है कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद की आयत कीमतें काफी कम हुई हैं, जैसा कि संबंधित देशों के लिए पंहुच मूल्य से स्पष्ट है ।

ग. कुछ हितबद्ध पक्षों का यह मत है कि नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय क्षतिरहित कीमत की गणना के लिए न्यायोचित नहीं है । घरेलू उद्योग इस दलील पर पुरजोर आपत्ति जताता है और यह अनुरोध करता है कि किसी भी हितबद्ध पक्ष ने कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय क्यों उचित नहीं है । वस्तुतः हाल में सेस्टेट के दो निर्णयों में यह देखा गया है कि नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय निर्दिष्ट प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के अनुसार वैध है और इसका खंडन करने वाले पक्ष की जिम्मेदारी है कि वह साक्ष्य प्रस्तुत करे कि 22 प्रतिशत की आय क्यों उचित नहीं है । इस संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान मेरिनो पैनल प्रोडक्ट्स लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, अंतिम आदेश सं. एडी/ए/53541/2015-सीयू(डीबी) दिनांक 27 नवंबर, 2015 और एक्जिम्कोर्प इंडिया प्रा. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी अंतिम आदेश सं. एडी/ए/53462/2016-सीयू(डीबी) दिनांक 12 सितंबर, 2016 में सेस्टेट के निर्णयों की ओर दिलाया जाता है । सेस्टेट के उक्त आदेशों को देखते हुए, नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत की आय वर्तमान मामले में वैध है और अंतिम जॉच परिणाम में इसकी निश्चित रूप से पुष्टि की जानी चाहिए ।

घ. प्रारंभिक जॉच परिणाम के पाठ से घरेलू उद्योग का यह मत है कि क्षतिरहित कीमत की गणना में कुछ त्रुटि हुई प्रतीत होती है । क्षतिरहित कीमत को कम बताया गया लगता है । यह अनुरोध किया गया है कि ऐसी गलतियों को सुधारा जाए । घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य (2006) 100 एससीसी 368 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आलोक में घरेलू उद्योग द्वारा जॉच और सार्थक टिप्पणियों के लिए प्रारंभिक क्षतिरहित कीमत गणनाओं का प्रकटन किया जाए, जिसकी हाल में भारत संघ बनाम मेघमानी आर्गेनिक्स लि. एवं अन्य सिविल अपील सं. 2010 की 1679 में माननीय उच्चतम न्यायालय की वृहत्तर पीठ ने पुष्टि की है ।

### च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

22. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विविध अनुरोधों की जांच की गई है और नीचे समाधान किया गया है :

क. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के संबंध में मांग से संबंधित आंकडे अधिक बताए गए हैं और जेपीसी जैसे शासकीय स्रोतों पर आधारित नहीं हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने उत्पादन के आंकडों की आवश्यकतानुसार गणना करने के लिए जेपीसी के आंकडों पर भरोसा किया है और उनका सार्वजनिक फाइल में रखे गए याचिका के अगोपनीय भाग में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। आयात संबंधी सूचना के लिए याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस के आंकडों पर भरोसा किया है जोकि एक प्राइवेट एजेंसी है। तथापि, वर्तमान प्रकटन विवरण डी जी सी आई एंड एस आंकडों पर आधारित है जिसे हितबद्ध पक्षकारों की चिंताओं का समाधान हो पाया है।

ख. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि कैप्टिव खपत, क्षमता उपयोग, मालसूची, रोजगार इत्यादि के संबंध में पर्याप्त सूचना का घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका में उल्लेख नहीं किया गया है और इसीलिए यह याचिका अप्रमाणित है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिका को प्रमाणित करने के लिए अपेक्षित सभी संगत सूचना याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदान कर दी गई है।

ग. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि भारतीय घरेलू उद्योग अति संरक्षण की मांग कर रहा है और यह कि वह पहले ही रक्षोपाय शुल्क, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और एम आई पी जैसे विभिन्न संरक्षणों का लाभ उठा रहा है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई रक्षोपाय शुल्क नहीं लगाया गया है। यह तर्क कि रक्षोपाय शुल्क हॉट रोल्ड स्टील उत्पादों पर लगाया गया है, जो विचाराधीन उत्पादों के लिए इनपुट के रूप में इस्तेमाल किया गया है, असंगत है।
- एमआईपी भारत सरकार द्वारा अस्थायी उपाय के रूप में लगाया गया है और वह दिनांक 4 अगस्त, 2016 तक संबद्ध वस्तु के लिए लागू है।
- गुणवत्ता नियंत्रण आदेश की मौजूदगी यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कतिपय गुणवत्ता मापदंडों की पूर्ति हुई है। वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग पाटित आयातों से संरक्षण की मांग कर रहा है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश की मौजूदगी से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि कोई पाटन नहीं हो रहा है और घरेलू उद्योग को इससे कोई क्षति नहीं हो रही है।

घ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना कि गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी, संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने आवश्यकतानुसार गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना के अगोपनीय पाठ को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ को उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कोई भी सूचना गोपनीय नहीं मानी जा सकती।

इ. हितबद्ध पक्षकारों के तर्क के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग को क्षति होगी और इसे अंतिम उपभोक्ता के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य ही अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं को दूर करना है और घरेलू उद्योगों पर इसके क्षतिकारी प्रभावों को दूर करना है ताकि वो मुकाबले में रहे। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयात न तो रुकते हैं और न ही सीमित रहते हैं।

च. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि 6 माह से अधिक होनी चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी प्रक्रियाओं संबंधी समिति की सिफारिश (डब्ल्यूटीओ दस्तावेज संख्या जी/एडीपी/6 दिनांक 16 मई, 2000) के अनुसार;

"..... पाटन जांच के लिए डाटा संकलन की अवधि सामान्यतः बारह माह होनी चाहिए और किसी भी रूप में जांच की शुरूआत की तारीख से व्यावहारिक दृष्टि से निकटतम छः माह से कम की नहीं होनी चाहिए।"

अतः उपरोक्त सिफारिश को देखते हुए 6 माह की अवधि को जांच की अवधि के रूप में लिया जा सकता है। प्राधिकारी ने अन्य जांचों में भी 6 माह की जांच की अवधि को लिया है।

छ. जहां तक भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने के अनुरोध का संबंध है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(3) में प्रावधान इस प्रकार है:

जांच के अधीन पाटित वस्तु के संबंध में यदि केंद्र सरकार का यह अभिमत है कि:

(i) पाटन काफी पहले से किया जा रहा है, जिससे क्षति हुई है अथवा कि आयातक को यह ज्ञात था अथवा ज्ञात होना चाहिए था कि नियांतक पाटन कर रहा है और यह कि ऐसे पाटन से क्षति पहुँचेगी, और

(ii) अपेक्षाकृत लघु अवधि में आयातित किसी वस्तु के भारी मात्रा में पाटन से क्षति हुई है, जिससे पाटित आयातित वस्तु के समय और मात्रा एवं अन्य परिस्थितियों के महेनजर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क का सुधारात्मक प्रभाव गंभीर रूप से कम होने की संभावना है।

तो केंद्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से उप-धारा (2) के अंतर्गत भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से पहले की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगा सकती है परंतु इस उप-खंड के अंतर्गत शुल्क अधिरोपण की तारीख अधिसूचना की तारीख से नब्बे दिन पूर्व तक ही होगी और इस समय लागू किसी कानून में किसी बात के होते हुए भी ऐसे शुल्क का भुगतान उस दर एवं उस तारीख से किया जाएगा, जिसे अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया गया हो।

ज. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम की अवस्था में पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने से संबंधित मामले की जांच करेगी।

#### छ. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, नियांत कीमत और पाटन मार्जिन का आकलन

##### सामान्य मूल्य

23. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिधारीत नियांतक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब नियांतक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब नियांतक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; परंतु यह कि उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

**गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के संबंध में प्रावधान:**

24. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। में कहा गया है:

7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं हैं, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने

वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

- (ब) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के हास अन्य बट्टे खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;
- (ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-
- (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं:-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के बजाय पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

#### निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

25. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों और जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत समझा गया है, उनकी जांच की गई है, और निम्नानुसार समाधान किया गया है :

- क. यह अनुरोध किया जाता है कि यदि लाभकारी सौदे 20 प्रतिशत से कम हैं तो सामान्य मूल्य उत्पादन की लागत और तर्कसंगत लाभ के आधार पर निर्धारित की जानी चाहिए।
- ख. मै. जापोरी झास्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स, यूक्रेन ने एम ई टी उत्तर दाखिल किया है और एम ई टी का दावा किया है।
- ग. बाओसान आयरन एंड स्टील कं. लि. (बाओसान), बाओस्टील सिंगापुर पीटीई लि., बाओसान कंपनी इंडिया प्रा. लि. ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग ने पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य के निर्माण का सहारा लिया है और यह बिल्कुल अनुचित होगा यदि आयातकों/प्रयोक्ताओं को सामान्य मूल्य जिसका उनसे सीधा संबंध है, की गणना में भरोसा की गई सूचना पर टिप्पणी करने की अनुमति नहीं दी जाती है। विदेशी विनिर्माताओं की उनके प्रचालन में कार्यकुशलता और उत्पादन के पैमाने के कारण विनिर्माण में कम लागत आती है।
- घ. निप्पोन स्टील और सुमितोमों मैटल कार्पोरेशन ने अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारिक के रूप में घरेलू विक्रियों को अस्वीकार केवल तभी किया जा सकता है यदि घरेलू विक्रियों को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । में यथा स्पष्ट 'व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं' पाया जाता है।
- ड. यूक्रेन के दूतावास ने यह अनुरोध किया है कि युक्रेन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि वह युक्रेन की आर्थिक स्थिति को नहीं दर्शाता है और यह डब्लूटीओ कानून के अधीन भारत के दायित्वों से असंगत है। यह धारणा कि यूक्रेन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है यूक्रेन से उत्पादों पर पाटनरोधी जांच के संदर्भ में अन्य डब्लूटीओ सदस्यों की सामान्य प्रक्रिया के बिल्कुल विपरीत होगा। इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं द्वारा जापान को प्रतिनिधि देश के रूप में प्रस्ताव किया जाना त्रुटिपूर्ण है।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

26. जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में प्रस्तुत किए गए विभिन्न सामान्य अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जिन्हें संगत समझा गया है, इस प्रकार हैं:

- घरेलू उद्योग ने संबंध देशों के घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की बिक्री कीमत के साक्ष्य प्रदान किए हैं।
- इस बात पर विचार करने के लिए पर्याप्त कारण मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में उत्पादक संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं। ये उत्पादक विचाराधीन उत्पाद की बिक्री उत्पादन की लागत से भी कम कीमतों पर कर रहे हैं अथवा घरेलू कीमतें भारत के लिए निर्यात की कीमत से काफी अधिक हैं।
- चीन और यूक्रेन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के बारे में संतुष्ट नहीं कर सका। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के किसी भी सदस्य देश ने संगत मानदंडों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है। भारत ने यूक्रेन से आयातकों को कभी भी एमईटी का दर्जा प्रदान नहीं किया।
- जब तक यूक्रेन और चीन जन. गण. के प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक नियमों के तहत विनिर्दिष्ट मानकों को पूरा नहीं करते निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना चाहिए।
- चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।

27. घरेलू उद्योग ने पाटन मार्जिन, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावलियों के संबंध में निम्नलिखित विशिष्ट अनुरोध किए हैं

- बाओसान आयरन एंड स्टील कं. लि., चीन जन. गण. (बाओसान)** और उसकी संबंधित कंपनियां : बाओसान ने दलील दी है कि परिशिष्ट 2 उस पर लागू नहीं होता है क्योंकि वह एक उत्पादक है। बाओसान से यह भी दलील दी है कि परिशिष्ट 2 उनके संबंधित निर्यातक पर लागू होता है जिसने इस मामले में सहयोग किया है और परिशिष्ट 2 निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किया है। इसे देखते हुए, बाओसान ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से उसे सहयोगी मानने का अनुरोध किया है। तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच परिणाम के पैरा 69 में यह समुक्ति की है कि बाओसान ने परिशिष्ट 2 में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसका अर्थ है कि परिशिष्ट 2 प्रस्तुत नहीं किया गया है। यदि ऐसा है तो बाओसान ग्रुप को सहयोगी नहीं माना जा सकता है क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत की गणना करने के लिए पूरी सूचना उपलब्ध नहीं है। इसे देखते हुए, बाओसान को असहयोगी माना जाना जारी रखा जाना चाहिए।
- कोबे स्टील, जापान (कोबे) :** कोबे ने दलील दी है कि उसने प्रारंभिक जाँच परिणाम जारी हो जाने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी को अद्यतन परिशिष्ट 2 प्रस्तुत किया है और उत्पाद के दायरे से कतिपय निष्कासन की मांग की है। यह निवेदन है कि कोबे का प्रश्नावली का उत्तर विचार किए जाने के लिए काफी विलंबित था। प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने की समय-सीमा काफी पहले समाप्त हो गई। इसे देखते हुए, कोबे का प्रश्नावली का उत्तर, अद्यतन उत्तर और उत्पाद के दायरे से निष्कासन का कोई अनुरोध इस देरी के स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

ग. हुंडे स्टील कं., कोरिया गणराज्य (हुंडे स्टील) : प्रारंभिक जाँच परिणाम के पैरा 37 और 38 में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समुक्ति की है कि हुंडे स्टील ने संबद्ध वस्तु को घरेलू बाजार में 3 संबद्ध पक्षकारों को बेचा है परंतु किसी भी संबंधित पक्ष ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। यह अनुरोध किया जाता है कि हुंडे स्टील को केवल इसी आधार पर असहयोगी माना जाना चाहिए क्योंकि हुंडे स्टील के संबंधित पक्षों के सहयोग के अभाव के कारण हुंडेस्टील के लिए सामान्य मूल्य विश्वसनीय रूप से निर्धारित नहीं किया जा सका। निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस अनुरोध पर विचार करने और हुंडे स्टील को अंतिम जाँच परिणाम में असहयोगी मानने का अनुरोध किया जाता है।

घ. पोस्को, कोरिया गणराज्य : निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पैरा 39 और 40 में स्पष्ट रूप से समुक्ति की है कि पोस्कों के 3 में से 2 पक्षों ने घरेलू विक्रियों के संबंध में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को केवल इसलिए पोस्कों का उत्तर स्वीकार नहीं करना चाहिए कि पीओआई के दौरान असंबद्ध पक्षों की घरेलू विक्रियों की मात्रा कतिपय सीमा से अधिक थी। यह अनुरोध किया जाता है कि पोस्कों को केवल इसी आधार पर असहयोगी माना जाना चाहिए क्योंकि पोस्को के संबंधित पक्षों के सहयोग के अभाव के कारण पोस्को के लिए सामान्य मूल्य विश्वसनीय रूप से निर्धारित नहीं किया जा सका। निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस अनुरोध पर विचार करने और पोस्को को अंतिम जाँच परिणाम में असहयोगी मानने का अनुरोध किया जाता है।

ड. डोंगकुक इंडस्ट्रीज कं. लि., कोरिया गणराज्य (डीकेआई) : निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पैरा 59 और 60 में स्पष्ट रूप से समुक्ति की है कि डीके आई ने दो व्यापारियों पोस्कों देवू और बोवोन ट्रेडिंग के जरिए संबद्ध वस्तु का नियात किया है जिनमें से दोनों ने अपना उत्तर प्रस्तुत किया है। तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी यह भी समुक्ति करते हैं कि पोस्को देवू ने सभी मात्राएं अपनी संबंधित कंपनी पोस्को आईसीपीसी को नियात की है जिसने जाँच में सहयोग नहीं किया है। व्यापारी के संबंधित पक्ष द्वारा इस भारी असहयोग को देखते हुए डीकेआई को इस मामले में असहयोगी माना जाना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस अनुरोध पर विचार करने और अंतिम जाँच परिणामों में डीकेआई को असहयोगी मानने का अनुरोध किया जाता है।

च. जेएफई स्टील कार्पोरेशन, जापान : निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पैरा 45 और 46 में स्पष्ट रूप से समुक्ति की है कि जेएफई स्टील कार्पोरेशन के 5 में से 4 पक्षों ने घरेलू विक्रियों के संबंध में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को केवल इसलिए जेएफई स्टील कार्पोरेशन का उत्तर स्वीकार नहीं करना चाहिए कि पीओआई के दौरान संबंधित पक्षों की घरेलू विक्रियों की मात्रा कम थीं। यह अनुरोध किया जाता है कि जेएफई स्टील कार्पोरेशन को केवल इसी आधार पर असहयोगी माना जाना चाहिए क्योंकि जेएफई स्टील कार्पोरेशन के संबंधित पक्षों के सहयोग के अभाव के कारण जेएफई स्टील कार्पोरेशन के लिए सामान्य मूल्य विश्वसनीय रूप से निर्धारित नहीं किया जा सका। निर्दिष्ट प्राधिकारी से इस अनुरोध पर विचार करने और जेएफई स्टील कार्पोरेशन को अंतिम जाँच परिणाम में असहयोगी मानने का अनुरोध किया जाता है।

छ. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन, जापान (एनएसएसएमसी) : निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पैरा 49 और 50 में स्पष्ट रूप से समुक्ति की है कि एनएसएसएमसी के 7 में से 5 पक्षों ने घरेलू विक्रियों के संबंध में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को केवल इसलिए एनएसएसएमसी का उत्तर स्वीकार नहीं करना चाहिए कि संबंधित पक्षों की घरेलू विक्रियों की मात्रा कम थीं। इस भारी असहयोग को देखते हुए एनएसएसएमसी को असहयोगी माना जाना चाहिए।

ज. निशिन स्टील कं. लि., जापान(एनएससी) : निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच परिणाम के पैरा 53 में एनएससी के उत्तर को अस्वीकार किया है क्योंकि एनएससी अपनी घरेलू विक्रियों के संबंध में आकड़े प्रस्तुत करने में विफल रहा था। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अंतिम जाँच परिणाम में इस समुक्ति की निश्चित रूप से पुष्टि करने का अनुरोध किया जाता है। एनएससी को जाँच के दौरान किसी भी समय घरेलू विक्रियों के आकड़े प्रस्तुत

करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि वह निर्धारित समय-सीमा के भीतर उत्तर प्रस्तुत करने में विफल रहा है।

झ. हितबद्ध पक्षों के सहयोग के संबंध में घरेलू उद्योग यह भी अनुरोध करता है कि अन्य डब्लूटीओ सदस्य देशों में जॉचर्कर्ता प्राधिकारियों द्वारा रखी गई एक सख्त अपेक्षा है। अमरीका द्वारा की गई भारत से कतिपय जंग प्रतिरोधी इस्पात उत्पादों के आयातों से संबंधित प्रतिसंतुलनकारी शुल्क जॉच के मामले में, अमरीकी वाणिज्य विभाग (यूएसडीओसी) ने केवल इसलिए निर्यातिक को असहयोगी माना था क्योंकि निर्यातिक यूएसडीओसी को यह सूचित नहीं कर पाया है कि कच्ची सामग्री की काफी कम मात्रा की आपूर्ति करने वाली संबंधित कंपनी पीओआई के अंतिम दो महीनों में प्रचालनरत थी।

ज. यह वैशिक प्रक्रिया है कि तथ्यों को छिपाने और असहयोग के लिए प्रश्नावली के उत्तर को अस्वीकार किया जाना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यातिकों के संबंध में भी यही दायित्व निभाना चाहिए और ऊपर बताए गए कारणों से उन्हें असहयोगी मानना चाहिए।

ट. यह भी अनुरोध किया जाता है कि कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत की गणना के लिए उचित तुलना के लिए निर्यातिकों की निर्यात कीमत से कटौती के रूप में बैंक प्रभारों को कम किया जाना चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जॉच

#### चीन के उत्पादकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे

28. चीन के एक्षेशन के प्रोटोकाल का अनुच्छेद निम्नानुसार प्रावधान करता है :

‘गैट 1994 का अनुच्छेद 4, टैरिफों और व्यापार हेतु सामान्य करार 1994 के अनुच्छेद 4 के कार्यान्वयन संबंधी करार (पाटनरोधी करार) और एससीएम करार चीन के डब्लूटीओ के सदस्य के रूप में आयात शामिल करने की प्रक्रिया के रूप में निम्नलिखित से संगत होने पर लागू होंगे :

(क) गैट 1994 का अनुच्छेद 4 और पाटनरोधी करार के अधीन कीमत तुलनीयता निर्धारित करने के लिए आयातक डब्लूटीओ देश या तो चीन की कीमतों या जॉच के अधीन उद्योग की लागतों या ऐसी पद्धति का प्रयोग करेगा जो निम्नलिखित नियम के अधीन घरेलू कीमतों और चीन में लागतों की कड़ी तुलना पर आधारित हों :

(i) यदि जॉच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह दर्शा सकते हों कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पादन उत्पादक उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं मौजूद हैं, तो आयातक डब्लूटीओ सदस्य कीमत तुलनीयता के निर्धारण के लिए जॉच के अधीन उद्योग हेतु चीन की कीमतों या लागतों का प्रयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्लूटीओ सदस्य ऐसी पद्धति का इस्तेमाल कर सकता है जो घरेलू कीमतों या चीन में लागत की कड़ी तुलना पर आधारित न हो परंतु यदि जॉच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शा सकता हो कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पादन उत्पादक उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं मौजूद हैं।

(ख) एससीएम करार के भाग II, III और V के अधीन कार्यवाही में, जब एससीएम करार के संगत उपबंधों के अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14 (घ) में वर्णित सब्सिडी पर विचार करना लागू हो : तथापि यदि उस अनुप्रयोग में विशेष कठिनाई हो, तो आयातक डब्लूटीओ सदस्य सब्सिडी लाभ की पहचान और माप के लिए ऐसी पद्धति का प्रयोग कर सकता है जिसमें इस संभावना पर विचार हो कि चीन में प्रचलित निबंधन

और शर्तें हमेशा समुचित बेंचमार्कों में उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों के प्रयोग में, जहां व्यवहार्य हो, आयातक डब्लूटीओ सदस्य को चीन से बाहर प्रचलित नियमों और शर्तों के प्रयोग पर विचार करने से पहले ऐसे प्रचलित नियमों और शर्तोंको समायोजित करना चाहिए।

(ग) आयातक डब्लूटीओ सदस्य पाटनरोधी प्रथाओं संबंधी समिति के उप पैराग्राफ (क) के अनुसार पद्धतियों को अधिसूचित करेगा और सब्सिडी और प्रतिसंतुलनकारी उपायों संबंधी समिति के उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार पद्धतियों को अधिसूचित करेगा।

(घ) एक बार आयातक डब्लूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अधीन चीन के बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश सिद्ध होने पर, उप पैराग्राफ (क) के उपबंध समाप्त हो जाएंगे परंतु यह कि आयातक सदस्य के राष्ट्रीय कानून में शामिल होने की तारीख को बाजार अर्थव्यवस्था के मापदंड शामिल हों। किसी स्थिति में उपपैराग्राफ (क) (ii) के उपबंध शामिल होने की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा चीन को आयातक डब्लूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार यह सिद्ध करना होगा कि बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं उस उद्योग या क्षेत्र विशेष में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के उपबंध उस उद्योग या क्षेत्र पर अब लागू नहीं होते हैं।'

29. अनुच्छेद 15 का अर्थ है कि एक उप पैराग्राफ के उपबंध चीन के शामिल होने की तारीख से 15 वर्षों के बाद समाप्त हो जाएंगे। इस पैराग्राफ के उपबंध 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए। चूंकि पाटन के घरेलू उद्योग को ध्याति पहुंचाने का तथ्य जॉच अवधि के आधार पर सिद्ध हो गया है इसलिए जॉच अवधि के दौरान प्रचलित स्थिति ही संगत समुचित है और वर्तमान जॉच के लिए आवश्यक है। वर्तमान समीक्षा के लिए जॉच की अवधि (पीओआई) जुलाई 2015 से दिसंबर 2015 है। चूंकि अनुच्छेद 15 का उप पैराग्राफ जॉच की अवधि के दौरान मौजूद था प्राधिकारी ऐसी पद्धति का प्रयोग कर सकते हैं जो घरेलू कीमतों या चीन में लागत की कड़ी तुलना पर आधारित न हो यदि जॉच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शाते हों कि उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने में उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं प्रचलित हैं।

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन. गण. को भारत और अन्य डब्लूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जॉचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नियमावली के अनुसार निर्यातिक देश या अलग-अलग निर्यातिकों द्वारा इस धारणा के खंडन के अधीन माना गया है।

31. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 8 के तहत, यदि उक्रैन और चीन जन. गण. से निर्यातिक पैरा 8 में उप-पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्यास साक्ष्य प्रदान करें और इसे प्रतिकूल सिद्ध करे तो एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था पूर्वानुमान को खंडित किया जा सकता है। उक्रैन और चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं में सहयोगी निर्यातिकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्यास साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या:

क. कद्दी सामग्रियों, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम सहित कीमतों और इनपुट, आउटपुट, बिक्री तथा निवेश के संबंध में यूक्रैन और चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में महत्वपूर्ण इनपुट की लागतें पर्यास रूप से बाजार के मूल्यों को दर्शाती हैं।

ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली, विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बटे खाते, वस्तु विनिमय बाजार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में हुए महत्वपूर्ण बदलावों के अध्यधीन हैं।

ग. ऐसी फर्में दिवालिएपन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं, जो कि फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी देते हैं।

घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार की दर पर किए गए हैं।

32. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी को चीन जन. गण. के लिए उपरोक्त किसी भी मानदंड की जांच करने की आवश्यकता नहीं है और यह मानते हैं कि चीन जन. गण. से उत्पादक/निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत संचालित नहीं हो रहे हैं और इसलिए उन्होंने नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए परिकलित सामान्य मूल्य को अपनाया है।

सामान्य मूल्य का निर्धारण

33. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातिकों/उत्पादकों को निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करने के लिए उन्हें परामर्श देते हुए प्रश्नावली भेजी। निम्नलिखित पक्षकारों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं:

I. कोरिया

1. कोवोट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
2. डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक)
3. सेमसंग सी एंड टी कॉर्पोरेशन- (व्यापारी)
4. हुंडई स्टील कंपनी (उत्पादक)
5. पी एंड ए कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
6. एलजी इंटरनेशन कॉर्पोरेशन . (व्यापारी)
7. हुंडई कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
8. पांस्को डेवू कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
9. पांस्को एशिया कंपनी लि0. (व्यापारी) (हांगकांग)
10. पांस्को कोरिया (उत्पादक)
11. पांस्को प्रोसेसिंग एंड सर्विस कंपनी लि. (व्यापारी)

II. यूक्रेन

12. जापोरीजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स (उत्पादक)
13. मेटिनवेस्ट- एसएमसी एलएलसी
14. मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एसए (व्यापारी) (स्विटजरलैंड)

III. चीन जन.गण.

15. जिनसा इंटरनेशन प्रा. लि. (व्यापारी) (सिंगापुर)
16. जांगजियागांग यांगत्ज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लि0, (उत्पादक)
17. जियांगशू सागांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लि0 (व्यापारी)

18. प्यूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्री(व्यापारी) (हांगकांग)
19. लू किन (हांगकांग) कं.लि. (व्यापारी) (हांगकांग)
20. अंगंग स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
21. अंगंग ग्रुप हांगकांग कंपनी लिमिटेड (व्यापारी) (हांगकांग)
22. बाउसान आयरन एंड स्टील कंपनी लि0 (उत्पादक)
23. बाओस्टील सिंगापुर प्रा.लि. (व्यापारी) (सिंगापुर)

**IV. जापान**

24. निशान ट्रेडिंग कंपनी लि. (व्यापारी)
25. सुमितोमो कॉर्पोरेशन (उत्पादक)
26. होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
27. ओहमी इंडस्ट्रीज(व्यापारी)
28. कानेमात्सु कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
29. जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन (उत्पादक)
30. निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
31. निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मैटल कॉर्पोरेशन (उत्पादक)
32. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक. (व्यापारी)
33. टोयोटा त्सुसो कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
34. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुसान कॉर्पोरेशन (व्यापारी)
35. मित्सुई एंड कंपनी लि. (व्यापारी)
36. जेएफई सौजी ट्रेड कॉर्पोरेशन(व्यापारी)
37. मैटल वन कॉर्पोरेशन (व्यापारी)

**चीन जन. गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

34. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए परिकलित सामान्य मूल्य को अपनाया है।

**चीन जन. गण. में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पद्धति**

35. उपरोक्त को देखते हुए चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किया जाना है। अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार, चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू विक्री की कीमतों अथवा एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में परिकलित मूल्य अथवा ऐसे एक तीसरे देश से भारत सहित किसी अन्य देश को निर्यात कीमत के आधार पर किया जाना है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपरोक्त विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी भी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं, जिसमें तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करते हुए समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा देय कीमत शामिल है।

36. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी भी विश्वसनीय कीमत और लागत संबंधी व्यौरे उपलब्ध न होने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजन करते हुए समान वस्तु के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा देय कीमत के आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। तदनुसार, चीन जन. गण. से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए संबद्ध वस्तु के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण किया गया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

### कोरिया गणराज्य, जापान और यूक्रेन में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

#### सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए साधारण पद्धति

37. प्राधिकारी द्वारा पहले यह निर्धारित किया गया था कि संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात की तुलना करते समय नमूने के तौर पर थी।

38. उसके पश्चात् यह जाँच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 2 की शर्तों के अनुसार उनकी बिक्री सामान्य तौर पर थी। जहाँ उत्पादकों/निर्यातकों ने घरेलू बाजार में की गई बिक्री का लेन-देनवार व्यौरा उपलब्ध कराया है और प्राधिकारी द्वारा उसे स्वीकृत कर लिया गया है और घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय उक्त सूचना पर विश्वास किया गया है।

39. साधारण व्यापार जाँच करने के लिए संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत की जाँच उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के संदर्भ में की गई थी और यह निर्धारित करने के लिए कि क्या घरेलू बिक्री व्यापार के स्वाभाविक तौर पर की गई थी अथवा नहीं, की घरेलू बिक्री कीमत से तुलना की गई थी। प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों जहाँ लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक है और उन मामलों में जहाँ लाभप्रद लेन-देन 80% से कम है, के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन को ध्यान में रखा है और सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर ही विचार किया गया है।

40. जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

#### कोरिया जनवादी गणराज्य

#### सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

### मेसर्ज हुंडे स्टील कंपनी ("हुंडे स्टील") कोरिया जनवादी गणराज्य, (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य

41. जाँच अवधि में हुंडे स्टील ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं को संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को बेचा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी संबंधित पक्षकार से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, यह भी नोट किया जाता है कि जाँच अवधि में लगभग \*\*\*% घरेलू बिक्रियां असंबद्ध पक्षकारों को की गई हैं। इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए घरेलू बिक्रियों को स्वीकार करते हैं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में हैं। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए व्यापार जाँच स्वाभाविक तौर पर की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए साधारण व्यापार जाँच की। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया गया है। जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ

प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

42. ह्यूंडै स्टील ने क्रृष्ण लागत, वेयरहाउस व्यय और अंतर्देशीय भाड़ा के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए प्राधिकारी द्वारा अनुमति दी गई है। तदनुसार, ह्यूंडै स्टील के लिए कारखाना-गत स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### मेसर्ज पोस्को, कोरिया जनवादी गणराज्य (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य

43. जांच अवधि में पोस्को ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं को संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को बेचा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज पोस्को पीएंडएस नामक पोस्को के संबंधित एक पक्षकार ने ही प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। तथापि, यह भी नोट किया जाता है कि जांच अवधि में लगभग \*\*\*% घरेलू बिक्रियां असंबद्ध पक्षकारों को की गई हैं। इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए घरेलू बिक्रियों को स्वीकार करते हैं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में हैं। तदनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए सभी घरेलू बिक्री लेन-देन को ध्यान में रखा गया है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है, तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

44. पोस्को ने क्रूट, वेयरहाउस व्यय, अंतर्देशीय भाड़ा, लदाई प्रभार, पैकेजिंग लागत, वारंटी लागत, क्रृष्ण व्यय, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय और व्यापार के स्तर के कारण समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने वारंटी लागत, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय और व्यापार के स्तर के लिए समायोजनों को स्वीकार नहीं किया है। तदनुसार, पोस्को के लिए कारखाना-गत स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

#### मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य

45. मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान घरेलू बाजार में सभी बिक्रियां असंबद्ध पक्षकारों को की थीं। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए व्यापार जाँच स्वाभाविक तौर पर की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए साधारण व्यापार जाँच की। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

46. मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी ने पैकिंग लगात, क्रृष्ण लागत तथा अंतरदेशीय माल भाड़े के कारण समायोजन का दावा किया है और प्राधिकारी ने उसके लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। तदनुसार, डीकेआई के लिए

कारखाना-गत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

### कोरिया जनवादी गणराज्य के गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया जनवादी गणराज्य के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। कोरिया जनवादी गणराज्य में असहयोगी उत्पादकों/निर्यातक के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार कारखाना-गत स्तर पर अनंतिम सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### जापान के लिए सामान्य मूल्य

#### मेसर्ज जेएफई स्टील कारपोरेशन जापान (उत्पादक) ("जेएफई") के लिए सामान्य मूल्य

48. जांच अवधि में जेएफई ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं बिक्री की संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल एक संबंधित पक्षकार नामतः मेसर्ज जेएफई शोजी ट्रेडिंग ने पश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि असहयोगी संबंधित पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्रियां, कुल घरेलू बिक्रियों की दृष्टि से नगण्य हैं। इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में हैं।

49. सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभपूर्ण घरेलू बिक्री लेन-देन निर्धारित करने के लिए स्वाभाविक व्यापार जाँच की है। यदि लाभपूर्ण लेन-देन 80% से अधिक है तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू बाजार में सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण लेन-देन 80% से कम है तो सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल लाभपूर्ण घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

50. जेएफई ने छूट, समुद्रीमाल भाड़ा और भंडारण लागत की समायोजन का दावा किया है। अनंतिम जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने सभी समायोजनों को अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना-गतस्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### मेसर्ज निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिटोमो मेटल कारपोरेशन ("एनएसएसएमसी") के लिए सामान्य मूल्य

51. जांच अवधि के दौरान एनएसएसएमसी ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री संबंधित और गैर-संबंधित पक्षकारों को की थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन बुस्सान कारपोरेशन एण्ड निप्पॉन स्टील एण्ड सूमिकिन पाइप कंपनी लिमिटेड को छोड़कर उपरोक्त उल्लिखित किसी भी संबद्ध पक्षकार ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि असहयोगी संबद्ध पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्री, कुल घरेलू बिक्री की दृष्टि से नगण्य है। इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। भारत को निर्यात की तुलना में घरेलू बिक्री की मात्रा पर्याप्त है।

52. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री कारोबार को निर्धारित करने के लिए सामान्य व्यापार की जाँच की है। यदि लाभप्रद कारोबार 80% से अधिक है, तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बाजार में सभी कारोबार पर

विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण कारोबार 80% से कम है, सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

53. एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजन, छूट, शीघ्र भुगतान, अंतर्देशीय भाड़ा, बीमा, क्रृदण लागत और भंडारण के लिए समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने पूर्व भुगतान को छोड़ कर सभी समायोजनों को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना-गत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### निश्चिन स्टील कंपनी लिमिटेड

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निश्चिन स्टील कंपनी लिमिटेड ("एनएससी") ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है जिसमें उसने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक कंपनी होने का दावा किया है और यह सूचित किया है कि उसने जापान में व्यापारियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनएससी ने परिशिष्ठ-1 और परिशिष्ठ-2 में घरेलू बिक्रियों/निर्यात के बारे में तथा अन्य लागत संबंधी सूचना प्रस्तुत नहीं की है। एनएससी ने केवल परिशिष्ठ-2 "क" परिशिष्ठ-2 "ख" प्रस्तुत किए हैं, जो कि विकट रूप से अपूर्ण हैं। इसलिए प्राधिकारी किसी भी प्रकार की सूचना उपलब्ध नहीं होने के कारण एनएससी के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने में असमर्थ हैं और तदनुसार एनएससी द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर का अस्वीकार करते हैं। तदनुसार एनएससी के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत, प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### जापान के गैर सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। जापान में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कारखाना-गत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### उक्तैन के लिए सामान्य मूल्य

#### मेसर्ज जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स ("जापोरिजस्टाल") का बाजार अर्थव्यवस्था का दावा

56. मेसर्ज जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स ("जापोरिजस्टाल") ने प्राधिकारी से बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण स्वीकृत करने का अनुरोध किया है और इस संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण संबंधी प्रश्नावली का विस्तृत उत्तर प्रस्तुत किए हैं। सत्यापन के समय यह बताया गया था कि उक्तैन को विगत तीन वर्षों के दौरान विश्व व्यापार संगठन के किसी भी सदस्य ने उसे बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्वीकृत नहीं किया है। प्राधिकारी ने इस कंपनी के दावों की जांच की है और इस संबंध में निम्नोक्त अनुसार नोट करते हैं:-

- (क) जापोरिजस्टाल के उत्पादकों के लिए कीमतों का निर्धारण करते समय राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है।
- (ख) कच्चे माल की लागत सहित लागत और इनपुट, प्रोद्योगिकी की लागत, श्रमिक, उत्पादन और निवेश संबंधी निर्णय बाजार के संकेतों के आधार पर लिए जाते हैं जो कि आपूर्ति और मांग को प्रतिबिम्बित करते हैं और उसमें राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है।
- (ग) प्रमुख इनपुट की लागत बाजार मूल्यों को प्रतिबिम्बित करती है।

(घ) जापोरिजस्टाल के उत्पादन की लागत और वित्तीय स्थिति को विशेषकर सम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बटेखाते डालने, व्यापार लेन-देन और ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा भुगतान के प्रसंग में भूतपूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से अत्यधिक विकृत नहीं किया गया है।

(इ) जापोरिजस्टाल उक्रैन के दिवालियेपन और परिसम्पति कानूनों के अध्ययधीन है, जो कि फर्मों की प्रचालन के लिए कानूनी सुनिश्चितता की गारंटी देते हैं।

(च) वर्ष 2015 के प्रारंभ से ही उक्रैन में विनियम दरों के परिवर्तनों से बाजार की दर संचालित होती है।

(छ) जापोरिजस्टाल उक्रैन में जीएएपी के अनुसार अपने वित्तीय विवरण तैयार करती है और उसके वित्तीय लेखाओं की लेखा-परीक्षा स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों द्वारा की जाती है। उक्रैन में अनुपालन किए जाने वाले लेखाकारण के मानक अंतरराष्ट्रीय लेखाकारण मानदंडों के समनुरूप हैं।

57. तदनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापोरिजस्टाल पाटन-रोधी नियमावली में विनिश्चित बाजार अर्थव्यवस्था के मानदंड को पूरा करती है। इसलिए मेसर्ज जापोरिजस्टाल के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण कंपनी की घरेलू बिक्री कीमतों और उत्पादन की लागत के आधार पर किया जाता है।

#### मेसर्ज जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेडआयरन एंड स्टील वर्क्स ("जापोरिजस्टाल") के लिए सामान्य मूल्य

58. जांच अवधि के दौरान जापोरिजस्टाल ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री अपने संबंधित और गैर-संबंधित पक्षकारों को की है। संबंधित पक्षकार, मेटइन्वेस्ट-एसएमसी एलएलसी ने पूरी सूचना प्रस्तुत की है। भारत में निर्यात की तुलना करने पर घरेलू बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में हैं।

59. सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री कारोबार को निर्धारित करने के लिए सामान्य व्यापार की जाँच की है। यदि लाभप्रद कारोबार 80% से अधिक है, तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बाजार में सभी कारोबार पर विचार किया है और उन मामलों में जहाँ लाभपूर्ण कारोबार 80% से कम है, सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री को ही ध्यान में रखा गया है। जहाँ कहीं भी कोई घरेलू बिक्री नहीं हुई है अथवा विशेष पीसीएन/ग्रेड की लाभप्रद बिक्री नहीं हुई है, वहाँ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित संयोजन करके सामान्य मूल्य की संरचना उत्पादन की लागत के आधार पर की गई है।

60. जापोरिजस्टाल ने अंतरदेशीय भाडे, कमीशन, ऋण लागत और व्यापार के स्तर के लिए समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने व्यापार के स्तर को छोड़ कर सभी समायोजनों को स्वीकार कर लिया है। व्यापार के स्तर के समायोजन का दावा इस आधार पर किया गया था कि विचाराधीन उत्पाद को निर्यातों के आधार पर सीधे उपभोक्ताओं को फुटकर केन्द्रों के माध्यम से बेचा गया था, जब कि ऐसी बिक्री अंत-प्रयोक्ता को नहीं की गई थी। तथापि, कंपनी ने अपने दावे और दावे की सीमा के लिए कोई विश्वसनीय औचित्यपूर्ण कारण नहीं बताया था। तदनुसार, जापोरिजस्टाल के लिए कारखाना-गत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### उक्रैन से असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्रैन के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। उक्रैन में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कारखाना-गत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

## निर्यात कीमत

### कोरिया जनवादी गणराज्य के लिए निर्यात कीमत

मेसर्ज हुंडै स्टील कंपनी, कोरिया जनवादी गणराज्य. (उत्पादक) और मेसर्ज एलजी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन तथा मेसर्ज पी एंड ए कॉर्पोरेशन कोरिया आर पी (निर्यातक/व्यापारी) के लिए निर्यात मूल्य

62. कोरिया जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक मेसर्ज हुंडै स्टील कंपनी ने अपनी असंबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मेसर्ज हुंडै स्टील कंपनी, कोरिया आर.पी. (उत्पादक) और मेसर्ज एलजी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन तथा मेसर्ज पी एंड ए कॉर्पोरेशन कोरिया आर पी सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इन व्यापार कंपनियों ने पीओआई के दौरान ह्यूंडै स्टील द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत में निर्यात किया। मेसर्ज एलजी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन को छोड़कर इन सभी निर्यातकों/व्यापारियों ने प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर पस्तुत किए हैं।

63. भारत को हुंडै स्टील के निर्यात या तो भारत में उसकी संबंधित कंपनी मेसर्ज हुंडै स्टील इंडिया प्राईवेट लिमिटेड को सीधे किए गए हैं अथवा उससे गैर-संबंधित भारतीय आयतकों को (सहयोगी गैर-संबंधित व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से) किए गए हैं। ऐसे निर्यात एफओबी/सीएफआर/सीआईएफ के आधार पर किए गए हैं। यह देखा गया है कि एक समान पीसीएन/ग्रेड के लिए उसकी संबंधित कंपनी (मेसर्ज हुंडै स्टील इंडिया प्राईवेट लिमिटेड) की निर्यात कीमत और भारत में गैर-संबंधित ग्राहकों को निर्यात कीमत में अंतर है। मेसर्ज हुंडै स्टील संबंधित और गैर-संबंधित पक्षकारों के बीच निर्यात कीमतों में अत्यधिक अंतर व्याप्त होने के लिए कोई वैध कारण बताने में असमर्थ रही है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुसार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए गैर-संबंधित पक्षकारों को किए गए निर्यातों पर विचार किया है। मेसर्ज ह्यूंडै स्टील ने अंतरराष्ट्रीय मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, हेंडलिंग प्रभार, बीमा शुल्क, बैंक प्रभार तथा ऋण व्यय के संबंध में समायोजन का दावा किया है और इसके उसे अनुमति प्रदान कर दी गई है। तदनुसार, हुंडै स्टील के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

मेसर्ज पोस्को कोरिया आर.पी. (उत्पादक) तथा मेसर्ज हुंडै कॉर्पोरेशन, मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, मेसर्ज पॉस्को एशिया कंपनी लि0, मेसर्ज पोस्को प्रोसेसिंगएंड सर्विस कंपनी लिमिटेड (पोस्को पी एंड एस), मेसर्ज पोस्को देवू, मेसर्ज सेमसंग सी एंड टी (निर्यातक/व्यापारी) के लिए निर्यात कीमत

64. कोरिया जनवादी गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक मेसर्ज पोस्को ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मेसर्ज हुंडै कॉर्पोरेशन. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन, मेसर्ज पॉस्को एशिया कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज पोस्को प्रोसेसिंगएंड सर्विस कंपनी लिमिटेड (पोस्को पी एंड एस), मेसर्ज पोस्को देवू, मेसर्ज सेमसंग सी एंड टी के प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। जांच अवधि के दौरान पोस्को ने भारत में अपनी संबद्ध कंपनी पोस्को, महाराष्ट्र को सीधे भी निर्यात किया है।

65. पोस्को ने एफओबी/सीएंडएफ आधार पर अपनी सहयोगी गैर-संबंधित/संबंधित व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से निर्यात बिक्रियां की हैं। पोस्को ने अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, हेंडलिंग प्रभार, पैकिंग लागत, कमीशन और ऋण व्यय के कारण समायोजन का दावा किया है और उसके लिए अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, पोस्को के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना-गत स्तर पर किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

## मेसर्ज डॉंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी (उत्पादक) के लिए पोस्को देवू और कोवून ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन कोरिया के माध्यम से निर्यात कीमत

66. प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीकेआई ने पोस्को देवू और कोवून ट्रेडिंग के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। पोस्को देवू द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पोस्को देवू ने अपनी संबद्ध कंपनी पोस्को आईसीपीसी को पूरी मात्रा में निर्यात किया है। यह भी नोट किया जाता है कि भारत को असहयोगी संबद्ध/असंबद्ध पक्षकारों के माध्यम से किया गया निर्यात, भारत में कुल निर्यातों के संदर्भ में नगण्य है। इसलिए प्राधिकारी निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए भारत को बिक्री किए गए निर्यातों को स्वीकार करते हैं। डीकेआई की निर्यात बिक्रियां इसकी सहयोगी असंबद्ध ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से एफ ओबी/सी एंड एफ/सीआईएफ आधार पर हैं। डीकेआई ने कमीशन, स्वदेशी मालभाड़ा, समुद्री मालभाड़ा, हैंडलिंग प्रभार, बीमा, पैकिंग लागत और ऋण व्यय के संबंध में समायोजन का दावा किया है और उसे उसकी अनुमति प्रदान कर दी गई है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पोस्को देवू ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात हानि पर अथवा एक ऐसी कीमत पर किया है जिससे व्यापारियों के व्यय की वसूली नहीं होती। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय और पोस्को आईसीपीसी के लाभ के संबंध में समुचित समायोजन किया है। तदनुसार, डीकेआई के लिए कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

## कोरिया जनवादी गणराज्य के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया जनवादी गणराज्य के किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। कोरिया जनवादी गणराज्य में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

## जापान के लिए निर्यात कीमत

### जेएफई स्टील कार्पोरेशन, जापान (उत्पादक) के साथ-साथ जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन, जापान, होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान, निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, ओह्नी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान और मैटल वन कार्पोरेशन, जापान (निर्यातकों/व्यापारियों) के लिए निर्यात कीमत

68. जेएफई ने अपनी संबंधित/गैर-संबंधित व्यापारिक कंपनियों नामतः जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन, जापान, होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान, निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, ओह्नी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान और मैटल वन कार्पोरेशन, जापान के साथ प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।

69. जेएफई ने अंतरदेशीय भाडे, बीमा और ऋण व्ययों के लिए समायोजन करने का दावा किया है और उसकी अनुमति दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ व्यापारियों ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात ऐसी कीमत पर किए हैं, जिससे व्यापारियों के व्यय भी कवर नहीं होते हैं। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय के लिए भी उपयुक्त समायोजन किया है। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन, जापान के माध्यम से निप्पोन स्टील एंड सुमिनकिन बुसान कार्पोरेशन ("एनएसएसएमसी"), होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान, कनेमत्सु कार्पोरेशन लिमिटेड, जापान, मारुबेनी इटोचू स्टील इंक, जापान, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान, सुमितोमो कार्पोरेशन, जापान, मैटल वन

### कॉर्पोरेशन, जापान और टोयोटा शुशो कॉर्पोरेशन, जापान (निर्यातकों/व्यापारियों) के लिए निर्यात कीमत

70. एनएसएसएमसी ने अपनी संबंधित/गैर-संबंधित व्यापारिक कंपनियों नामतः मेसर्ज निष्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कॉर्पोरेशन, जापान के लिए निष्पोन स्टील एंड सुमिकिन गुसान कॉर्पोरेशन, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन, जापान, कानेमत्सु कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जापान, मारूबेनी इटोचू स्टील इंक जापान, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान, सुमितोमो कॉर्पोरेशन, जापान और मैटल वन कॉर्पोरेशन जापान तथा टोयोटा त्सुसो कॉर्पोरेशन जापान जिन्होंने एनएसएसएमसी द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।

71. अपनी संबंधित/गैर-संबंधित व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से एनएसएसएमसी की निर्यात विक्रिया एफओबी आधार पर है। एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजनों, क्रृष्ण लागत, वारंटी, स्वदेशी माल भाड़ा, बीमा, भंडारण और हैंडलिंग के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति दे दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ व्यापारियों ने भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात ऐसी कीमत पर किए हैं, जिससे व्यापारियों के व्यय भी कवर नहीं होते हैं। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय के लिए भी उपयुक्त समायोजन किया है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### जापान के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। जापान में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्यात कीमत

#### मेसर्ज अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन पीआर (उत्पादक)

73. मेसर्ज अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड ("अंगांग") द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंगांग ने संबंधित निर्यातक/व्यापारी नामतः मेसर्ज अंगांग ग्रुप हांग कांग कपनी लिमिटेड ("अंगांग एचके") माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है और अंगांग इंटरनेशनल ट्रेड कॉर्पोरेशन ("अंगांग इंटरनेशनल") कमीशन एजेंट के रूप में कार्य कर रहा है। तथापि, सत्यापन के समय प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि "अंगांग एचके" को वाणिज्यिक बीजक अंगांग इंटरनेशनल द्वारा जारी किए जाते हैं। अंगांग द्वारा अंगांग एचके को कोई बीजक जारी नहीं किए गए थे। इसलिए अंगांग इंटरनेशनल ट्रेड कॉर्पोरेशन ("अंगांग इंटरनेशनल") की स्थिति एक कमीशन एजेंट के बजाय एक निर्यातक/व्यापारी की है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अंगांग इंटरनेशनल ने कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और यह कि इस तथ्य को दबाया गया है, प्राधिकारी अंगांग के उत्तर को स्वीकार नहीं करते हैं और कंपनी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण, बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर करते हैं और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### संबंधित कंपनियों नामतः मेसर्ज जियांगजू सांगांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (सांगांग इंटरनेशनल), मेसर्ज जिंगसा इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड (जिन्सा), मेसर्ज ब्लूकिंग (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज फ्लूचर मैटीरियल्स इंडस्ट्रीज (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड, (निर्यातक/व्यापारी) के माध्यम से ज्ञांगजियांग यांगिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लिमिटेड (यांगत्ज), (उत्पादक)

74. ज्ञांगजियांग यांगिज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कं. लिमिटेड (यांगत्ज) चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक/निर्माता है और जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। मेसर्ज

झांगजियागांग यांगत्ज रिवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लिमिटेड (यांगत्ज) ने भारत को संबद्ध निर्यातिक/व्यापारी मेसर्ज जियांगशु सागांग इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड (सागांग इंटरनेशनल), जिसने संबद्ध वस्तुओं की मेसर्ज जिनसा इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है, के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। मेसर्ज जिनसा इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड ने अंततः दो अन्य निर्यातिकों/व्यापारियों नामतः मेसर्ज लु किन (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज फ्यूचर मैटीरियल इंडस्ट्री (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीएफआर आधार पर की गई है और भारत को निर्यातित कुल मात्रा पर विचार किया गया है। उत्पादक/निर्यातिक ने स्वदेशी मालभाड़ा/पत्तन हैंडलिंग प्रभार/सीमा-शुल्क फीस, समुद्री मालभाड़ा और प्रतिपूर्ति नहीं किए जाने वाले वैटके संबंध में समायोजनों का दावा किया है और इसकी अनुमति प्रदान कर दी गई है। तदनुसार, यांगत्ज के लिए कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **बाओस्टील सिंगापुर प्राईवेट लिमिटेड (व्यापारी) (सिंगापुर) के माध्यम से बाओशन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)**

75. बाओशन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड ("बाओशान") ने यह निवेदन किया है कि कंपनी अपने संबंधित व्यापारिक कंपनी बाओस्टील सिंगापुर प्राईवेट लिमिटेड (व्यापारी) (सिंगापुर) के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। बाओशन ने परिशिष्ट-3 में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए प्राधिकारी किसी भी प्रकार की सूचना उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में बाओशन के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करते हैं। तदनुसार बाओशन के लिए निर्यात कीमत, प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।

#### **चीन जनवादी गणराज्य के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातिकों के लिए निर्यात कीमत**

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य के किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातिक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को कोई उत्तर नहीं दिया है। चीन जनवादी गणराज्य में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातिकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **जापोरीजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स (उत्पादक), उक्रैन की निर्यात कीमत**

77. मेसर्ज जापोरीजस्टल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स ("जापोरीजस्टल") द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जापोरीजस्टल ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात अपने संबंधित निर्यातिक/व्यापारी, मेसर्ज मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए के माध्यम से किया है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री एफओबी आधार पर की गई है। उत्पादक/निर्यातिक ने अंतरदेशीय मालभाड़ा के संबंध में ही समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्रदान कर दी गई है। तदनुसार, जापोरीजस्टल के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना-गत स्तर पर किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

#### **उक्रैन के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातिकों के लिए निर्यात कीमत**

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्रैन के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातिक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। प्राधिकारी ने उक्रैन में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातिकों के लिए बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **पाटन मार्जिन**

79. भारत के लिए निर्यात कीमत (निर्यातिकों द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों तथा प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों के सभी

सहयोगी नियर्तिकों/उत्पादकों के लिए पीओआई के दौरान पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाए अनुसार निर्धारित किया गया है।

**पाटन मार्जिन तालिका**

क्रमांक	देश	उत्पादक	नियर्तिक	सामान्य मूल्य	निवल नियर्त कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन सीमा %
1.	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज हुंडे स्टील कंपनी	1. मेसर्ज हुंडैस्टील कंपनी कोरिया जनवादी गणराज्य 2. मेसर्ज हुंडे कार्पोरिशन कोरिया जनवादी गणराज्य 3. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल कॉर्प., कोरिया जनवादी गणराज्य 4. मेसर्ज पीएंडए कार्पोरिशन, कोरिया जनवादी गणराज्य	***	***	***	***	45-55
2.	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज पोस्को	1. मेसर्ज पोस्को, कोरिया जनवादी गणराज्य 2. मेसर्ज पोस्को देवू कार्पोरिशन, कोरिया जनवादी गणराज्य 3. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल कॉर्प., 4. मेसर्ज हुंडे कार्पोरिशन, कोरिया जनवादी गणराज्य 5. मेसर्ज सैमसंग	***	***	***	***	45-55

			सीएंडटी कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य 6 मेसर्ज पोस्को एशिया हांगकांग 7. मेसर्ज पोस्को प्रोसेसिंग एंड सर्विस कंपनी लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य					
3.	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	1. मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य 2. मेसर्ज पोस्को देवू कार्पोरेशन कोरिया जनवादी गणराज्य, 3. कोवोन ट्रेडिंग कॉर्प., कोरिया	***	***	***	***	0-10
4.	जापान	जेएफई स्टील कार्पोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन, जापान 2. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान 3. निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, जापान 4. ओह्नी इंडस्ट्रीज, 5. मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान 6. मैटल वन	***	***	***	***	15-25

			कार्पोरेशन, जापान					
5.	जापान	निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन	1. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान 2. कनेमत्सु कार्पोरेशन लिमिटेड, जापान 3. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक, जापान 4. मैटल वन कार्पोरेशन, जापान 5. मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान 6. निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन भूसान कार्पोरेशन, जापान 7. सुमितोमो कार्पोरेशन, जापान 8. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन	***	***	***	***	35-45
6.	चीन जनवादी गणराज्य	झाजियागांग यांगत्जे रीवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लिमिटेड लि.	1. जियांगसू शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जनवादी गणराज्य 2. मै. जिंसा इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर 3. मै. लु किन (हांग कांग) कंपनी लिमिटेड,	***	***	***	***	85-95

			हांगकांग जनवादी गणराज्य 4. मै. फ्यूचर मैटिरियल इंडस्ट्री (हांग कांग) कंपनी लिमिटेड, हांगकांग				
7.	यूक्रैन	जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स	मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एसए, स्विटजरलैंड	***	***	***	***

### संबद्ध देशों के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

80. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण, बहुत उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किया गया पाटन मार्जिन नीचे तालिका में दिया गया है:-

विवरण	मापन यूनिट	जापान	कोरिया	चीन	उक्रैन
सामान्य मूल्य	अमरीकी डालर/मी.टन	***	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	अमरीकी डालर/मी.टन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	अमरीकी डालर/मी.टन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	%	***	***	***	***
पाटन मार्जिन की % सीमा	% सीमा	55-65	85-95	85-95	35-45

81. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन काफी अधिक है और यह संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के सभी उत्पादकों-निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में नियमावली के अंतर्गत निर्धारित सीमा से अधिक है।

### ज. क्षति और कारणात्मक संबंधों का निर्धारण

82. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 11 के साथ पठित अनुबंध-2 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ... "ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों

के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

**आयातकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और प्रयोक्ता एसोसिएशनों द्वारा किए गए निवेदन**

83. क्षति से संबंधित मुद्दों के बारे में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) भारतीय उत्पादकों ने कच्चे माल की कीमतों में गिरावट की वैश्विक और घरेलू कीमतों के अनुसार कीमतों में कमी नहीं की है। यदि यह सस्ता आयात नहीं है लेकिन कोल्ड रोल्ड क्वायल की घरेलू कीमतें अधिक हैं जिसने पर भारतीय निर्माण क्षेत्र और भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है।
- (ख) सस्ते आयातों का प्रमुख कारण लोह अयस्क, कोर्किंग कोल, लुब्रिकेंट इत्यादि की घरेलू और वैश्विक कीमतों में गिरावट का होना है।
- (ग) निवेश के प्रतिफल पर घरेलू उद्योग द्वारा भास्तु सूचना प्रदान की गई है। वर्तमान मामले में आरओसीई ने गिरावट हाल में हितबद्ध कंपनियों द्वारा किए गए निवेशों सहित अन्य कारकों के संबंध में होने की संभावना है। प्रारूप IV के में प्रदान की गई क्षति की सूचना में यह सुझाव दिया गया है कि घरेलू उद्योग को निरंतर आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- (घ) याचिका में घरेलू उद्योग के संबंध में कथित पाटित आयातों के नकारात्मक प्रभाव के पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 के दौरान अप्रैल, 2012 से मार्च, 2013 की तुलना में उत्पादन में 23 प्रतिशत की वृद्धि, घरेलू बिक्रियों में 13 प्रतिशत की वृद्धि, बाजार के हिस्से में 4 प्रतिशत की वृद्धि, क्षमता में 45 प्रतिशत की वृद्धि, लगाई गई पूंजी में 50 प्रतिशत की वृद्धि और निर्यात बिक्री में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। ये सूचक याचिकादाताओं के स्थिर और सकारात्मक विकास को सिद्ध करते हैं।
- (ङ) जांच की अवधि के दौरान याचिकादाताओं के घरेलू उत्पादन के हिस्से और समग्र उत्पादन में वृद्धि हुई है। घरेलू बिक्रियों में वृद्धि होने से याचिकादाताओं के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। इसलिए रिकार्ड में निहित सूचना यह पुष्टि करती है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।
- (च) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के अनुसार याचिकादाताओं की कंपनियों को किसी क्षति का सामना नहीं करना पड़ रहा है और वे अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। सेल की रणनीतिक निवेशों के लिए योजना है और अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए योजना बना रही है। एस्सार स्टील सकारात्मक स्थिति का इशारा करती है और कंपनी ने स्टील की घरेलू खपत के संबंध में सकारात्मक स्थिति दर्शायी है। जे एस डब्ल्यू स्टील का यह मानना है कि सेल के कोल्ड रोल्ड उत्पादों में वर्ष 2014-15 में वर्ष 2013-14 की तुलना में 54 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसलिए मेटिनवेस्ट ने प्राधिकारी का ध्यान आकर्षित किया है कि संबंधित कंपनियां क्षति का सामना नहीं कर रही हैं लेकिन उन्होंने वास्तव में सकारात्मक निष्पादन दर्ज किया है।

(छ) घरेलू उद्योग को कथित क्षति का कारण उच्च ऋण, कम निर्यात मूल्य और घरेलू कीमतों का होना है। याचिकादाताओं द्वारा समग्र भारतीय मांग की पूर्ति होने के बावजूद भारत में अप्रयुक्त क्षमता काफी अधिक होगी। प्राधिकारी को क्षति के निष्कर्ष से पूर्व लागतों पर अत्यधिक क्षमताओं के भार की जांच करनी चाहिए। याचिकादाताओं का उत्पादन वर्ष के दौरान स्थिर रहा और उत्पादन में कोई प्रतिकूल प्रभाव प्रतीत नहीं हुआ है।

(ज) जेएसडब्ल्यू स्टील और सेल की तुलना में ईस्सार की वित्तीय लागत, प्रयुक्त सामग्री की लागत और मूल्यह्रास अधिक है।

(झ) यूक्रेन के दूतावास ने यह बताया है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अपनी वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2014-15 में अपना कार्य निष्पादन कम होने के लिए मजदूरियों और वेतन में वृद्धि होने, लौह अयस्क की रायलटी में वृद्धि होने, अधिक भंडारण होने और अतिरिक्त व्यय होने, नई सुविधाओं के पूंजीकरण के कारण अधिक मूल्यह्रास होने, भारत में अवस्थित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों से प्रतिस्पर्धा बढ़ने के कारणों को जिम्मेदार बताया है।

(ज) यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को क्षति आयातों के कारण नहीं है बल्कि अपने आप बनाई हुई है। भारत में भारी निवेश वित्तीय क्षमता से अधिक हानि वाले उद्यम, खराब ऋण इक्विटी अनुपात और भारी ब्याज का भार होने से कुछ उत्पादकों के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने लागत में कमी और उत्पाद विकास के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नयन को नजर अंदाज किया है।

(ट) याचिकादाताओं को हुई कथित क्षति का कारण संबद्ध देशों से आयातों के अलावा अन्य कारक भी हैं। अन्य विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों के साथ एफटीए, चीन में अधिक क्षमता विश्व के स्टील उद्योग का नकारात्मक दृष्टिकोण, भारत से स्टील के निर्यात में कमी और विशिष्ट कंपनियों अर्थात् सेल, ईस्सार स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील आदि के संबंध में विभिन्न नकारात्मक कारकों का होना है, जिनके कारण भारतीय घरेलू उत्पादन में नकारात्मक प्रभाव पड़ा होगा।

(ठ) आवेदकों द्वारा याचिका में दावा की गई सूचना यह दर्शाती है कि उत्पाद के लिए मांग में पर्याप्त कमी आई है। इससे यह पता चलता है कि पारित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। कोई भी निरंतर क्षति मांग में गिरावट जैसे अन्य कारकों के कारण है।

(ड) घरेलू उत्पादकों के बीच घरेलू बाजार में सशक्त प्रतिस्पर्धा है। इसके अतिरिक्त सेल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्टील कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बारे में उल्लेख किया है। ब्याज लागत में वृद्धि और विक्रियों की लागत में वृद्धि आयातों के प्रभाव के कारण नहीं हो सकती। इस प्रकार घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा और लागतों में वृद्धि को पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के तात्पर्य से अन्य कारक के रूप में विचार नहीं किया जाना चाहिए।

(ड) कोल्ड रोल्ड शीट/क्वायल के आयातों में एच आर क्वायल- निर्माण क्षेत्र द्वारा अधिक आयात के लिए आवश्यक आधारभूत सामग्री के उत्पादन में भारी कमी के कारण वृद्धि हुई है। विचाराधीन उत्पाद के

उत्पादन में सेल में विस्तार और कार्यों के अनुरक्षण के कारण गिरावट आई है और आयातों की उत्पादों के गिरावट में कोई भूमिका नहीं थी।

- (ग) याचिकादाताओं की शिकायत मूल्यहास की मौजूदगी के संबंध में कमी के कारण है। याचिका एकल देशों से आयातों के कारण साक्ष्यों को न तो प्रभावित करती है और न ही घरेलू उद्योग के दावे के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करती है जिनसे कि घरेलू उद्योग को क्षति का सामना करना पड़ा हो।
- (त) वर्ष 2015-16 में इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर (यू एन काम्ट्रेड के आधार पर) से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार उक्लैन का कुल आयात में अंश 2.48 % था अर्थात् यह पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 5.8 के तात्पर्य से नकारात्मक माना जाना चाहिए। वर्ष 2015-16 में उक्लैन से आयात, विगत वर्षों की तुलना में आधा रहा है। अतः उक्लैन से आयातों में कोई महतवपूर्ण वृद्धि नहीं थी जिससे कि घरेलू उत्पादकों को क्षति हुई हो।
- (थ) उक्लैन का आयात अन्य स्रोतों से आयातों के संबंध में कम रहा है। उक्लैन से आयात घरेलू उद्योग के लिए चुनौती के रूप में नहीं है और पाटन-रोधी शुल्क लगाए बिना पहले से ही कम हो रहा है। उक्लैन के आयात का प्रभाव अन्य स्रोतों से आयातों के अनुसार संकलित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, उक्लैन से आयातों में देश में सुरक्षा स्थिति के स्थिरीकरण के बाद कम होने की संभावना है।
- (द) हुंडे स्टील कंपनी और डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी ने यह निवेदन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम में उनके लिए नकारात्मक क्षति मार्जिन का निर्धारण किया है। इससे यह पता चलता है कि ऊपर उल्लिखित पक्षकारों द्वारा किए गए नियर्तों की पहुंच कीमतें, प्रारंभिक जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथा निर्धारित क्षति रहित कीमतों से अधिक हैं। घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह भी आग्रह किया है कि वे अंतिम जांच परिणाम में प्रारंभिक जांच परिणाम के संपुष्टि करें।
- (ध) क्षति रहित कीमत का परिकलन घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है, जो कि बढ़ाया हुआ है।
- (न) जापान से कीमत में कोई कटौती नहीं की जा रही है। इस प्रकार प्रतिवादी का यह निवेदन है कि कीमत में कटौती नहीं होने और कीमत में हास नहीं होने की स्थिति में वर्तमान जांच में कीमत में क्षति होने का कोई मामला नहीं बनता है।

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**

84. प्राधिकारी ने आवेदन-पत्र में प्रस्तुत किए गए याचिकादाताओं के प्रासंगिक निवेदनों पर विचार किया है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

85. क्षति और कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान निम्नानुसार किया गया है:-

(क) हितबद्ध पक्षकारों के इस आशय के निवेदनों के संबंध में कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है और जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में आई गिरावट की तुलना में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्यों में अत्यधिक गिरावट आई है। और घरेलू उद्योग को ऐसी कम कीमतों के समनुरूप अपनी कीमतों को घटाने के लिए विवश होना पड़ा है, जिसके कारण घरेलू उद्योग का क्षति हो रही है।

(ख) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए आयातों की मात्रा में वृद्धि का कारण यह तथ्य था कि जांच की अवधि में हॉट रोल्ड उत्पादों जिनका उपयोग विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए कच्चे माल के इनपुट के रूप में किया जाता है, के उत्पादन में तेजी से गिरावट आई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों का तर्क सही नहीं है और भारत में हॉट रोल्ड उत्पादों का उत्पादन स्थिर बना हुआ है।

(ग) यह तर्क दिया गया है कि उक्लैन से आयात नगण्य हैं और वर्ष 2015-16 के दौरान उक्लैन से आयातों में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई है, जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति होती हो। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में विचाराधीन उत्पादों के आयातों में उक्लैन से आयात का हिस्सा न्यूनतम से अधिक है।

(घ) हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को हुई हानि बढ़ते ब्याज के भार सहित, कम निर्यात कीमत, हानि वाले उद्योगों, उच्च नि धारित लागत भार, उच्च माल भाड़ा लागत, उच्च प्राद्योगिकी की कमी, कच्चे माल की समस्या, क्षमताओं का कम उपयोग होने और निचले स्तर के उद्योग की गुणवत्ता जरूरतों को पूरा करने में असमर्थता और उसके अपने आंतरिक कारणों की वजह से है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये दावे विल्कुल सामान्य और बिना प्रमाणों के हैं। विस्तृत जांच के बाद प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से भारत में आ रहे पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा के कारण क्षति का सामना करना पड़ा है। इसके अतिरिक्त विभिन्न क्षति प्राचलों और कारणात्मक संबंध का विस्तृत विश्लेषण का उल्लेख नीचे किया गया है।

### झ. संचयी मूल्यांकन

86. विश्व व्यापार संगठन करार के अनुच्छेद 3.3 और पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा (3) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है (अथवा अधिक है) वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा

(ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्द्धा की स्थितियों के महेनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि -

(क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन, नियमावली में निर्धारित न्यूनतम सीमा से बहुत अधिक है।

(ख) ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा आयातों की कुल मात्रा से 3% से भी अधिक है।

(ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनके द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से सीधे प्रतिस्पर्द्धा करते हैं, बल्कि वे भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।

88. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन करना उपयुक्त होगा।

89. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 11 के साथ पठित उसके अनुबंध-2 में यह प्रावधान है कि क्षति का निर्धारण करने की जांच में "..... सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिनमें पाठित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव शामिल हैं....." ऐसे कारकों की जांच करना शामिल है, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति होने का पता चलता हो। कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

#### पाठित आयातों की मात्रा के प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

#### मांग का मूल्यांकन

90. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण, सभी देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के साथ समान उत्पाद के भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों को जोड़ कर किया गया है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए आयात के आंकड़ों पर विश्वास किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में देखा जा सकता है :-

विवरण (मात्रा मी.टन में)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई, 2015 - दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से कुल आयात	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
अन्य देशों से आयात	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
कुल आयात	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
याचिकादाताओं की घरेलू बिक्री	17,72,143	17,93,934	19,66,473	19,96,730	9,66,568	19,33,136
सहयोगकर्ताओं की घरेलू बिक्री	4,96,965	5,16,368	4,64,625	5,59,434	2,92,715	5,85,430
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्री	24,69,727	22,61,061	21,93,144	19,14,871	9,30,988	18,61,977
कुल मांग	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656

### संबद्ध देशों के आयात की मात्रा और हिस्सा

91. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015 - दिसंबर, 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई, 2015 - दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
चीन जन. गण.	मी.ट.	2,64,420	1,06,642	2,84,094	2,33,478	1,62,172	3,24,343
जापान	मी.ट.	3,04,308	2,59,711	2,50,269	3,75,895	2,02,561	4,05,122
कोरिया	मी.ट.	5,79,507	6,50,815	6,99,157	8,10,760	5,15,799	10,31,598
उक्रैन	मी.ट.	50,008	52,699	1,33,912	1,18,789	38,781	77,562
अन्य	मी.ट.	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
कुल आयात	मी.ट.	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015 - दिसंबर, 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई, 2015 - दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
संबद्ध देशों से कुल आयात	मी.टन	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	114	128	77	153
अन्य देशों से आयात	मी.टन	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	46	73	49	22	44
कुल आयात	मी.टन	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	107	115	67	134
भारत में कुल मांग	मी.टन	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	100	99	51	102
खपत के संबंध में संबद्ध देशों से आयात		19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
याचिकादाताओं का उत्पादन	मी.टन	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,849.93	22,92,142	45,84,284

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	122	124	59	117
याचिकादाताओं के संबंध में संबद्ध देशों से आयात 'कुल उत्पादन		30.6%	25.8%	28.5%	31.7%	40.1%	40.1%

92. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

(क) संबद्ध देशों से पाठित आयात, 2012-13 में 11,98,244 मी.टन से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 18,38,625 मी.टन हो गए।

(ख) याचिकादाताओं के संबंध में संबद्ध देशों से पाठित आयात में वर्ष 2012-13 में 30.6% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 40.1% हो गए।

(ग) भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से पाठित आयात, वर्ष 2012-13 में 19.4% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिकीकृत) में 29 % हो गए।

93. इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पूर्णरूपेण और भारत में उत्पादन और खपत दोनों के संबंध में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है।

#### घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के कीमत प्रभाव

94. कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-2 (2) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है:-

“जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती।”

95. इसकी जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के पाठित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों को ह्रास करने पर पड़ते अथवा कीमत में होने वाली वृद्धि को रोकते जो कि अन्यथा अत्यधिक स्तर तक होती। कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हुआ है, के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है।

#### कीमत में कटौती

96. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के साथ की है। इस संबंध में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की तुलना निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर घरेलू बाजार के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखाना-गत स्तर पर किया गया था। घरेलू कीमतों और कीमत में कटौती के मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

कीमत कटौती	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015 - दिसंबर, 2015	जांच अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 2015)
पहुंच मूल्य	रूपए /मी.टन	44,710	45,162	43,592	32,926	31,032
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	97	74	69
घरेलू बिक्री कीमत	रूपए /मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	99	82	80
कीमत कटौती	रूपए /मी.टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	(10) से 0	(20) से (10)	(10) से 0	0 से 10	0 से 10

कीमत कटौती (जांच अवधि)	यूनिट	चीन जन.गण.	जापान	कोरिया	उक्रैन	संबद्ध देश
पहुंच मूल्य	रूपए/मी.टन	30,734	33,504	30,232	30,016	31,032
घरेलू बिक्री कीमत	रूपए/मी.टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	रूपए/मी.टन	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	0 to 10	(10) से 0	0 से 10	0 से 10	0 से 10

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती जापान के अलावा संबद्ध देशों के लिए मौजूद है। लेकिन उनका यह भी विचार है कि उचित जांच करने के लिए कीमत में कटौती की जांच कीमत में ह्लास और कीमत न्यूनीकरण के संयोजन में की जानी चाहिए तथा कीमत में कटौती की जांच ऐसी अलगाव की स्थिति में नहीं की जानी चाहिए जहां कि घरेलू उद्योग को आयातों के पहुंच मूल्य के समान अपनी कीमतों को बनाए रखने के लिए उन्हें घटाने के लिए निरंतर बाध्य होना पड़े। यदि घरेलू उद्योग आयातों की कीमतों के समनुरूप अपनी कीमतों को कम नहीं करता है, तो उसे अधिक ग्राहक गंवाने पड़ेंगे और इससे उसको और विकट क्षति होगी।

#### कम कीमत पर बिक्री

98. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री किए जाने की स्थिति की भी जांच की है। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की भारित औसत क्षति रहित कीमत की आयातों की औसत पहुंच कीमत के साथ की गई तुलना को निम्नानुसार दर्शाया जाता है:-

विवरण	मापन यूनिट	जापान	कोरिया जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	उक्तेन
भारित औसत-क्षति रहित कीमत	रूपए/मी.टन	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रूपए/मी.टन	33,504	30,232	30,734	30,016
कम कीमत पर बिक्री	रूपए/मी.टन	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% सीमा	10-20	20-30	20-30	25-35

99. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत से अत्यधिक कम थी।

#### कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

100. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी हद तक कीमतों में ह्रास हुआ है अथवा कीमतों में वृद्धि होना रुका है, जो कि अन्यथा काफी हद तक हो सकती थी, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तन होने पर विचार किया है। इसकी स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015 - दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015 - दिसंबर 2015)
निर्माण और बिक्री लागत	रूपए/मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	101	93	92
घरेलू बिक्री कीमत	रूपए/मी.टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	99	82	80
पहुंच मूल्य		44,710	45,162	43,592	32,926	31,032
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	97	74	69

101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्माण और बिक्री की लागत में 2012-13 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान 8 सूचकांक तक गिरावट आई है। दूसरी ओर बिक्री की कीमत में इस अवधि के दौरान 20 सूचकांक तक की गिरावट आई है जोकि लागत में कमी से काफी अधिक है। यह पाया गया है कि 2012-13 से जांच की अवधि तक 31 सूचकांक के लदान मूल्य में महत्पूर्ण गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को कम करने के ह्रास और न्यूनीकरण हो रहा था।

#### घरेलू उद्योग के आर्थिक प्राचल

102. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-II में क्षति का निर्धारण करने के लिए समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों की परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच करने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त नियमों में ऐसा भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबद्ध आर्थिक कारकों और सूचकों का सार्थक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना निहित है, जिनमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट, बाजार का हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को

प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार, वेतन, संवृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच करने से ऐसा पता चला है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग की क्षति से संबंधित विभिन्न प्राचलों का उल्लेख नीचे किया गया है।

#### उत्पादन, क्षमता उपयोग और विक्रियां

103. उत्पादन, घरेलू विक्रियों, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन

निम्नानुसार था:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
स्थापित क्षमता	मी.टन	61,48,000	72,21,716	89,20,404	89,20,404	44,77,750	89,55,500
कुल उत्पादन	मी.टन	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,850	22,92,142	45,84,284
क्षमता उपयोग	%	63.65%	57.49%	53.69%	54.36%	51.19%	51.19%

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट वर्ष 2012-13 के दौरान 63.65 प्रतशित से जांच अवधि के दौरान 51.19 प्रतशित तक आई है। घरेलू उद्योग वर्ष 2012-13 के दौरान 63.65 प्रतशित का बेहतर क्षमता उपयोग प्राप्त करने में समर्थ रहा है। यह पाया गया है कि भारत में विचाराधीन उत्पादों के पाठित आयातों की बढ़ती मात्रा के कारण घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाया है।

#### लाभ, लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ

लाभ/ (हानि)	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(449)	(301)	(1,144)	(594)	(1,189)
लाभ/मी.ट.	रुपए/मी.टन	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(443)	(271)	(1,015)	(1,090)	(1,090)

नकद लाभ	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015- दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015- दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
---------	-------	---------	---------	---------	--	--------------------------------------	-------------------------

नकद लाभ	लाख रूपए	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(188)	(50)	(668)	(351)	(702)
नकद लाभ/ मी.टन	रूपए/मी.टन	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(186)	(45)	(593)	(644)	(644)

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015-दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
आरओसीई	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	46	91	(48)	(58)	(58)

105. उपरोक्त तालिका से यह पाया गया है कि शामिल पूंजी पर प्रतिफल पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा के कारण घरेलू उद्योग अपने निवेशों पर उचित प्रतिफल प्राप्त करने में असमर्थ रहा है। यह भी उल्लेख किया जाता है कि नकद लाभ नकद नुकसान में परिवर्तित हो गया है और जांच की अवधि के दौरान स्थिति काफी खराब हो गई है।

### बाजार का हिस्सा

106. घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल 2015-दिसंबर 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (जुलाई 2015-दिसंबर, 2015)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
मांग (मी.टन)	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
सूचीबद्ध	100	93	100	99	51	102
बाजार हिस्सा						
याचिकादाता का हिस्सा	28.6%	31.2%	31.8%	32.5%	30.5%	30.5%
सहयोगकर्ताओं का हिस्सा	8.0%	9.0%	7.5%	9.1%	9.2%	9.2%
अन्य उत्पादकों का हिस्सा	39.9%	39.3%	35.5%	31.2%	29.4%	29.4%
संबद्ध देशों का हिस्सा	19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
अन्य देशों का हिस्सा	4.1%	2.0%	3.0%	2.0%	1.7%	1.7%

107. विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा कम हुआ है। यद्यपि, इस अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है। इसका कारण यह है कि आयातों ने मांग में हुई वृद्धि को तीव्रता से अभिगृहीत कर लिया है।

108. संबद्ध देशों से आयातों के बाजार के हिस्से में निरंतर वृद्धि हो रही है।

### संबद्ध

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 (वार्षिकीकृत)	जांच अवधि (वार्षिकीकृत)
उत्पादन	%	6%	15%	1%	-5%
बाजार हिस्सा	%	9%	2%	2%	-6%
उत्पादन की लागत	%	3%	-2%	-7%	-1%
बिक्री कीमत	%	-1%	0%	-17%	-3%
प्रति इकाई धाटा	%	343%	-39%	274%	7%
नियोजित पूंजी पर आय	%	-54%	-19%	-230%	-21%

109. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता उपयोग, लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि जांच की समग्र क्षति अवधि के दौरान नकारात्मक रही। यह स्थिति देश में विचाराधीन उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि के बावजूद जांच की अवधि के दौरान काफी खराब रही। कुल मिलाकर घरेलू उद्योग की वृद्धि जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक रही है।

### पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की मांग बढ़ने की स्थिति को ध्यान में रख कर संयंत्र और मशीनरी में निवेश किया है। तथापि, इन निवेश के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है तथा इसका और निवेश करने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

### पाठन का स्तर और पाठन मार्जिन

111. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात भारतीय बाजार में पाठित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं और पाठन का मार्जिन अत्यधिक है।

### घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

112. संबद्ध देशों से आयात कीमतों की जांच करने, लागत के ढांचे में परिवर्तन होने, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा होने, पाठित आयातों से भिन्न कारकों से जो कि घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हैं, आदि से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी कम है, जिसके कारण भारतीय बाजार में अत्यधिक कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, मूल्य ह्रास और कीमत न्यूनीकरण हो रहा है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य है।

### क्षति पर निष्कर्ष

113. इस प्रकार यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पूर्णरूपेण पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस प्रकार भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन दोनों के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों का कीमत ह्रास, कीमत कटौती और न्यूनीकरण के रूप में कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों के प्रभाव के फलस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतें कम हुई हैं। कम कीमत के पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को बाजार कीमत प्राप्त करने के लिए विवश कर दिया है, जो कि उसकी लागत को भी वसूल नहीं कर सका है। घरेलू उद्योग को कम कीमत पर बिक्री करने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भारत में कम कीमत पर पाटित आयातों के प्रवेश करने से अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण की स्थिति विद्यमान है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयात ने उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, बाजार हिस्सा, क्षमता उपयोग, माल सूचियों, बाजार के हिस्से, लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस प्रकार प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

### कारणात्मक संबंध

114. प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या पाटन-रोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। पाटन और घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति होने के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है।

### तृतीय देशों से आयात

115. संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से अधिक नहीं हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का खतरा हो। इसके अतिरिक्त जिन कीमतों पर अन्य देशों से वस्तुएं आ रही हैं, वे संबद्ध देशों से आने वाली वस्तुओं की कीमतों से बहुत अधिक हैं।

### मांग में संकुचन

116. संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने की प्रवृत्ति दृष्टिगत हुई है। इसलिए मांग में कमी होना, घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकता है। वास्तव में घरेलू उद्योग, मांग में हुई वृद्धि के समनुरूप अपनी बिक्रियों और बाजार के हिस्से को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है।

### विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापारिक प्रतिबंधित प्रद्वतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्द्धा

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी कोई व्यापारिक प्रतिबंधित प्रद्वति नहीं है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

### प्रोद्योगिकी में विकास

118. संबद्ध उत्पाद के उत्पादन की प्रोद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार प्रोद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

### खपत के पेटर्न में परिवर्तन

119. घरेलू उद्योग ऐसी वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है, जिनका भारत में आयात किया गया है। खपत के पेटर्न में संभावित परिवर्तन घरेलू उद्योग की क्षति का कारक नहीं माना जा सकता है।

### निर्यात निष्पादन

120. घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित अधिक गिरावट आने का कारण नहीं माना जा सकता है। वास्तव में भौतिक दृष्टि से घरेलू उद्योग के निर्यात में कोई गिरावट नहीं आई है। फिर भी घरेलू उद्योग के घरेलू कार्य-निष्पादन पर विचार किया गया है।

### अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन

121. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन ने घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के प्राधिकारी द्वारा किए गए मूल्यांकन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना पर विचार किया गया है।

### घरेलू उद्योग की उत्पादकता

122. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादकता में गिरावट आने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

### कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

123. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में भौतिक दृष्टि से गिरावट आई है। पाठित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध होने की संपुष्टि निम्नोक्त आधार पर हुई है:-

- समग्र जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है।
- संबद्ध देशों से पाठित आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समनुरूप अपने उत्पादन और विक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है।
- भारत में प्रवेश करने वाले कम कीमत के पाठित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। समग्र क्षति अवधि में नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ, निवल लाभ और नकदी लाभ में नकारात्मक की प्रवृत्ति बनी रही है और जांच अवधि में क्षति में और वृद्धि हुई है।

124. उपरोक्त विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है। इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों में वृद्धि होने और घरेलू उद्योग को हो रही आर्थिक क्षति के बीच सुदृढ़ संबंध विद्यमान है।

### क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

125. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में उपरोक्त जांच से प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाठन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाठित आयातों की मात्रा में तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। पाठित आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव डाला है। संबद्ध देशों के लिए पाठन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे अत्यधिक माना गया है। संबद्ध देशों से पाठित आयातों ने उत्पादन, विक्रियों और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में अत्यधिक गिरावट आई है। प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाठन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

126. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है और उसकी तुलना प्रतिवादी निर्यातकों के संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्यों के साथ की है ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। भारित

औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्धारित किए गए क्षति मार्जिन पर विचार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

क्षति मार्जिन

क्रमांक	देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	सीमा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज हुंडे स्टील कंपनी	1. मेसर्ज हुंडे स्टील कंपनी कोरिया जनवादी गणराज्य 2. मेसर्ज हुंडे कार्पोरेशन कोरिया जनवादी गणराज्य 3. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य 4. मेसर्ज पी एंड ए कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य	***	***	***	***	5-15
2.	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज पोस्को	1. मेसर्ज पोस्को, कोरिया जनवादी गणराज्य 2. मेसर्ज पोस्को देवू कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य 3. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य 4. मेसर्ज हुंडे कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य 5. मेसर्ज सैमसंग सीएंडटी कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य 6. मेसर्ज पोस्को एशिया कं. लि., हांगकांग	***	***	***	***	35-45

			जनवादी गणराज्य 7. मेसर्ज मेसर्ज पोस्को प्रोसेसिंग एंड सर्विस कंपनी लिमिटेड,, कोरिया जनवादी गणराज्य					
3.	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	1. मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य 2. मेसर्ज पोस्को देवू कार्पोरेशन, 3. मेसर्ज कोवोन ट्रेडिंग कॉरपोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य	***	***	***	***	(55)-(65)
4.	जापान	जेएफई स्टील कार्पोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन, जापान 2. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान 3. निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, 4. ओह्ती इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान 5. मित्सुई एंड कं. लि., जापान 6. मैटल वन कार्पोरेशन, जापान	***	***	***	***	0-10
5.	जापान	निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन	1. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन 2. कनेमत्सु कार्पोरेशन लिमिटेड, जापान 3. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक, जापान 4. मैटल वन कार्पोरेशन, जापान 5. मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान 6. निप्पोन स्टील एंड	***	***	***	***	15-25

			सुमीकिन भूसान कार्पोरेशन, जापान 7. सुमितोमो कार्पोरेशन, जापान 8. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन, जापान					
6.	चीन जनवादी गणराज्य	मै. झाजियागांग यांगत्जे रीवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लिमिटेड लि.	1. जियांगसू शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य 2. जिंसा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर 3. लु किन (हांग कांग) कं. लि., हांगकांग 4. फ्यूचर मैटिरियल इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लि., हांगकांग	***	***	***	***	55-65
7.	उक्रैन	जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेडआयरन एंड स्टील वर्क्स पीजेएससी	जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेडआयरन एंड स्टील वर्क्स पीजेएससी	***	***	***	***	25-35

127. यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन अत्यधिक पाया गया है।

#### संबद्ध देशों के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पहुंच मूल्य और क्षति मार्जिन

128. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में पहुंच मूल्य का निर्धारण उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किए गए क्षति मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है: -

विवरण	मापन यूनिट	जापान	कोरिया जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	उक्रैन
क्षति रहित कीमत	अमरीकी डालर/मी.टन	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	अमरीकी डालर/मी.टन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	अमरीकी डालर/मी.टन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	%	***	***	***	***
क्षति मार्जिन की % सीमा	% सीमा	15-25	35-45	55-65	25-35

### ज. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

129. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में समान अवसरों वाली स्थिति सृजित करके खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटन-रोधी उपाय लागू करना संबद्ध देश से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ता को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं करेंगे।

130. यह माना जाता है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं को इस्तेमाल करके विनिर्मित किए उत्पाद के कीमत के स्तर को प्रभावित हो सकते हैं और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्द्धात्मकता कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है। घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि प्रस्तावित शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं के लिए लागत संबंधी नगण्य प्रभाव पड़ेंगे। इसलिए पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटन-रोधी शुल्क ऐसी राशि तक सीमित रहते हैं, जो कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट की रोकथाम होगी तथा ये उपभोक्ताओं को उनकी व्यापक रूचि की संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता को बनाए रखने में सहायक होंगे।

### प्रकटन पश्चात विवरण पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

131. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण वक्तव्य पर निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं:-

- (क) जपोरीझस्तल इंटीग्रेटिड आयरन एंड स्टील वर्क्स प्रस्तुत करते हैं कि जपोरीझस्तल की घरेलू बिक्रियों के प्रति व्यापार समायोजन (परिशिष्ट - 1) के स्तर को इस प्रकार लागू किया जाना चाहिए कि सामान्य मूल्य को निर्यात कीमत के तुलनीय स्तर पर लाया जा सके। व्यापार समायोजन के स्तर की आवश्यकता के लिए उक्रेनियन उत्पादक के दावे को अस्वीकृत कर के, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 में यथानिर्धारित उचित तुलना के सिद्धांत का उल्लंघन किया है।
- (ख) मेटिनवेस्ट ने भी कहा है कि प्रस्तुत की गई डी एम संगणना का सी वी प्रकटन अपर्याप्त है और निर्यात कीमत संगणना भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि प्रकटीकरण घोषणा में उनकी निर्यात कीमतें उत्पादक (जीपोरीझस्तल) की भारत में संभावित निर्यात के लिए स्विटजरलैंड (मेटिनवेस्ट इंटरनेशनल एस ए या मीसा) में स्थित उसकी संबंधित व्यापार कंपनी को आंतरिक स्थानांतरण कीमतों के आधार पर निर्धारित की गई है न कि भारत में अंतिम असंबंधित क्रयकर्ता के प्रति मेटिनवेस्ट गुप (अर्थात् मेटिन वेस्ट इंटरनेशनल एस ए) द्वारा निर्धारित वास्तविक निर्यात कीमतों पर। माननीय प्राधिकारी ने त्रुटिपूर्ण तरीके से जरोरीझस्तल और मीसा के बीच हस्तांतरण कीमतों के स्तर पर निर्यात कीमत को निर्धारित करने का निर्णय किया है।
- (ग) जे एफ ई स्टील कारपोरेशन और निष्पोन स्टील और सुमितोमो मेटल कारपोरेशन ने निवेदन किया है कि प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई गोपनीय पाटन मार्जिन संगणना शीट में इस संबंध में कोई स्पष्टता नहीं है कि अंतिम सामान्य मूल्य और कीमत की कैसे संगणना की गई थी। मार्जिन संगणना के निलंबित और अपूर्ण प्रकटीकरण ने उचित तरीके से निर्धारित समय में प्रत्युत्तर देने की उनकी क्षमता को अत्यधिक सीमित कर दिया है। समायोजनों के संदर्भ में पैराग्राफ 49 पर माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के निष्कर्षों के संबंध में भी, यह निवेदन किया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह प्रकट नहीं किया है कि किस स्वरूप का समायोजन किया गया था।

(घ) अनगेंग स्टील कंपनी लिमिटेड (अनगेंग ने निवेदन किया है कि प्रश्नावली के प्रत्युत्तरों को अस्वीकृत किया जाना सही नहीं है। इस संबंध में अनगेंग ने निवेदन किया कि अपनी प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में उसमें स्पष्ट किया है कि अनगेंग इंटरनेशनल सिर्फ एक कमीशन एजेंट है और यह अपने स्वयं के नाम से अनगेंग की ओर से वाणिज्यिक माल सूची जारी करता है। इस संबंध में करारनामे की एक प्रति भी उपलब्ध कराई गई है।

(ङ) 'पोस्को' ने निवेदन किया है कि नियोजित पूँजी पर 22 प्रतिशत वापसी की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि यह बहुत अधिक है। आगे पोस्को ने तर्क दिया है कि फुल हार्ड और कोल्ड रोल्ड अनील्ड उत्पादों को पाटन मार्जिन की संगणना के प्रयोजनार्थ पृथक किया जाना चाहिए।

(च) जापान आयरन और स्टील संघ ने प्रस्ताव किया है कि कुछ स्टील उत्पादों, जो घरेलू उत्पादों के साथ स्पर्धा नहीं कर रहे हैं, जैसे कि "आटोमोटिव" और "ई एंड ई" के लिए, को इस जांच के कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

(छ) वाक्सवेंगन इंडिया और टोयोटा किलोस्कर मोटर प्राइवेट लिमि. ने निवेदन किया है कि पी सी एन को डी आई सूची में बहिष्करण के लिए प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत पी सी एन की सूची शामिल नहीं है।

(ज) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने निवेदन किया है कि प्रकटीकरण विवरण में केवल एक सामान्य व्यापक का उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग सभी ग्रेडों का विनिर्माण करता है (पी सी एन से एकदम समान या निकट समानुरूपता)। प्रकटीकरण विवरण में इस विस्तृत सूचना के अभाव ने एक अर्थपूर्ण प्रत्युत्तर उपलब्ध कराने में हितबद्ध पक्षकारों पर गंभीरता से प्रतिकूल प्रभाव डाला है क्योंकि प्रतिवादी डी आई द्वारा विनिर्मित पी सी एन के उन विवरणों से परिचित नहीं हैं जो प्रतिवादी के पी सी एन से अत्यधिक समानता रखते हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत वास्तविक सादृश्य का कोई प्रकटन (या केवल उल्लेख) नहीं किया गया, जिसे उन पी सी एन को स्थापित करने के लिए प्रयुक्त किया जा सके, जिनका वे एकदम समान या निकट समान होने का दावा कर रहे हैं, उचित रूप से कोडिड किए गए हैं (पी सी एन कार्यप्रणाली का प्रयोग करते हुए) और यह कि घरेलू उद्योग वास्तव में पी सी एन का उत्पादन और विक्री कर रहे हैं जो निकट रूप से समान या एकदम समान होने के कारण चुने गए हैं।

(झ) जे एफ ई स्टील कारपोरेशन, निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन एंड कोबे स्टील लिमि. ने निवेदन किया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस समय लागू की गई सादृश्य परीक्षण और बहिष्करण के प्रयोजनार्थ पी सी एन तुलना की कार्यप्रणाली एक त्रुटिपूर्ण कार्यप्रणाली है। सादृश्य की सादृश्यता परीक्षण से तुलना न कर के, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जानबूझ कर शुल्कों के क्षेत्र में ऐसे उत्पादों को शामिल किया है जिसे घरेलू उद्योग उत्पादित भी नहीं करता और तब उनकी तुलना की है। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा की गई वाणिज्यिक विक्रियों पर आधारित विशिष्टता परीक्षण को सही रूप से आयोजित करना चाहिए था।

(अ) उक्रेनियन पक्ष ने तर्क किया है कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 7.4 में अपेक्षा की गई है कि अनंतिम उपायों को जितना संभव हो उतनी कम अवधि के लिए सीमित किया जाना चाहिए, जिसे सम्मिलित व्यापार की उल्लेखनीय प्रतिशतांक प्रस्तुत करने वाले निर्यातकों के अनुरोध पर बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, प्राधिकारी ने अनंतिम उपायों को प्रदान करते समय ऐसे निर्यातकों का नाम नहीं बताया। इसके अतिरिक्त, चीन, जापान और कोरिया की तुलना में कुल आयात में उक्रेन से होने वाले आयातों का हिस्सा बहुत कम है। पी ओ आई में, कुल आयातों, उक्रेन से आयातों का हिस्सा 4 प्रतिशत से कम अर्थात् नगण्य है। तदनुसार, उक्रेन से आयातों में न तो उल्लेखनीय वृद्धि न ही भारतीय बाजार में इनकी महत्वपूर्ण उपस्थिति थी जो घरेलू उत्पादकों की क्षति का कारण बनती। इसलिए उक्रेनियन आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी उपायों को लागू करने का कोई विधिक कारण नहीं था और उक्रेनियन

पक्ष ने पाटनरोधी शुल्क को निरस्त करने और पाटनरोधी उपायों को लागू किए बिना इस जांच को समाप्त करने पर जोर दिया।

- (ट) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने निवेदन किया है कि प्रत्युत्तर को प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध कराया गया समय बहुत कम है। यह विचार करते हुए कि प्रकटीकरण बयान बहुत से पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरणों पर आधारित है जिनमें वे 3 कंपनियां भी शामिल हैं जो डी आई का भाग हैं, प्रकटीकरण विवरण पर की गई अर्थपूर्ण टिप्पणियों में विरोधी पक्षकारों द्वारा की गई पिछली प्रस्तुतियों और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्राप्त तदनुरूपी आवश्यक तथ्यों की समीक्षा अनिवार्य होगी। इस सारी प्रक्रिया के लिए एक विचारणीय समयावधि की आवश्यकता होगी और इसे ध्यान में रखते हुए यह निवेदन किया गया है कि 2 दिन की समयावधि सकल रूप से अपर्याप्त है।
- (ठ) टोयोटा किलोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड, वाक्सवेगन इंडिया और कोबे ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अंतिम निष्कर्ष को जारी करते समय पाटनरोधी शुल्क, यदि कोई हो, को लागू करने के लिए संदर्भ कीमत को आधर के रूप से लेने का अनुरोध किया।
- (ड) मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने निवेदन किया है कि कुछ पी सी एन (गोपनीय आधार पर) के बहिष्करण के लिए इसके द्वारा प्रस्तुत किए गए डाटा की यह निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी द्वारा जांच की जानी चाहिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा सभी ऐसे ग्रेड उत्पादित किए जा रहे हैं।
- (३) जापान सरकार ने निवेदन किया है कि शुरुआती निष्कर्षों में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि प्राधिकारी ने संदर्भ कीमत को कैसे परिकलित किया है। इस प्रकार जापान सरकार यह आकलन करने के लिए सक्षम नहीं थी कि क्या अनंतिम शुल्क उचित हैं या नहीं। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट नहीं है कि लागू किए गए शुल्क विशिष्ट कंपनियों के पाटन मार्जिन का अतिक्रमण नहीं कर रहे हैं।
- (४) निप्पोन स्टील और समुतोमो मेटल कारपोरेशन, कोर्ब स्टील लिमि. तथा जे एफ ई स्टील कारपोरेशन
  - (क) पैराग्राफ 4 (ङ) पर उत्पादक का नाम कि इसका नाम “निप्पोन सुमितोमो” के रूप में गलत रूप से संदर्भित किया है, जब कि इसका सही नाम ‘निपोन स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन’ है यह अनुरोध किया गया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंतिम सिफारिश में शुल्क तालिका के लिए इसे ध्यान में रखा है।
  - (ख) यह निवेदन किया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने गलत रूप से एम आई पी के प्रभाव को शामिल नहीं किया है। एम आई पी ने क्षति को उचित और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पी ओ आई को अत्यधिक अनुपयुक्त बताया है। एम आई पी के प्रभाव को और घरेलू उद्योग की प्रास्थिति तथा एम ओ पी को लागू किए जाने के पश्चात् संबद्ध देश से आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करना जरूरी है।
  - (ग) प्राधिकारी ने सभी गैर-गुणवाचक कारकों को नहीं विश्लेषित किया है जिनकी उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने पहचान की थी जैसे कि निम्न घरेलू मांग, इनपुट कीमतों में अत्यधिक कमी, मुद्राओं का मूल्यह्रास, बाहरी इनपुट का अधिक प्रयोग, नई क्षमताएं आदि।
- (त) मै. हुंदई स्टील कंपनी, कोरिया आर पी, (उत्पादक) मै. हुंदई कारपोरेशन सहित, कोरिया आ पी, मै. एल जी इंटरनेशनल कार और मै. पी एंड ए कारपोरेशन, कोरिया आर पी (निर्यातक/ व्यापारी) ने प्रस्तुत किया है कि हितबद्ध पक्षकारों को निर्यात सौदों को अस्वीकृत करना सही नहीं है। संबंधित पक्षकारों को निर्यात कीमत अविश्वसनीय प्रतीत नहीं होती। हुंदई स्टील इंडिया प्रा. लिमि. को (संबद्ध

पक्षकार) हुंदई स्टील कंपनी, कोरिया के बीच विक्री किसी संबंध द्वारा प्रभावित नहीं है और सभी सौदे आर्म्स लैंथ पर हैं। किसी में, यदि प्राधिकारी कीमत विभिन्नता के लिए हमारे उत्तर में दिए गए औचित्य से संतुष्ट नहीं था, निर्दिष्ट प्राधिकारी को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (ख) का आश्रय लेना होगा। कानून में व्यवस्था की गई है कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (ख) के अंतर्गत निर्धारित कारणों से वास्तविक निर्यात कीमत का प्रयोग नहीं किया जा सकता तो निर्यात कीमत का उस कीमत के आधार पर निर्माण किया जा सकता है जिस पर आयातित वस्तुएं किसी स्वतंत्र क्रयकर्ता को पहली बार पुनः विक्री की गई थीं। धारा 9क (ख) में जरूरी है कि निर्यात कीमत को उस कीमत से वापिस तैयार करना चाहिए जिस पर हुंदई स्टील इंडिया प्रा. लिमि. द्वारा भारत में असंबद्ध क्रयकर्ताओं को संबद्ध वस्तुएं बेची गई हैं। हुंदई स्टील इंडिया प्रा. लिमि. को हुंदई स्टील कंपनी, कोरिया आर पी द्वारा किए गए निर्यात सौदे को अस्वीकृत कर, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने, सीमा शुल्क अधिनियम 1975 तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.3 को उपबंधों का उल्लेख किया है।

(थ) बाओशन आयरन स्टील के लिमि., बाओशन कंपनी इंडिया प्रा. लिमि., बाओ स्टील सिंगापुर पी टी आई लिमि. ने निवेदन किया है कि गुप द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों को बिना कोई कारण बताए बिना अस्वीकृत कर दिया गया है। यह निवेदन किया गया कि प्रकटीकरण विवरण में किए गए अवलोकन उनके द्वारा की गई प्रस्तुतियों के विपरीत अपूर्ण हैं। आगे यह प्रस्तुत किया गया कि प्रश्नावली प्रत्युत्तर का परिशिष्ट 2 बायोशन पर लागू नहीं होता। आगे, बायोस्टील सिंगापुर प्रा. लिमि. ने परिशिष्ट 2 में सूचना प्रस्तुत की है।

### घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण बयान पर टिप्पणियां

132. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण बयान पर की गई निम्नलिखित टिप्पणियां इस प्रकार हैं :-

(क) संबद्ध जांच में परिकलित गैर-क्षतिमूलक कीमत कम बताई गई प्रतीत होती हैं। विशेष रूप से जे एस डब्ल्यू स्टील कोटेड प्रॉडक्ट लिमि. ("जे एस सी पी एल") और एस्सार स्टील इंडिया लिमि. ("एस्सार") के लिए परिकलित एन आई पी कम बताई गई है।

(ख) दिनांक 3 अप्रैल, 2017 की ई मेल के अनुसार विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बांटी गई गोपनीय एन आई पी कार्यप्रणाली से और विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ हाल के विचार विमर्श से, घरेलू उद्योग ने समझा है कि जे एस सी पी एल के लिए एन आई जी को जे एस सी पी एल द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के लिए इनपुट लागत के रूप में एच आर कॉयलस के लिए हस्तांतरण कीमत (बाजार कीमत होने के कारण) को ध्यान में रखते हुए परिकलित की गई हैं। भारत में आने वाले एच आर कॉयलस के पाटित आयातों के कारण पी ओ आई के दौरान एच आर कॉयलस के लिए हस्तांतरण कीमत बहुत कमी थी। इस प्रकार विचारित हस्तांतरण कीमत उचित वापसी तो अलग हुए, उसके द्वारा जे एस सी पी एल के लिए एसन आई पी को निम्न रखते हुए, एच आर कॉयलस के उत्पादन की लागत को भी पूरा नहीं कर सकती थीं। इसलिए, प्राधिकारी से, जे एस सी पी एल द्वारा प्रयुक्त एच आर कॉयलस के विनिर्माण के लिए नियोजित पूंजी पर वापसी साथ ही पूरी लागत पर संबद्ध वस्तुओं के निर्माण के लिए इनपुट के रूप में विचार करने का अनुरोध किया गया है।

(ग) दिनांक 3 अप्रैल, 2017 की ई मेल के अनुसार विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा साझा की गई गोपनीय एन आई पी कार्यप्रणाली और निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ हाल के विचार विमर्श से यह स्पष्ट है कि एस्सार के लिए नियोजित पूंजी पर वापसी को परिकलित करते समय निवल निर्धारित परिसंपत्तियों से कुछ निश्चित कटौतियां की गई हैं। आगे यह कहा गया है कि :-

(i) विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को एस्सार के लिए सारी परिसंपत्तियों पर विचार करना चाहिए जैसा कि परीक्षित लेखाबहियों में प्रतिबंधित है।

(ii) सभी राशियों को इंस्टीक्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया द्वारा जारी संगत लेखाकरण मानकों के अनुसार लेखा बहियों में पूंजीकृत किया गया है। विनिर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए लेखा परीक्षित लेखा बहियों से परे जाने और विवेकाधार पर किसी राशि को अस्वीकृत करने का कोई कारण नहीं है। कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित है परिसंपत्तियों से ऐसी कोई कटौती करने की अनुमति देता है।

(iii) यह भी कहा गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई कटौतियां ए डी नियमावली के अनुबंध III के विपरीत हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी की विचाराधारा विवेकाधीन है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन में ही उक्त मुद्दों को तत्काल अपनाया जाना चाहिए और आई पी की संगणना में निवल निर्धारित परिसंपत्तियों पर विचार किया जाना चाहिए।

(घ) घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि डांगकुक इंडस्ट्रीज क. लिमि. ("डी के आई") को असहयोगी माना जाना चाहिए क्योंकि इसके ट्रेडर के संबंधित पक्षकार ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने आगे निवेदन किया कि डी के आई के डाटा की गहन संवीक्षा की जानी चाहिए। डी के आई की एक समूह कंपनी डांगकुक स्टील मिल कंपनी लिमि. ने संयुक्त राज्य (ऊपर) में 'कोर' के आयातों पर पाटनरोधी जांच में भाग लिया था। प्रारंभिक निर्धारण इस कंपनी के लिए 2.99 प्रतिशत पाटन मार्जिन इंगित करते हैं। तथापि, जांच के परवर्ती भाग के दौरान डाटा की गहन संवीक्षा के अंतिम निर्धारण स्तर पर इस कंपनी के लिए पाटन मार्जिन महत्वपूर्ण रूप से बढ़कर 8.75 प्रतिशत हो गया। यू. एस. डी ओसी के समक्ष डांकगुक समूह कम्पनी के पिछले आचरण के कारण यह अधिक महत्वपूर्ण है कि डी के आई के प्रत्युत्तर की गहन जांच की जाए क्योंकि इससे महत्वपूर्ण पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन प्रकट हो सकता है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि डांगकुक को कोरिया से कोल्ड-रोल्ड स्टील फ्लैट उत्पादों पर अन्य पाटनरोधी जांच में संयुक्त राज्य द्वारा अन्य सभी अन्य कंपनियों की दर की गई थी। आगे निवेदन किया गया है कि -

(ङ) घरेलू उद्योग को पता चला है कि डी के आई ने पी ओ आई के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं की महत्वपूर्ण मात्रा (लगभग 2000-3000 मी. टन) निर्यात की है। उक्त निर्यात डी के आई की कोल्ड-रोल्ड क्षमता का जो कि 2.4 मिलियन है, आगे उक्त नियति पी ओ आई के दौरान संबद्ध देशों से आयातों केवल 0.22 प्रतिशत से 0.32 प्रतिशत ठहरता है। ऐसे निम्न आयात आयातों का प्रतिनिधि नहीं हैं और पाटन मार्जिन संगणना और क्षति-मार्जिन संगणना के प्रयोजन हेतु इनकी उपेक्षा की जानी चाहिए। विगत जांचों में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कई मामलों में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की संगणना के लिए कम आयातों की उपेक्षा की है, जैसे () संयुक्त राज्य अमेरिका (यू. एस. ए.) और चीन जनगण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मिथाइल एसीटोंसिटेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के दिनांक 1 अप्रैल, 2016 के अंतिम जांच निष्कर्ष (i) चीन जनगण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित शीट ग्लास के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच के दिनांक 19 दिसंबर, 2014 के अंतिम जांच निष्कर्ष और (ii) चीन जनगण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सचारिन के आयातों पर लागे गए पाटनरोधी शुल्क की अंतिम समीक्षा में दिनांक 7 दिसंबर, 2011 के अंतिम निष्कर्ष। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, डांगकुक समूह पहले उल्लेख किया गया है, डांगकुक समूह पहले ही संयुक्त राज्य में उच्च पाटनरोधी शुल्कों सामना कर रहा है। कथित उच्च कीमतों पर भारत को उनके निम्न निर्यात संदिग्ध हैं और निर्दिष्ट प्राधिकारी को संगत अभ्यास के अनुसार पाटनमार्जिन और क्षति मार्जिन की संगणना के लिए ऐसे अप्रतिनिधित्व निर्यातों की अपेक्षा करनी चाहिए।

(च) वैकल्पिक रूप में, यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी का अभिप्राय डी के आई को सहयोगी मानने का है तो डी के आई पर अनंतिम सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 45/2016 सीमा शुल्क (ए डी डी) दिनांक 17 अगस्त, 2016 के शुरुआती निष्कर्षों में शुल्क तालिका की टिप्पणी 2 में दी गई शर्तों को लागू किया जाना चाहिए।

(छ) वर्तमान टिप्पणियां ए डी नियमावली के नियम 16 के अंतर्गत प्रकट किए गए विचार और अवलोकनों के तहत आवश्यक तथ्यों पर आधारित हैं। यदि किसी समय विचारोधीन अनिवार्य तथ्य और अवलोकनों में परिवर्तन होता है तो यह अनुरोध किया जाता है कि ए डी नियमावली के नियम 16 के तहत प्रतिवादी की जांच और टिप्पणियों के लिए एक अन्य प्रकटीकरण बयान जारी किया जाना चाहिए और घरेलू उद्योग को एक अन्य सुनवाई भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

133. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अत्यधिक निवेदन पुनरावृति प्रकृति के हैं और इनका समाधान प्रकटन विवरण में पहले से ही कर दिया गया है। उपरोक्त जांच परिणाम में स्वतः इन पक्षकारों के तर्कों का निदान निहित है। इसके अतिरिक्त, जितना प्रासंगिक समझा गया है और जिनका समाधान अन्यत्र नहीं किया गया है, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्ष द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है जिसका उल्लेख नीचे किया गया है :-

(क) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा अपने'अपने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन की गणना करने के संबंध में किए गए निवेदनों के बारे में प्राधिकारी यह स्पष्ट करते हैं कि इनकी गणना हितबद्ध पक्षकारों के जांच किए गए आंकड़ों के आधार पर की गई है। उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए विधिक प्रावधानों के अनुसार कुछ हितबद्ध पक्षकारों के लिए सामान्य मूल्य अथवा निर्यात कीमत में उचित समायोजन किए गए थे।

(ख) बहुत से पक्षकारों ने यह चिंतां व्यक्त की है कि प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए समय अवधि कम थी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सभी पक्षकारों के लिए प्रकटन विवरण 31 मार्च, 2017 को जारी किए गए थे और सभी पक्षकारों को अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए 5 अप्रैल, 2017 तक का समय दिया गया था। प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने के लिए यह समय पक्षकारों के लिए उचित और पर्याप्त था।

(ग) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग की पीसीएन की सूची में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई पीसीएन की सूची शामिल नहीं है और प्रकटन विवरण में साधारणतः सामान्य यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग समान पीसीएन अथवा प्रत्येक पीसीएन के सदृश पीसीएन का विनिर्माण कर रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि प्रकटन विवरण में पीसीएन ग्रेडों के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है जिसका दावा घरेलू उद्योग ने किया है कि वे पीसीएन के समान हैं अथवा पीसीएन के सदृश हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा विनिर्मित किए जा रहे पीसीएन की सूची प्रदान की थी और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने उन पीसीएन की सूची प्रदान की थी जिनका बहिष्करण करने की उन्होंने मांग की थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूची सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान कर दी गई थी। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई पीसीएन की सूचियों की जांच करने पर यह देखा गया था कि घरेलू उद्योग या तो समान पीसीएन अथवा प्रत्येक ऐसे पीसीएन के सदृश पीसीएन का विनिर्माण कर रहा था जिसके बहिष्करण के लिए हितबद्ध पक्षकारों ने कोई आपत्ति नहीं की है। सदृश पीसीएन के मामले में ही आपत्ति की गई है। यहां यह उल्लेख करना अनिवार्य है कि पीसीएन का एक मापदंड उसकी गुणवत्ता था। घरेलू उद्योग ने सभी गुणवत्तायुक्त उत्पादों का विनिर्माण किया था जिनके बहिष्करण की मांग की जा रही थी, सिवाए एक गुणवत्ता के, जिसका घरेलू उद्योग ने उससे अधिक क्षमता की गुणवत्ता वाले उत्पादों का विनिर्माण किया था जिनके लिए बहिष्करण

की मांग की गई थी। अत्यंत समान पीसीएन में अंतर उसकी चौड़ाई, मोटाई, लंबाई के सिरों, धरातल के निरूपण अथवा वाष्प निरूपण के कारण थे। इसलिए प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के दावे का कोई महत्व नहीं है।

(घ) अनगांग स्टील कंपनी लि. (अनगांग) और अनगांग ग्रुप हांगकांग कं.लि. (अनगांग एच के) यह निवेदन करती है कि अनगांग ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कारपोरेशन (अनगांग इंटरनेशनल) कमीशन एजेंट है और न कि एक ट्रेडर है क्योंकि यह कमीशन को अपने विक्रय राजस्व के रूप में लिखती है और न कि वस्तुओं के मूल्य के रूप में। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि अनगांग इंटरनेशनल के द्वारा अपनी ओर से जारी किया गया वाणिज्यिक बीजक अनगांग स्टील और अनगांग एच के के बीच में केवल बीजक है। अनगांग इंटरनेशनल निर्यात संभार तंत्र, प्रलेखन और सीमाशुल्क संबंधी प्रक्रिया की व्यवस्था करती है। इसको चीन के कानून के तहत स्वीकार किया गया है। उन्होंने अब अनगांग और अनगांग इंटरनेशनल के बीच हुए समझौते की एक प्रति उपलब्ध करायी है। यदि अनगांग इंटरनेशनल ने समर्थन में जांच योग्य दस्तावेजों के साथ प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया होता तो ऐसे दावों की आसानी से जांच की जा सकती थी। अनगांग इंटरनेशनल से सहयोग के बिना और अनगांग इंटरनेशनल से जांच योग्य रिकार्डों के साथ कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर न होने की स्थिति में प्राधिकारी अनगांग के द्वारा किए गए दावों को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अनगांग के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करने के बारे में अपनी टिप्पणियों की पुष्टि करते हैं।

(ङ.) हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया (हुंडई) यह तर्क देती है कि यदि प्राधिकारी यह देखते हैं कि हुंडई की निर्यात कीमत उसकी संबद्ध कंपनी के लिए विश्वसनीय नहीं है, तो प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत नियत करनी चाहिए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रकटन टिप्पणियों में भी हुंडई, संबद्ध कंपनी और असंबद्ध ग्राहकों के लिए अपनी निर्यात कीमत के बीच में काफी अंतर होने का कोई वैध कारण उपलब्ध नहीं करा सकी है। साथ ही, प्रकटन टिप्पणियों में पहली बार यह बात प्राधिकारियों की जानकारी में लायी गई है कि हुंडई स्टील इंडिया प्रा.लि. ने 19 प्रतिशत संबद्ध वस्तुएं संबद्ध अंतिम प्रयोक्ता को बेची हैं तथा 81 प्रतिशत संबद्ध वस्तुएं असंबद्ध अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए बेची हैं। ये तथ्य पहले कभी प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाए गए थे। इस विलंबित अवस्था में प्राधिकारी के लिए जांच न की गई इस नई सूचना को स्वीकार करना कठिन है। इसको ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने हुंडई की निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए असंबद्ध पक्षकारों के लिए किए निर्यातों पर पूर्णतः विश्वास किया है।

(च) जेएफई स्टील का यह तर्क है कि उत्पाद बहिष्करण पर निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना करना अनपयुक्त है। यह उत्पाद बहिष्करण पर निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना करने के संबंध में प्राधिकारी को दी गई जे एफ ई स्टील की पूर्व सहमति के विपरीत है। दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के दौरान भी जे एफ ई स्टील के प्रतिनिधियों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने यह सहमति प्रकट की थी कि उत्पाद का बहिष्करण करने पर निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना की जानी चाहिए। दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के दौरान सभी हितबद्ध पक्षकारों की सहमति के बाद ही प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया था कि वे ऐसे पीसीएन की सूची प्रदान करें जिनका वे बहिष्करण करना चाहते हैं। इसके अनुसरण में जेएफई स्टील ने दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के बाद प्राधिकारी को प्रस्तुत किए गए अपने लिखित निवेदनों के साथ पीसीएन की एक सूची भी प्रदान की थी। प्राधिकारी ने बहिष्करण के ऐसे अनुरोधों का गहन विश्लेषण कर लिया है। अब जे एफ ई स्टील जांच के समाप्त के समय एक विपरीत रवैया अपना रहा है और यह तर्क दे रहा है कि प्राधिकारी को पीसीएन वार तुलना को अस्वीकृत कर देना चाहिए जिसके प्रति जेएफई स्टील और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने पहले स्वयं सहमति प्रकट की थी। उत्पाद का बहिष्करण करने का निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना की प्रक्रिया उचित ढंग से तथा गहन और सार्थक तरीके से तथा साथ ही सभी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध और सहमति पर शुरू की गई थी। प्राधिकारी अब ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि वे इस समग्र कार्रवाई की महज इस कारण से अनदेखी कर दें कि कुछ हितबद्ध पक्षकार ने इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप अनुकूल परिणाम नहीं प्राप्त किए हैं। इसको ध्यान

में रखते हुए प्राधिकारी पीसीएन वार तुलना के संबंध में जे एफ ई स्टील के प्रकटन विवरण पर उनकी टिप्पणियों में दिए गए तर्कों को अस्वीकार करते हैं। जेएफआई स्टील के साथ परिकलन में सहभागिता करने के संबंध में प्राधिकारी ने जे एफ ई स्टील को सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में परिकलन प्रदान किए हैं। व्यापारियों की निर्यात कीमत में समायोजन करने के संबंध में दिए गए कारण को प्रकटन विवरण के साथ-साथ मौजूदा जांच परिणाम में स्पष्ट कर दिया गया है।

(छ) कोबे स्टील लि. और निप्पन स्टील एंड समिटोमो मैटल कारपोरेशन ने जे एफ ई स्टील लि. की भांति वही निवेदन किए हैं जो पहले ऊपर बताए गए हैं। इन सभी कंपनियों ने अन्य मुद्दे भी उठाए हैं जो उन्होंने पहले भी उठाए हैं। प्राधिकारी ने वर्तमान अंतिम जांच परिणाम के अन्य भागों में ऐसे मुद्दों के बारे में पहले ही लिखा है।

(ज) प्रकटन विवरण को जारी करने के संबंध में मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारूति) को अगोपनीय आधार पर पीसीएन की सूची प्रदान करने के लिए एक और अवसर प्रदान किया गया था जिसके लिए वे प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में बहिष्करण करने की आवश्यकता प्रकट करते हैं। इस अवसर के बावजूद भी मारूति ने अगोपनीय आधार पर पीसीएन की सूची प्रदान करने में दुबारा अपनी असमर्थता प्रकट की है। गोपनीयता की ऐसी अत्यधिक कार्रवाई को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग को अपनी सूची के साथ मारूति की पीसीएन की सूची की तुलना करने और उस पर अपनी टिप्पणियां देने का अवसर प्रदान करने से वंचित रखा गया है। पीसीएन वार तुलना करने का उद्देश्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसा अवसर प्रदान करना था कि वे इस साक्ष्य के साथ इस सत्य की संपुष्टि कर सकें कि कुछ किस्मों/ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद को उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर क्यों रखा जाना चाहिए। ऐसा तभी हो सकता था जबकि हितबद्ध पक्षकार घरेलू उद्योग को टिप्पणियां करने के लिए अगोपनीय आधार पर पीसीएन की सूची प्रदान करते तथा साथ ही प्राधिकारी को भी दोनों पक्षों द्वारा प्रदत्त साक्ष्यों और तर्कों की जांच करने में समर्थ बनाते जिससे कि वे उत्पाद के बहिष्करण के संबंध में उचित और सार्थक निर्णय ले सकते। तथापि, मारूति ने दोबारा अपनी गोपनीयता के दावे के कारण घरेलू उद्योग को पीसीएन की अपनी सूची उपलब्ध कराने से मनाही करने का दुबारा रास्ता अपनाया है। इससे प्राधिकारी को उनके बहिष्करण के अनुरोधों की जांच करने में रुकावट आई है और तदनुसार, प्राधिकारी उत्पाद के बहिस्करण के उनके अनुरोधों की जांच नहीं कर सके हैं।

(झ) जापोरिज्जिटल इंटीग्रेटेड आयरन एंड स्टील वर्क्स और उसके संबद्ध ट्रेडर/एक्सपोर्टर मैट इन्वेस्ट इंटरनेशनल एस.ए. ने यह तर्क दिया है कि कंपनियों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के समान स्तर पर नहीं है। प्राधिकारी यह स्पष्ट करते हैं कि इन कंपनियों के आंकड़ों के बारे में उचित रूप से विचार किया गया है और सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की पाटनरोधी नियमावली के अनुसार कारखानागत बाह्य स्तर पर तुलना की गई है। विधिक प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में उचित समायोजन यह सुनिश्चित करने के लिए किए गए थे कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच में व्यापार के समान स्तर पर तुलना की जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी उनके दावों को स्वीकार करने लायक नहीं समझते हैं।

(ट) यूक्रेनियम पक्षकार यह तर्क देते हैं कि कम आयातों के दृष्टिगत यूक्रेन के विरुद्ध जांच समाप्त की जा सकती है। प्राधिकारी यह देखते हैं कि यूक्रेन से आयात न्यूनतम से कम सीमा से अधिक हैं और यह वर्तमान मामले में संचयन की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। इसलिए यूक्रेन के विरुद्ध जांच को समाप्त नहीं किया जाप सकता है।

(ठ) हितबद्ध पक्षकार यह तर्क देते हैं कि एमआईपी के प्रभाव के बारे में प्राधिकारी के द्वारा विचार करना चाहिए। तथापि, प्राधिकारी यह देखते हैं कि एमआई की जांच अवधि के बाद का कार्य है तथा पाटनरोधी नियमावली के तहत प्राधिकारी विश्लेषण करने हेतु केवल जांच अवधि तथा पूर्व तीन वर्षों के

बारे में ही विचार करने के लिए बाध्य होते हैं। प्राधिकारी का क्षति विश्लेषण पाटनरोधी नियमावली के अनुसार होता है।

(उ) सोसाइटी ऑफ इंडियन आटोमोबाइल इंजीनियर्स (एस आई ए एम) और द जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन (जे आई एस एफ) ने बहुत ही व्यापक निवेदन किए हैं। जे आई एस एफ ने “आटोमोटिव” और “ई एंड ई” जैसे उत्पादों को बाहर निकालने के लिए अनुरोध किया है। प्राधिकारी इन निवेदनों को अस्पष्ट एवं इस प्रकार अस्वीकार्य समझते हैं कि एस आई ए एम और जे आई एस एफ एक भी विशिष्ट ग्रेड अथवा पी सी एन की पहचान नहीं कर सके हैं जिनका बहिष्करण वे जरूरी समझते हैं। एसआईएम और जे आई एस एफ से उत्पाद के बहिष्करण संबंधी कोई विशिष्ट अनुरोध न होने की स्थिति में प्राधिकारी इन निवेदनों को स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

(द) नियोजित 22 प्रतिशत पूँजी पर लाभ नहीं दिया जाना चाहिए ताकि इस बारे में पोस्को के निवेदनों के संबंध में प्राधिकारी यह देखते हैं कि नियोजित पूँजी पर लाभ प्राधिकरण के मानक कार्य के अनुसार दिया गया है। पी ओ एस सी ओ दावा करती है कि फुल हार्ड और कोल्ड रोल्ड अनील्ड उत्पादों को पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए अलग-थलग कर देना चाहिए। इसको प्राधिकारी के द्वारा की गई पी सी एन वार पाटन मार्जिन जांच में ध्यान में रखना चाहिए।

(ए) बायोशान आयरन एंड स्टील कं.लि. (बायोशान) यह दावा करती है कि इसे सहयोगी के रूप में मानना चाहिए। तथापि, बायोशन ने परिशिष्ट 2 में कोई सूचना उपलब्ध नहीं करायी है। इसको ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी बायोशान की निर्यात कीमत का निर्धारण करने में असमर्थ हैं। इसके महेनगर प्राधिकारी ने उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्य लागू किए हैं।

(फ) वोकस्वागन इंडिया (वोकस्वागन) और टोयटा किलोस्कर मोटर प्रा.लि. (टोयटा) ने यह तर्क दिया है कि कुछ विशिष्ट पी सी एन का उत्पाद के कार्य क्षेत्र से बहिष्करण किया गया है क्योंकि उनका पीसीएन संबंधी घरेलू उद्योग की सूची में नाम नहीं था। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने बहुत ही साम्य दिखने वाले पीसीएन का विनिर्माण किया है जिनकी वजह से वोकस्वागन और टोयटा के बहिष्करण संबंधी अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वोकस्वागन और टोयटा ने ऐसे अन्य विषयों को दोहराया है जिनका प्राधिकारी द्वारा वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में पहले ही समाधान कर दिया गया है।

(ग) क्षतिरहित कीमत के बारे में घरेलू उद्योग की चिंता के बारे में प्राधिकारी यह अवलोकन करते हैं कि क्षतिरहित कीमत की गणना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार की गई है। डॉंगकुक स्टील मिल कं.लि. के निर्यात सौदों की अवहेलना करने के बारे में प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के दावों में कोई गुणवत्ता नहीं दिखती है। तथापि, प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इस अनुरोध को स्वीकार करते हैं कि कंपनी पर लागू प्रारंभिक जांच परिणाम की टिप्पणी सं. 2 की वर्तमान जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए पुष्टि की जाए।

(द) हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उठाए गए अन्य सभी मुद्दों का वर्तमान जांच परिणामों के अन्य भागों में पहले ही समाधान कर दिया गया है।

(घ) संकेत कीमत की गणना करने की पद्धति पर जापान सरकार के द्वारा उठाए गए मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी ने भारतीय प्राधिकारी के द्वारा अपनाए गए अपेक्षाकृत कम शुल्क नियम की संकल्पना को ध्यान में रखते हुए गणना की है।

### सिफारिशें

134. किए गए निवेदनों और उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष देते हैं कि-

- (क) भारत में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के निर्यात, सामान्य मूल्य से कम पर किए गए हैं।
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

135. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसके बारे में अधिसूचित किया गया था। निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त समय दिया गया था। पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू किए जाने और उसका संचालन करने तथा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में निश्चयात्मक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई आर्थिक क्षति और खतरा होने की पुष्टि हो जाने पर, प्राधिकारी का यह विचार है कि मौजूदा मामले में पाटन और “क्षति” को दूर करने के लिए निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है।

136. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए निम्नांकित तालिका में वर्णित ढंग और तरीके से प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार केन्द्रीय सरकार द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और नीचे तालिका के कॉलम 8 में निर्दिष्ट राशि के बीच के अंतर के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है, बशर्ते कि पहुंच मूल्य, कॉलम 8 में निर्दिष्ट मूल्य से कम हो। इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 द्वारा यथा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी शुल्क शामिल होंगे।

### शुल्क तालिका

क्रमांक	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7209, 7211, 7225 और 226	आयरन अथवा ताँत एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज हुंडै स्टील कंपनी	1. मेसर्ज हुंडै स्टील कंपनी कोरिया जनवादी गणराज्य  2. मेसर्ज हुंडै	576	मी.टन	अमरीकी डालर

					कार्पोरेशन कोरिया जनवादी गणराज्य		
		रिड्यूज़ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा प्रत्येक प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, फ्लेटिड अथवा कोटेड न हों।		3. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य			
2.	-वही-	-वही-	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज पोस्को  1. मेसर्ज पोस्को, कोरिया जनवादी गणराज्य  2. मेसर्ज पोस्को देवू कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य  3. मेसर्ज एल जी इंटरनेशनल लिमिटेड, कोरिया	576	मी.टन अमरीकी डालर

						जनवादी गणराज्य		
						4. मेसर्ज हुंडै कार्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य		
3.	-वही-	-वही-	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	1. मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कं. लि. कोरिया जनवादी गणराज्य  2. मेसर्ज	शून्य (कृपया शुल्क तालिका के नीचे पाट टिप्पणी- 1 को देखें)	मी.टन अमरीकी डालर

						पोस्को देवू कॉर्पोरेशन कोरिया जनवादी गणराज्य			
4.	-वही-	-वही-	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	1. मेसर्ज डोंगकुक इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य  2. मेसर्ज पोस्को देवू कॉर्पोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य  3. मेसर्ज कोवोन ट्रेडिंग कॉरपोरेशन, कोरिया जनवादी गणराज्य	576	मी.टन	अमरीकी डालर
5.	-वही-	-वही-	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोरिया जनवादी गणराज्य	क्रमांक 1, 2, 3 और 4 का कोई भी संयोजन	576	मी.टन	अमरीकी डालर	
6.	-वही-	-वही-	कोरिया जनवादी	पाटन- रोधी	कोई	कोई	576	मी.टन	अमरीकी डालर

			गणराज्य	शुल्क के अध्ययधी न देश से भिन्न कोई अन्य देश				
7.	-वही-	-वही-	पाटन-रोधी शुल्क के अध्ययधी न देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोरिया जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	576	मी.टन अमरीकी डालर
8.	-वही-	-वही-	जापान	जापान	जेएफई स्टील कार्पोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन, जापान  2. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन, जापान  3. निसान ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, जापान  4. ओह्नी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान  5. मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, जापान  6. मैटल वन कार्पोरेशन, जापान	576	मी.टन अमरीकी डालर

9.	-वही-	-वही-	जापान	जापान	निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन	1. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन  2. कनेमत्सु कार्पोरेशन लिमिटेड  3. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक, जापान  4. मैटल वन कार्पोरेशन, जापान  5. मित्सुइ एंड कंपनी लिमिटेड, जापान  6. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मैटल कार्पोरेशन, जापान  7. सुमितोमो कार्पोरेशन, जापान  8. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन	576	मी.टन	अमरीकी डालर
10	-वही-	-वही-	जापान	जापान	क्रमांक 8 और 9 का कोई भी संयोजन	576	मी.टन	अमरीकी डालर	

11	-वही-	-वही-	जापान	पाटन- रोधी शुल्क के अध्ययधीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	576	मी.टन
12	-वही-	-वही-	पाटन- रोधी शुल्क के अध्ययधी न देश से भिन्न कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	576	मी.टन
13	-वही-	-वही-	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	झाजियागांग यांग्जे रीवर कोल्ड रोल्ड शीट कंपनी लिमिटेड लि.	1. जियांगसू शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य  2. जिंसा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर  3. लुकिन (हांग कांग) कं. लि., हांगकांग  4. फ्यूचर मैटिरियल इंडस्ट्री (हांग कांग)	576	मी.टन

					कं. लि., हांगकांग				
14			चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	क्रमांक 13 से भिन्न कोई भी संयोजन	576	मी.टन	अमरीकी डालर	
15			चीन जनवादी गणराज्य	पाटन-रोधी शुल्क के अध्ययधीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	576	मी.टन	अमरीकी डालर
16			पाटन- रोधी शुल्क के अध्ययधी न देश से भिन्न कोई अन्य देश	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	576	मी.टन	अमरीकी डालर
17	-वही-	-वही-	उक्रैन	उक्रैन	जापोरिजस्टाल इंटिग्रेटेडआयर न एंड स्टील वर्क्स पीजेएससी	मेटिनवेस्ट इंटरनेशनन ल एस ए, स्विटजरलैंड	576	मी.टन	अमरीकी डालर
18	-वही-	-वही-	उक्रैन	उक्रैन	क्रमांक 17 से भिन्न कोई भी संयोजन	576	मी.टन	अमरीकी डालर	
19	-वही-	-वही-	उक्रैन	पाटन- रोधी शुल्क के अध्ययधी न देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई	कोई	576	मी.टन	अमरीकी डालर
20	-वही-	-वही-	पाटन- रोधी शुल्क के	उक्रैन	कोई	कोई	576	मी.टन	अमरीकी डालर

			अध्ययधीन देश से भिन्न कोई अन्य देश					
--	--	--	---	--	--	--	--	--

नोट - केवल निम्नलिखित कोटि/ग्रेडों के लिए लागू :-

(1) अत्याधुनिक उच्च क्षमता युक्त माईक्रो-एल्वॉयड स्टील्स जिसकी न्यूनतम यूटीएस  $> = 590$

एमपीए और जिसकी चौडाई  $= <600$  मी.मीटर ट्रिम्ड एजिस सहित।

(2) कार्बन युक्त  $> = 0.15\%$  मध्यम और उच्च कार्बन स्टील्स जिसकी चौडाई  $= <600$  मी.मीटर ऑयल्ड और ट्रिम्ड एजिस सहित।

137. निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है:-

- (ख) स्टेनलैस स्टील।
- (ख) हाई स्पीड स्टील अर्थात अलाय स्टील, अन्य घटकों सहित अथवा उनके बिना, तीन घटकों मोलिवडेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) में से कम से कम दो, जिनमें 7 % अथवा उससे अधिक के भार, 0.6 % अथवा उससे अधिक का कार्बन और 3 से 6 % का क्रोमियम पदार्थ संयुक्त हों।
- (ग) सिलिकन इलैक्ट्रिकल स्टील जो ग्रेन ओरिएंटेड और नॉन ग्रेन ओरिएंटेड स्टील्स के अनुरूप हो अर्थात भार युक्त एलाय स्टील, कम से कम 0.6 % परंतु सिलिकन के 6 % से अधिक न हो और कार्बन के 0.08 % से अधिक न हो। इस स्टील में भार की दृष्टि से 1 प्रतिशत एल्यूमिनियम से अधिक भी नहीं हो सकता परंतु उत्पादन में ऐसा कोई घटक न हो जिससे स्टील में अन्य एलाय स्टील की विशेषताएं आ जाएं।

138. इस अंतिम निर्णय के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील, वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क अधिनियम, 1995 के अनुसार सीमा-शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

डॉ. इन्द्र जीत सिंह, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April, 2017

Final Findings

**Sub: Anti-dumping investigation concerning imports of “Cold-Rolled flat products of alloy or non-alloy steel” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine-reg.**

**F. No. 14/12/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules) thereof M/s Essar Steel India Limited, M/s Steel Authority of India Limited, M/s JSW Steel Limited and M/s JSW Steel Coated Products Limited (hereinafter referred to as the “applicants” or “petitioners” or “domestic industry”) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the AD Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Cold-Rolled flat products of alloy or non-alloy steel” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine (hereinafter also referred to as the subject countries), and requested for initiation of an investigation for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

2. The Authority on the basis of sufficient *prima facie* evidence submitted by the applicant issued a public notice dated 19<sup>th</sup> April 2016 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
3. The Authority vide Preliminary Findings issued vide Notification No.14/12/2016-DGAD dated 03.08.2016 recommended provisional anti-dumping duty in the present investigation. Ministry of Finance issued a customs notification imposing provisional anti-dumping duty vide Customs Notification No. 45/2016-Customs (ADD) dated 17.08.2016 accepting the recommendations of the Authority. The Authority, in terms of the second proviso to Rule 13 of the AD Rules, on request of majority exporters from the subject countries, recommended extension of provisional anti-dumping duty for two more months to the Central Government. The Ministry of Finance accepted the extension proposed by the Authority and extended the provisional anti-dumping duty vide Customs Notification No. 06/2017-Cus (ADD), dated 07.02.2017 for two months.

**A. Procedure**

4. The procedure described below has been followed:
  - a. The Authority notified the embassies of subject countries in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
  - b. The Authority sent copy of initiation notification to the embassies of subject countries in India, known producers/ exporters from the subject countries and known importers/ users/ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.
  - c. The Authority forwarded copy of the non-confidential version of the application to embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries and known importers of the subject goods, in accordance with the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.
  - d. The embassies of subject countries in India were also requested to advise the producers/exporters from their countries to file their responses within the prescribed time limits.
  - e. The Authority sent exporter’s questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

**China PR**

1. Rizhao
2. Betai Iron & steel
3. Baotou Iron and Steel Group
4. Jiangsu Shagang Group Company Limited
5. Tonghua Iron Steel Group Corporation
6. Angang Steel Company
7. Nanjing Iron and Steel
8. Tangshang Iron & Steel
9. Wuhan Iron and Steel
10. Tianjin Iron & Steel Group Co Ltd

**Japan**

1. Nippon Sumitomo
2. Kobe
3. JFE Steel Corporation

**Korea RP**

1. POSCO
2. Hyundai Steel Co Ltd
3. Dongkuk Steel Mill Col Ltd.

**Ukraine**

1. Arcelor Mittal
2. PJSC "Nikopol Ferroalloy Plant"

f. In response to the initiation notification, the following producers and exporters/traders from the subject countries have filed response to exporter's questionnaire:

**I      Korea**

1. Kowon Trading Corp (Trader)
2. Dongkuk Industries Co. (Producer)
3. Samsung C&T Corporation- (Hyundai) (Trader)
4. Hyundai Steel Company (Producer)
5. P&A Corporation (Trader)
6. LG International Corp. (Trader)
7. Hyundai Corporation (Trader)
8. Posco Daewoo Corporation (Trader)
9. Posco Asia Co. Ltd. (Trader)
10. Posco, Korea (Producer)
11. Posco Processing & Service Co. Ltd. (Trader)

**II     Ukraine**

12. Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works (Producer)
13. Metinvest- SMC LLP
14. Metinvest International SA (Trader)

**III    China PR**

15. Xinsa International Pte. Ltd. (Trader)
16. Zhnagjiagang Yantze River Cold Rolled Sheet Co. Ltd. (Producer)
17. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd. (Trader)
18. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
19. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
20. Angang Steel Company Limited (Producer)
21. Angang Group HongKong Co. Ltd. (Trader)
22. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (Producer)
23. Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader)

**IV Japan**

- 24. Nissan Trading Co. Ltd. (Trader)
- 25. Sumitomo Corporation (Producer)
- 26. Honda Trading Corporation (Trader)
- 27. Ohmi Industries (Trader)
- 28. Kanematsu Corporation (Trader)
- 29. JFE steel Corporation (Producer)
- 30. Nisshin steel Co. Ltd. (Producer)
- 31. Nippon Steel and Sumitomo Metal Corporation (Producer)
- 32. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
- 33. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
- 34. Nippon Steel &Sumikin Bussan Corporation (Trader)
- 35. Mitsui & co. Ltd. (NCV Pending) (Trader)
- 36. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
- 37. Metal One Corporation (Trader)

g. None of the producers/exporters from China PR has claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market economy treatment in the present investigation. However, the Ukrainian producer has claimed market economy treatment. The same has been dealt with at appropriate place in the findings.

h. Questionnaires were sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- 1. Alstom India Ltd.
- 2. Arcelor Neel Tailored Blank Private Limited
- 3. Bharat Heavy Electricals Limited
- 4. Bhilai Engineering Corporation Ltd.
- 5. C.R.I. Pumps Private Limited
- 6. Caterpillar India Pvt. Ltd.
- 7. Denis Plast Limited
- 8. DesmiEquipmentsPvt.Ltd.
- 9. Escorts Ltd.
- 10. Exedy India Limited
- 11. Fine Forge Limited.
- 12. Flakt (India) Limited
- 13. Gamesa Wind Turbines P.Ltd
- 14. Ganpati Enterprises
- 15. Hindustan Shipyard Ltd.
- 16. Hindustan Construction Co. Ltd.
- 17. Idl Explosives Limited
- 18. Ifb Automotive Private Limited
- 19. JBM Industries Ltd.
- 20. JCB India Limited
- 21. Kalinga Fixtures Ltd.
- 22. Kalpataru Power Transmission Ltd.
- 23. Larsen & Toubro Limited
- 24. Lloyds Steel Industries Ltd
- 25. Maruti Suzuki India Limited
- 26. POSCO Electrical Steel India Pvt. Ltd.
- 27. Ravi Steel Co.
- 28. Superior Steel Industries
- 29. Tranter India Private Limited
- 30. TRF Limited

i. The following importers/users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses or provided comments during the course of investigation:

- a. Toyota Kirloskar Motor Pvt. Ltd.
- b. SungwooHitech India Limited
- c. PHA India (P) Ltd.
- d. TI Metal Forming
- e. PyungHawa India Pvt. Ltd.
- f. Hyundai Motors India Ltd.
- g. Hwashin Automotive India Pvt. Ltd.
- h. Sungwoo Stamping Pvt. Ltd.
- i. Myoung Shin India Automotive Private Ltd.
- j. YSI Automotive Pvt. Ltd.
- k. Kwang Jin India Autosystems Pvt. Ltd.
- l. Dymos Lear Automotive India Pvt. Ltd.
- m. Nippon Steel &Sumikin Pipe India Private Limited
- n. Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt. Ltd.
- o. TT Steel Service India Pvt. Ltd.
- p. Baosteel India Company Pvt. Ltd.
- q. Hyundai Steel India Limited
- r. Posco Electrical Steel India
- s. Posco Maharashtra Steel Pvt. Ltd.
- t. Baosteel Company India Pvt.
- u. POSCO IDPC, POSCO ICPC and POSCO IPPC
- v. Maruti Suzuki India Limited

j. Apart from the respondent exporters, importers, domestic industry and other domestic producers, submissions have been received on behalf of the following parties during the course of this investigation:

- a. Federation of Industries of India
- b. GPT Steel Industries Limited
- c. CORSMA
- d. Society of Indian Automobile Manufacturers
- e. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Baosteel Company India Pvt. Ltd., Baosteel Singapore Pte. Ltd
- f. Metinvest Group
- g. Embassy of Ukraine
- h. The Japan Iron & Steel Federation
- i. Kobe Steel Ltd.
- j. Embassy of Republic of Korea
- k. Volkswagen India

k. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in the present findings.

l. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

m. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.

n. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.

o. The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') is based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules. It has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

p. Considering the fact that the subject goods are being imported in various grades/sizes/dimensions, the applicants have proposed Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN to PCN comparison for computing the dumping margin . Accordingly, the authority has made PCN to PCN comparison for the purpose of computing dumping margins.

q. Verification of the information provided by the applicant domestic industry was carried out by the Authority to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon.

r. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> July 2015 to 31<sup>st</sup> December 2015(6 months) (hereinafter referred to as the ‘period of investigation’ or the ‘POI’). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15, April 2015 to December 2015 and the POI.

s. The petitioners had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject countries relying upon transaction wise imports data sourced from IBIS. However, request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction-wise details of the imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon the transaction-wise DGCI&S import data. The Authority has also kept the non-confidential version of transaction-wise DGCI&S import data in the public file. Confidential information such as names of importers, IEC codes of importers have been removed from transaction-wise DGCI&S import data before placing the same in the public file.

t. Arguments raised and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.

u. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 13<sup>th</sup> October, 2016. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally by 24<sup>th</sup> October 2017. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to submit their rejoinders by 4<sup>th</sup> November, 2016.

v. The Authority again provided opportunity to all interested parties in view of the change in the Designated Authority to present their views orally in a hearing held on 10<sup>th</sup> January, 2017. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally by 17<sup>th</sup> January, 2017. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to submit their rejoinders by 24<sup>th</sup> January, 2017.

w. In order to examine the PUC exclusion related issues in an objective manner, the authority instructed all the parties seeking exclusions from PUC to provide PCN wise details of the grades sought to be excluded. The domestic industry was also asked to provide PCN wise details manufactured by them during the POI. The domestic industry was requested to reply to the exclusion requests in its rejoinder. Many interested parties had filed their PUC exclusion requests along with their written submissions. A few interested parties, however, requested that a certain grade in a PCN should be excluded. However, such grades were internal grades of such interested parties on which the domestic industry could not file its comments effectively as the domestic industry or the Authority is not aware about the chemical composition of such internal grades. The Authority requested such interested parties to provide equivalent Indian /international grades for the internal grades so that the domestic industry and Authority could meaningfully examine the exclusion request of such interested parties. They submitted that for certain grades for which exclusion has been sought were customer specific grades and not covered under Indian Standards and steel and steel products (Quality Control) Order, 2015.

x. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 31.03.2017. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry and other interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.

- y. Exchange rate for conversion of US\$ to INR is considered for the POI as INR 65.93 as per customs data.
- z. In this notification, \*\*\* represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

#### **B. Product under Consideration and Like Article**

- 5. The product under consideration (PUC) in the present investigation is:

*“Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated.*

*The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard, specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra high strength steels, alloy steels, micro-alloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight. These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications.*

*The following are not included in the scope of the product under consideration:*

- a) *Stainless Steel.*
- b) *High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.*
- c) *Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e. alloy steels containing by weight, atleast 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.”*
- 6. The PUC is used in many applications and sectors such as automotive, oil and gas line pipes/exploration, cold-rolling, pipe and tube manufacturing, infrastructure and construction, general engineering & fabrication, earth-moving & mining equipment, storage tanks, low pressure heaters, capital goods including plant and process equipment for cement, fertilizer, refineries etc.
- 7. The PUC is classified under Custom Tariff Heading 7209, 7211, 7225 and 7226. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The Designated Authority analyzed the transaction-wise DGCI&S import data to arrive at the import statistics for the PUC by removing the items that are not part of the product scope.

### B.1 Views of the Interested Parties

8. Submissions made by exporters, importers, users and other interested parties with regard to issues related to PUC and considered relevant by the Authority are, inter alia, as follows:

- a. The product scope is too broad and vague. The products are heterogeneous and cannot be included in one basket as like article. The products classified under different headings are materially different and cannot be clubbed together.
- b. The subject products imported from Japan into India are consumed in various steel-making industries such as, but not limited to, automotive, electrical and electronic sectors, etc. Those grades that are not obtained in India should be excluded from the product scope.
- c. The domestic industry has already sought safeguard duty on the imports of the raw material, i.e., hot-rolled steel. The domestic industry is also seeking anti-dumping duty on hot-rolled steel products. It is not understood why the domestic industry is also seeking protection from imports of cold-rolled steel as well when protection from imports of raw material exists. It is difficult to reckon how injury is being caused when safeguard duty is in place on the raw material.
- d. There are quality issues with the products manufactured by the domestic industry. The domestic industry cannot produce the product concerned in all the sizes. The domestic industry has been unable to obtain customer approval on various grades.
- e. The products classified under the sub-headings of 7225 and 7208 are not identical and are plural and heterogeneous in nature, and thus, cannot be put together in one basket to determine a single PUC.
- f. There are a number of grades the domestic industry cannot manufacture and the same should be excluded from the product scope.
- g. GPT Steel Industries submits that Tin Mill Black Plate is used only as input for producing Electrolytic Tin Plates. There are only three units in India manufacturing Tinplates, including GPT. The other two producers, TCIL and Vallabh( complete name required ) produce TMBP for their own consumption only and hence their production and their consumption of TMBP is 100% captive. There are no merchant producers of TMBP coils in India and hence GPT Industries perforce has to import the same, and is the sole importer of TMBP in India. Thus, there is no instance or question of any injury being caused to any Indian producers due to the import of TMBP by GPT.
- h. The PUC should be divided into two categories, Cold Rolled Full Hard (CRFH) and Cold Rolled Annealed. But, in the preliminary finding the Designated Authority have levied a single duty on CRFH and Annealed. Although, full hard is produced by the Domestic Industry, the same is primarily consumed captively.
- i. Mere capability to manufacture is not same as commercially supplying the product. If the domestic industry does not manufacture the like article such as many specifications of the product under consideration, then the producers cannot be held to be domestic industry for those specifications. Importance should be given to commercial supply rather than sample supply.

### B.2 Views of the domestic industry

9. The submissions made by the domestic industry (DI) and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. Domestic industry submits that they are capable of manufacturing all the grades/types of PUC.

- b. The interested parties have failed to substantiate their claims with evidence. Further, several exporters have raised issues on the quality of products manufactured by the domestic industry, but they have no locus standito raise such issues. Such issues are credible if users in India raise them.
- c. Many users in India, particularly in the automobile sector, have appreciated the quality of products supplied by the domestic industry. These appreciation letters and sample invoices demonstrating supply of various grades have been put on record.
- d. Many interested parties including Maruti Suzuki India Limited have contended that all imported grades that are not manufactured by the domestic industry should be excluded from the product scope. Though such parties have annexed with their submissions a list of grades that they import, but the same have been treated as confidential. Unless such parties provide the list of grades to interested parties on non-confidential basis, the domestic industry will not be in a position to comment on the grades for which they require exclusion. In view of this, exclusions requested by such parties cannot be allowed. It is reiterated that the domestic industry is fully capable of manufacturing all the grades and specifications required by the domestic users in India.
- e. All the exclusions requested by the interested parties are not warranted, as the domestic industry not only manufactures the same but has also supplied to users in India on a regular basis. Evidence in this regard in the form of invoices, mill test certificates and appreciation letters from users have been provided to the Authority. There is no doubt that the domestic industry is fully capable of manufacturing all the grades for which the interested parties have requested exclusion.
- f. The domestic producers are manufacturing Tin Mill Black Plates grade.
- g. The domestic industry regularly manufactures and supplies Cold Rolled Full Hard steel. Therefore, Cold Rolled Full Hard cannot be excluded from the product scope. Even in the cold-rolled investigations done by other authorities, such as in the United States, Cold Rolled Full Hard has been covered in the product scope;
- h. The domestic industry has supplied all the grades or substitutable grades for which the Exporters / Importers / Users have sought exclusions. Nevertheless, interested parties are still requested to provide specifications of specific grades or the relevant PCNs of their concern in non-confidential version to the domestic industry. The domestic industry shall study such specifications or PCNs and make an appropriate reply to the claims raised by interested parties.
- i. Regarding the Designated Authority's analysis on product under consideration in the preliminary findings, the domestic industry submits that the analysis is adequate and addresses the contentions raised by both the domestic industry and other interested parties. The Designated Authority is requested to definitively confirm its analysis on product scope in the final findings.

### **B.3 Examination of the Authority**

- 10. The submissions made by the interested parties and the domestic industry with regard to the PUC related issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
  - a. The main thrust of the submissions by the aforementioned interested parties is three-fold: i) the domestic industry does not produce many grades covered in the product scope; ii) the domestic industry does manufacture certain grades but the quality is not suitable; and iii) for certain grades, the domestic industry does not have customer's approval. The domestic industry has filed a detailed response addressing the claims of these interested parties. During the verification visit and from the response filed by the domestic industry, the authority found that the domestic industry is manufacturing all the grades( exactly matching / closely resembling PCNs) and supplied them to users in India.

b. In order to examine the PUC exclusion related issues in an objective manner, the authority instructed all the parties seeking exclusions from PUC to provide PCN wise details of the grades sought to be excluded. The domestic industry was also asked to provide PCN wise details of PUC manufactured by them during the POI. From a thorough examination of the information, the authority found that the domestic industry either manufactured exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN for which interested parties had requested exclusion. In view of this, no exclusions are warranted from the product scope. This detailed analysis takes care of all the requests for exclusions from the product scope. However, in the succeeding paragraphs, the authority has additionally addressed the individual requests for exclusions to the extent deemed necessary.

c. It has been contended by the interested parties that the product scope is too broad, vague and heterogeneous and all the products cannot be clubbed into one PUC. The Authority notes that the definition of the PUC is very precise. The interested parties have been able to examine the PUC definition and make comments on the grades/specifications that should not be part of the product scope. However, no interested party could substantiate its assertions on PUC with credible evidence. Further, no interested party has been able to demonstrate if there is a legal bar in defining the PUC in the manner as above.

d. Merely because safeguard duty is levied on imports of the raw material hot-rolled steel and an anti-dumping investigation is also on-going on hot-rolled steel products, it does not mean that the domestic industry is barred from filing an anti-dumping application on cold-rolled steel products. Such assertions by the other interested parties are not legally tenable.

e. The authority notes that domestic producers in India are manufacturing Tin Mill Black Plates. Moreover, Tin Mill Black Plates and Cold Rolled Annealed products are closely substitutable products.

f. As regards the contention that the PUC is too broad and vague, the Authority notes that the PUC has been appropriately defined keeping in view the imports from the subject countries. The Authority has examined the contentions by all parties before arriving at the product scope.

g. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as follows: "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. On the basis of information on record and considering the submissions made by the interested parties, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and those imported from the subject countries. The two are comparable in terms of physical characteristics, functions and uses, product specifications, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers use the two interchangeably. The Authority, thus, holds that the products manufactured by the Applicants constitute like article to the subject goods being imported into India from the subject countries.

h. In terms of Rule 6(7) and Rule 7 of the Rules, the Authority is required to provide evidence presented to it by one interested party to another interested party. If an interested party claims confidentiality on submissions and evidence, that interested party is under obligation under Rule 7 to provide the same submissions and evidence in non-confidential format. However, such non-confidential submissions should be meaningful enough so as to allow other interested parties to make comments. The Authority notes that many interested parties have requested for exclusion of various grades from the product scope but some such interested parties like Maruti Suzuki India Ltd, GPT Steel Industries and Hyundai Motor India Limited have claimed confidentiality on such exclusion lists or PCN lists. The Authority, being a quasi-judicial authority, has provided non-confidential submissions of such parties to the domestic industry. The Authority notes that the above interested parties have not complied with Rule 7 as their non-confidential submissions are not meaningful enough as they do contain the list of PCNs/grades for which they have requested exclusions. This has denied the domestic industry a fair opportunity to offer comments on exclusions requested by the above interested parties. In view of this, the Authority holds that exclusion requests by above interested parties cannot be allowed.

i. The Authority hereby confirms the Product Under Investigation for this investigation as under:

*"Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated.*

*The PUC includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard, specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra high strength steels, alloy steels, micro-alloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight. These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications.*

*The following are not included in the scope of the product under consideration:*

- a) *Stainless Steel.*
- b) *High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.*
- c) *Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e. alloy steels containing by weight, atleast 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel."*

## C. Confidentiality

### C.1 Views of Exporter, importers and other Interested Parties regarding the standing of domestic industry

11. Following are the issues raised by interested parties with respect to excessive confidentiality:

- a. Copy of Original/Raw transaction-wise import data obtained from IBIS has not been provided in excel file format.
- b. The company-wise production and sales volume detail of the domestic producer other than the applicant has not been provided.
- c. The item wise details of constructed value as well as normal value have been kept confidential and even ranges of normal value have not been given.
- d. It is submitted that the domestic industry resorted to excessive confidentiality depriving the interested parties from offering meaningful comments which is completely against the confidentiality provisions provided in the AD Rules.

- e. The applicant industry has kept considerable information confidential without providing any justifiable reasons like selling price, cost of production, ROCE, productivity, employment etc. This is not permissible under the Rules as can be seen from the provisions above. Instances of information which has been withheld under the garb of confidentiality are as follows:
- f. Anti-Dumping authority has stated that they have relied on DGCIS data but a copy of DGCIS data has not been enclosed with preliminary findings.

### C.2 Views of the Domestic Industry

12. Few interested parties are of the view that the domestic industry has exercised excessive confidentiality in the petition by keeping confidential - i) IBIS import data; ii) company-wise production and sales volume details; iii) item-wise details of constructed normal value; iv) evidence regarding adjustments for ocean freight, marine insurance, port expenses, etc.; v) domestic selling prices; vi) profit and ROCE in %age terms; viii) Constructed Normal value etc. The domestic industry wholly denies and objects to the above contentions. First of all, it is clarified that Rule 7 of the AD Rules allows a party to claim confidentiality on information. Rule 7 also mandates that confidential information should be provided in non-confidential summary to interested parties, and where that is not possible, reasons should be provided why summarisation is not possible. The domestic industry has claimed confidentiality on certain data in compliance with Rule 7 of the AD Rules. The Designated Authority has also accepted the domestic industry's confidentiality claims. Therefore, the above contentions by interested parties hold no water. Further, import data for this investigation is already placed in the public file. Therefore, contentions regarding non availability of import data are unfounded. Further, the domestic industry has placed on record the list of PCNs produced by them in non-confidential version of the written submissions.

### C.3 Examination by the Authority

13. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

*Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3)(2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*

14. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential. Also, it is to be noted that the

Authority placed the transaction-wise DGCI&S import statistics in the public file after removing confidential information such as names of, importers and IEC codes of importers from the same.

#### **D. Domestic Industry and Standing**

15. Rule 2 (b) of the AD rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

16. The application has been filed M/s Steel Authority of India Limited, M/s. JSW Steel Limited, M/s Essar Steel India Limited and M/s JSW Steel Coated Products Limited. The production of the aforesaid four producers accounts for a major proportion of the total domestic production and is more than 50% of Indian production. The application has also been supported by one domestic producer, namely, Bhushan Steel Limited.

#### **D.1 Views of Exporter, importers and other Interested Parties regarding standing of the domestic industry.**

17. JSW cannot be termed as part of domestic Industry because of the reasons stated below:

- a. Investment of more than 4600 cr. by JFE in JSW (Constitutes more than 15% of shareholding)
- b. Technical Collaboration
  - i) Collaboration for automotive steel production
  - ii) JFE and JSW have also arrived at a broad consensus on the areas where possible collaboration can be explored in India in near future.
- c. Director nominated by JFE in JSW
- d. Import of subject goods by JSW from JFE

Investigation initiated based on the false disclosure by the domestic industry has led to wrongful determination of scope of domestic industry. The authority cannot revisit the scope of Domestic Industry; investigation is void-ab-initio and should be terminated immediately.

#### **D.2. Views of the Domestic Industry**

18. The following are the submissions of the domestic industry with respect to the issues raised by various interested parties regarding standing of the domestic industry:

- a) Some interested parties are of the view that since JFE Steel has a shareholding to the extent of 15% in JSW Steel, it should not be treated as part of the domestic industry. The domestic industry wholly denies and objects to this contention. For a meaningful analysis, it is important to refer to Rule 2(b) of the AD Rules, which is extracted in relevant part below:

*“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers.*

*Explanation – For the purposes of this clause, -*

- (i) *producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if, -*
  - a) *one of the them directly or indirectly controls the other; or*
  - b) *both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or*

- c) together they directly or indirectly control a third person, subject to the condition that there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers.
- (ii) a producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise restraint or direction over the latter.
- b) In view of the above legal provision, domestic industry submitted that it is not established in the facts of the case that JSW Steel is related to JFE Steel in terms of Rules 2(b)(i) and 2(b)(ii) of the AD Rules. In particular, none of the interested parties have been able to establish that JFE Steel directly or indirectly controls JSW Steel or vice versa. Further, none of the interested parties have been able to establish that JFE Steel and JSW Steel together control a third entity. It is also not established in the facts of the case that JFE Steel exercises restraint or direction over JSW Steel or vice versa. Thus, the question of JFE Steel exercising control over JSW Steel or vice versa is not established at all in the present case in terms of Rules 2(b)(i) and 2(b)(ii) of the AD Rules.
- c) In this regard, the domestic industry relied on the Final Findings in Circular Weaving Machines from China PR issued vide No.14/25/2008-DGAD dated 16 November 2010, where the Designated Authority has held that mere shareholding/relation does not demonstrate control in terms of the AD Rules. The relevant extract from the final findings is reproduced below for ease of reference:

*15. The Authority notes that the key element in regard to relationship of the domestic producer and the exporter is 'control', legal or operational. The Authority finds that Starlinger, China is a 100% subsidiary of Starlinger, Austria whereby both are related companies. Further, it is evidenced that Starlinger, Austria is holding 34.67% shares in the applicant company i.e. LohiaStarlinger Limited. But mere shareholding does not amount to exercise of control and therefore does not make Starlinger, Austria and/or Starlinger, China related to LohiaStarlinger Limited (LSL) within the meaning of Anti Dumping Rules. Majority shareholding i.e. above 50% only gives legal control. Further, the Authority finds that no Director representing Starlinger, Austria has been appointed in the Board of applicant company since 2002. It is brought on record by both the parties that Starlinger, Austria has filed a Petition before Company Law Board seeking appointment of its nominee on the Board of LSL. All these establish that Starlinger, Austria has no operational control as well over LSL. Further, even if the two parties are related parties, the mere fact of relationship is insufficient to consider the domestic producer as ineligible. There must be sufficient grounds justifying exclusion of such related domestic producer. There must be evidence that the related domestic producer has acted differently due to relationship, or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self inflicted injury. In the instant case, there is no such evidence that the relationship between the two parties have led to petitioner behaving in a manner different from an unrelated producer.*

*16. Thus, in the absence of legal or operational control by Starlinger, Austria and/or Starlinger, China over LSL and in the absence of sufficient grounds to treat LSL as ineligible domestic producer in the light of the provision contained in Rule 2(b), the Authority holds that the applicant is entitled to be treated as domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules and has the standing to file the petition in terms of Rule 5(3) of the AD Rules.*

- d) None of the interested parties have established that an alleged 15% share (though not admitted) of JFE Steel in JSW Steel accords control to JFE Steel thereby making JFE Steel and JSW Steel related. JFE Steel does not exercise any control on JSW Steel. Therefore, JSW Steel is not related to the exporter JFE Steel, and thus, qualifies as domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

### **D.3 Examination by the Authority:**

19. The issues raised by various interested parties with regard to standing of domestic industry are examined as under:

- a) None of the interested parties have been able to establish that JFE Steel directly or indirectly controls JSW Steel or vice versa. Further, none of the interested parties have been able to establish that JFE Steel and JSW Steel

together control a third entity. It is also not established in the facts of the case that JFE Steel exercises restraint or direction over JSW Steel or vice versa.

- b) In order to consider a producer ineligible in terms of Rule 2(b) of AD Rules due to relationship with exporter, there must be evidence that the related domestic producer has acted differently due to relationship, or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self-inflicted injury. In the instant case, there is no such evidence that the relationship between the two parties have led to petitioner behaving in a manner different from an unrelated producer.
- c) Thus, in the absence of legal or operational control by JFE over JSW Steel and in the absence of sufficient grounds to treat JSW Steel as ineligible domestic producer in the light of the provision contained in Rule 2(b) of the AD Rules, the Authority treats JSW Steel as an eligible applicant in this case. Similar view was taken by the authority in the anti-dumping investigation concerning imports of Circular Weaving Machines from China PR.
- d) The Authority holds that JSW Steel is eligible to be part of domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.
- e) The authority also holds that the applicants together command a major proportion of the production of the subject goods in India. Accordingly, the applicants satisfy the standing requirement in terms of Rule 5(3) and constitute 'domestic industry' in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

#### **E. De Minimis Limits**

20. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and the data furnished by the cooperating exporters from the subject countries, the imports of the subject goods from the subject countries are found to be above the *de minimis* level.

#### **F. Miscellaneous issues**

21. Various interested parties have raised several issues with respect to the present investigation, including methodologies of dumping determination and injury claims of the domestic industry. While the issues regarding the dumping and injury determination have been dealt in the appropriate places in this finding, the general issues raised by the parties to the investigation have been examined hereunder. For the sake of brevity, the submissions of the parties and issues raised therein have been summarized as follows:

##### **F.1. Miscellaneous issues raised by the interested parties**

- a. The demand figures mentioned by the Petitioners in the Petition are exaggerated and not accurate. A press release obtained from SAIL website makes it clear that demand in FY 2014-15 was lower than in the previous years. Moreover, the demand for the PUC is based on data collected from a private agency and not from official sources such as Joint Plant Committee (JPC).
- b. The Petition is based on the data from a private agency and not from authentic database such as JPC. The raw data is collected by a private commercial agency and may be twisted to suit requirements of its rich clients. The data has been further doctored by the Petitioners and thus not acceptable for independent investigations.
- c. The Petition does not contain information as to the captive consumption of the PUC. In the absence of such information any allegation made by the Petitioners must be considered unsubstantiated and not sufficient to make a *prima facie* case of evidence of alleged injury. No information has been provided with regard to inventories, employment wages and growth. On the basis of overall positive outlook of the Indian industry, it can be presumed that these indicators have performed well.

- d. The inventory of CR Coils during the POI was within the norms of 15-20 days of monthly production, the normal time lag between production and dispatch of finished products to various destinations is due to issue of test certificates, packing, linking with sale orders, invoicing availability of rakes/wagons etc. The inventory level reported by the petitioners is also within the norms but necessitates further investigation to ascertain the actual position.
- e. The Petition does not contain sufficient information with regard to the reduction in capacity utilization. It is not clear from the complaint what particular mix of products the petitioners refer to.
- f. The India producers are already over protected by customs duty at 12.5%. Apart from customs duty imposed on HR Coils, the domestic producers are also protected by technical barriers on imports through Steel and Steel Products Quality Control Order. The raw material used for the PUC is under imposition of safeguard duty and the Petitioners are currently seeking anti-dumping measures on the imports of Hot rolled flat products of alloy or non-alloy steel. Moreover, minimum import price (MIP) measures are also in place. This reflects the Petitioner's own inefficiency to openly compete in the market. The Petitioners are trying to monopolize the domestic market by seeking these protective measures.
- g. There is no further need to protect the steel industry after imposition of MIP, increase in import duty and imposition of safeguard duty. The prices of steel are on a rising trend now and major domestic steel players such as JSW Steel, Bhushan, Essar, JSPL, TATA are reported to be doing good.
- h. As per Article 3.3 of the Antidumping Agreement, Ukraine asks the Authority to consider the impact of Ukrainian imports of PUC separately from the other countries.
- i. The Petition does not provide evidence establishing that the injury suffered by the DI was caused by imports from Ukraine. The Petition merely contains allegation that the negative performance is due to dumped imports.
- j. The DI has resorted to excessive confidentiality depriving the interested parties from offering meaningful comments. Information such as production volume, domestic sales volume, inventory volume, selling price per unit in indexed, profit per unit in indexed, ROCE in percentage, employment, Proforma IV B etc. have been withheld under the garb of confidentiality.
- k. The non-confidential version of the Petition does not meet the requirements of Article 7 of the Indian Anti-Dumping Rules. The Petitioners have restricted access to series of elements that is crucial for defending the position of the other interested parties.
- l. The Indian steel market is a de facto oligopoly, as the petitioners account together for 74% of the market share. The imposition of anti-dumping duties is only likely to worsen the conditions of competition causing detriment to the Indian economy by hurting consumers' interests. The excessive use of trade defense instruments is not in line with the public interest.
- m. The ROCE of 22% for computing NIP is very high. Reliance is placed on the judgement of H'ble CESTAT in the case of Bridgestone Vs. Designated Authority.

**F.2. Miscellaneous submissions made by the Domestic Industry and considered relevant by the Authority are as follows:**

- a. Section 9A (3) of the Act is with reference to history of dumping of the product. Petitioners request the authority to recommend retrospective levy of anti-dumping duty on the subject goods because the conditions for retrospective levy of antidumping duty are fully satisfied.

- b. Exporters are well aware that they are resorting to dumping which is causing injury to the domestic industry since import prices of PUC have reduced significantly as evident from the landed values for respective countries.
- c. Some interested parties are of the view that 22% return on capital employed is not justified in calculating non-injurious price. The domestic industry strongly objects to the above contention and submits that none of the interested parties have adduced evidence to demonstrate why 22% return on capital employed is not justified. In fact, in two recent CESTAT rulings, it has been observed that 22% return on capital employed is valid as per the consistent practice of the Designated Authority and the onus is on the party refuting it to demonstrate with evidence why 22% return is not justified. In this regard, the Designated Authority's attention is invited to CESTAT rulings in *Merino Panel Products Ltd. v. Designated Authority*, Final Order No. AD/A/53541/2015-CU[DB] dated 27 November 2015 and *Eximcorp India Pvt. Ltd. v. Designated Authority*, Final Order No. AD/A/53462/2016-CU[DB] dated 12 September 2016. In view of the above CESTAT orders, 22% return on capital employed is valid in the present case and should be affirmed definitively in the final findings.
- d. From perusal of the preliminary findings, the domestic industry is of the view that some errors appear to have crept in the calculation of the non-injurious price. The non-injurious price appears to be understated. It is requested that such errors be corrected. The domestic industry also requests the Designated Authority to disclose the preliminary non-injurious price calculations for examination and meaningful comments by the domestic industry in light of the Hon'ble Supreme Court's judgment in Reliance Industries Ltd. v. Designated Authority & Others, (2006) 10 SCC 368, which has been recently confirmed by the larger bench of the Hon'ble Supreme Court in Union of India v. Meghmani Organics Ltd. & Others, Civil Appeal No. 1679 of 2010.

### F.3 Examination by the Authority

22. Miscellaneous submissions made by the interested parties and considered relevant by the authority are examined and addressed as follows:

- a. With regard to the submission of interested parties that the demand figures are exaggerated and is not based on the official sources such as JPC, the authority notes that the petitioners have relied upon JPC data for computing the production figures, wherever necessary, and the same is clearly mentioned in the non-confidential version of the petition kept in the public file. For import related information, the petitioners have relied upon IBIS data which is a private agency. However, the present findingsstatements is based upon the DGCI&S data, thereby addressing the concerns of interested parties.
- b. The interested parties have submitted that sufficient information in relation to captive consumption, capacity utilization, inventories, employment etc. is not given in the petition filed by the Domestic Industry and, therefore, the petition is unsubstantiated. In this regard, the authority notes that all the relevant information required for substantiating the petition has been provided by the petitioners.
- c. The interested parties have submitted that the Indian Domestic Industry is seeking over-protection and that it is already enjoying various protections like safeguard duty, Quality Control Order and MIP. In this regard, the authority notes that:
  - (i) No safeguard duty has been imposed on the PUC. The contention that safeguard duty has been imposed on Hot Rolled Steel Flat products which are used as input for the PUC are irrelevant.
  - (ii) MIP was introduced by Government of India as a temporary measure and the same was in force for the subject goods till 4<sup>th</sup> August 2016.
  - (iii) The existence of Quality Control Order is to ensure that certain quality parameters are met. In the present investigation, domestic industry is seeking protection against dumped imports. Existence of

Quality Control Order does not lead to a conclusion that there is no dumping and consequent injury to domestic industry.

- d. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of a public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.
- e. With regard to the contention of the interested parties that imposition of anti-dumping duty will lead to monopolistic practices by the domestic industry and will be detrimental to the interest of the end consumer, the authority notes that the object of antidumping duty is to prevent the unfair trade practices and to redress its injurious effect on the domestic industry by providing them a level playing field. Moreover, imposition of anti-dumping duty neither restricts nor prevents imports.
- f. With regard to the contention of the interested parties that period of investigation should be more than 6 months, the authority notes that according to recommendation of committee on anti-dumping practices (WTO document no. G/ADP/6 dated 16 May 2000):
 

*“...the period of data collection for dumping investigations normally should be twelve months, and in any case no less than six months, ending as close to the date of initiation as is practicable”*

Therefore, in view of above recommendation, 6 months period can be taken as the POI. The Authority has taken six months POI in other investigations also.

- g. As regards the request for retrospective imposition of anti-dumping duty, Section 9A(3) of Customs Tariff Act provides as follows:

*If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that*

- (i) there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and*
- (ii) the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,*

*the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section, and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.*

- h. The Authority would examine the matter concerning retrospective imposition of anti-dumping duty at the stage of the final finding.

## **G. Assessment Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin**

### **NORMAL VALUE**

23. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either—
  - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

#### **Provisions relating to Non- Market Economy countries**

24. Annexure-I to AD rules states as under:

7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".

#### **Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties**

25. Various submissions made by the interested parties with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- a. It is submitted that if profit making transactions are less than 20%, then the normal value should be determined on the basis of cost of production plus reasonable profit.
- b. M/s Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works, Ukraine has filed the MET response and claims MET.
- c. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd ("Baoshan"), Baosteel Singapore Pte. Ltd, Baoshan Company India Pvt. Ltd has submitted that the domestic industry has resorted to construction of the Normal Value for the purpose of determining dumping margin and it would be absolutely unfair if the importers/users are not allowed to comment upon the information relied upon to construct normal value which has a direct bearing on them. The foreign manufacturers have lesser cost of manufacturing due to efficiency in their operation and scale of production.
- d. Nippon Steel and Sumitomo metal Corporation has submitted that the rejection of domestic sales as a determinant of normal value can only be done if the domestic sales are found to be "not in the ordinary course of trade" as clarified in Section 9A of the Customs Tariff Act, 1975, as well as Annexure I to the Anti-dumping Rules.
- e. Embassy of Ukraine has submitted that Ukraine should not be treated as non-market economy as it does not reflect the economic situation in Ukraine and it is inconsistent with India's obligations under the WTO law. The presumption that Ukraine is a non-market economy is in stark contrast with the practice of generality of other WTO Members in the context of anti-dumping investigations on products from Ukraine. Also, the choice of Japan as the surrogate country proposed by the petitioners is erroneous.

#### **Submissions made by the Domestic industry**

26. Various general submissions made by the domestic industry with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. Domestic Industry has provided evidence of selling price of product concerned in the domestic market of the subject countries.
- b. There is sufficient reason to consider that the producers in the subject countries are dumping the subject goods. These producers have been selling the product under consideration at prices less than cost of production or domestic prices are significantly higher than the export price to India.

c. None of the Chinese and Ukrainian producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member countries have granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria. India has never granted MET status to producers from Ukraine.

d. Unless the responding producers/exporters from Ukraine and China PR conform to the standards laid down under the Rules, the Designated Authority is required to determine the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.

e. None of the producers/exporters from China PR has claimed market economy treatment.

27. The domestic industry made the following specific submissions with respect to dumping margins, normal value, export price and questionnaires filed by various interested parties:

- a. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., China PR (“Baoshan”) and its related companies: Baoshan contends that Appendix 2 is not applicable to it as it is a producer. Baoshan further contends that Appendix 2 is applicable to its related exporter who has cooperated in this case and supplied Appendix 2 to the Designated Authority. In view of this, Baoshan has requested the Designated Authority to treat it as cooperative. However, the Designated Authority has observed in paragraph 69 of the preliminary findings that Baoshan has not submitted ‘any information’ in Appendix 2. This means that information in Appendix 2 has not been provided at all. If this is the case, then Baoshan group cannot be treated as cooperative, as complete information to calculate ex-factory export price is not available with the Designated Authority. In view of this, Baoshan should be continued to be treated as non-cooperative.
- b. Kobe Steel, Japan (“Kobe”): Kobe contends that it has filed updated Appendix 2 with the Designated Authority after issuance of the preliminary findings and has also requested for certain exclusions in the product scope. It is respectfully submitted that Kobe’s questionnaire response is too late to be considered. Timelines to file questionnaire responses are long over. In view of this, Kobe’s questionnaire responses, updated responses, and any request for exclusions in product scope cannot be accepted at this belated stage.
- c. Hyundai Steel Company, Korea RP (“Hyundai Steel”): In paragraphs 37 and 38 of the preliminary findings, the Designated Authority has observed that Hyundai Steel has sold the subject goods in the domestic market to 3 related parties but none of the related parties have filed their questionnaire response. It is submitted that Hyundai Steel should have been treated non-cooperative on this ground alone as normal value cannot be reliably determined for Hyundai Steel in absence of cooperation by related parties of Hyundai Steel. The Designated Authority is requested to consider this submission and treat Hyundai Steel as non-cooperative in the final findings.
- d. POSCO, Korea RP: The Designated Authority has categorically observed in paragraphs 39 and 40 that 2 out of 3 related parties of POSCO have not filed any response with regard to domestic sales. The Designated Authority should not have accepted the response filed by POSCO merely because volume of domestic sales to non-affiliated parties during the POI was more than a certain threshold. It is submitted that POSCO should have been treated non-cooperative on this ground alone as normal value cannot be reliably determined for POSCO in absence of cooperation by related parties of POSCO. The Designated Authority is requested to consider this submission and treat POSCO as non-cooperative in the final findings.

- e. Dongkuk Industries Co. Ltd., Korea RP (“DKI”): The Designated Authority has categorically observed in paragraphs 59 and 60 that DKI has exported the subject goods through 2 traders POSCO Daewoo and Kowon Trading both of which have filed their response. However, the Designated Authority also observes that POSCO Daewoo has exported all the quantities to its related company POSCO ICPC, which has not cooperated in the investigation. In view of this significant non-cooperation by the related party of the trader, DKI should have been treated non-cooperative in this case. The Designated Authority is requested to consider this submission and treat DKI as non-cooperative in the final findings. .

f. JFE Steel Corporation, Japan: The Designated Authority has categorically observed in paragraphs 45 and 46 that 4 out of 5 related parties of JFE Steel Corporation have not filed any response with regard to domestic sales. Merely because the quantum of sales to related parties is less, the Designated Authority should not have accepted the response filed by JFE Steel Corporation. It is submitted that JFE Steel Corporation should have been treated non-cooperative on this ground alone as normal value cannot be reliably determined for JFE Steel Corporation in absence of cooperation by related parties of JFE Steel Corporation. The Designated Authority is requested to consider this submission and treat JFE Steel Corporation as non-cooperative in the final findings.

g. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation, Japan (NSSMC): The Designated Authority has categorically observed in paragraphs 49 and 50 that 5 out of 7 related parties of NSSMC have not filed any response with regard to domestic sales. Merely because the quantum of sales to these related parties are less, the Designated Authority should not have accepted the response filed by NSSMC. In view of the significant non-cooperation, NSSMC should be treated as non-cooperative.

h. Nisshin Steel Co. Ltd., Japan ("NSC"): The Designated Authority has rejected NSC's response in paragraph 53 of the preliminary findings as NSC had failed to submit data regarding its domestic sales. The Designated Authority is requested to definitively confirm this observation in the final findings. NSC should not be allowed to submit domestic sales data at any time during the investigation as it has failed to submit the responses within the stipulated timelines.

i. With regard to cooperation by interested parties, the domestic industry further submits that there is a strict requirement placed by investigating authorities in other WTO member countries. In case of countervailing duty investigation concerning imports of Certain Corrosion Resistant Steel Products from India conducted by United States, the US Department of Commerce ("USDOC") has treated an exporter as non-cooperative just because the exporter has failed to inform the USDOC that related company supplying a minuscule quantity of raw material was in operation for the final two months of the POI.

j. It is the global practice that suppression of facts and non-cooperation should lead to rejection of questionnaire response. The Designated Authority should make similar obligations on exporters and treat them non-cooperative for the reasons cited above.

k. It is also requested that in calculation of the ex-factory export price, bank charges should also be reduced as deduction from the export price of the exporters for fair comparison.

### **Examination by the Authority**

#### **Market Economy claims for Chinese producers**

28. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

*"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:*

(a) *In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

(i) *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*

(ii) *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

(b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such*

*methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*

(c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

(d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

29. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired on 11<sup>th</sup> Dec., 2016. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is July 2015 to December 2015. Since the sub-paragraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

30. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.

31. As per Paragraph 8, Annexure I to the AD Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR and Ukraine provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 to prove market economy status . The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China and Ukraine are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:

- a. The decisions of concerned firms in China PR and Ukraine regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values.
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts.
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

32. It is noted that none of producers of subject goods in China PR have claimed market economy treatment. Accordingly, the authority is not required to examine any of the above criteria for Chinese Producers and holds that

producers/exporters from China PR are not operating under market economy conditions and therefore, has adopted the constructed normal value for determination on normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules

### **Determination of Normal Value**

33. The Authority sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following parties have filed exporter questionnaire responses:

#### **I. Korea**

1. Kowon Trading Corp (Trader)
2. Dongkuk Industries Co. (Producer)
3. Samsung C&T Corporation- (Trader)
4. Hyundai Steel Company (Producer)
5. P&A Corporation (Trader)
6. LG International Corp. (Trader)
7. Hyundai Corporation (Trader)
8. POSCO Daewoo Corporation (Trader)
9. POSCO Asia Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
10. POSCO Korea (Producer)
11. POSCO Processing & Service Co. Ltd. (Trader)

#### **II. Ukraine**

12. Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works (Producer)
13. Metinvest- SMC LLC
14. Metinvest International SA (Trader) (Switzerland)

#### **III. China PR**

15. Xinsa International Pte. Ltd. (Trader) (Singapore)
16. ZhnagjiagangYantgtze River Cold Rolled Sheet Co. Ltd. (Producer)
17. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd. (Trader)
18. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
19. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
20. Angang Steel Company Limited (Producer)
21. Angang Group HongKong Co. Ltd. (Trader) (Hong Kong)
22. Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (Producer)
23. Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader) (Singapore)

#### **IV. Japan**

24. Nissan Trading Co. Ltd. (Trader)
25. Sumitomo Corporation (Producer)
26. Honda Trading Corporation (Trader)
27. Ohmi Industries (Trader)
28. Kanematsu Corporation (Trader)
29. JFE steel Corporation (Producer)
30. Nissin steel Co. Ltd. (Producer)
31. Nippon Steel and Sumitomo Metal Corporation (Producer)

- 32. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
- 33. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
- 34. Nippon Steel &Sumikin Bussan Corporation (Trader)
- 35. Mitsui & Co. Ltd. (Trader)
- 36. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
- 37. Metal One Corporation (Trader)

**Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR**

34. It is noted that none of the producers of subject goods in China PR have claimed market economy treatment. Therefore, the Authority has adopted the constructed normal value for determination of the normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

**Methodology for determination of normal value for producers and exporters in China PR**

35. In view of the above, the normal value for China PR is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. As per the provisions of Para 7 of Annexure I, the normal value in China PR is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.

36. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Designated Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Value for all the producer/exporters of the subject goods from China PR has been constructed and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP, Japan and Ukraine**

**General Methodology for working out Normal Value**

37. It was first determined by the Authority whether the total domestic sales of the subject goods by the producers/exporters in these subject countries were representative when compared to exports of the subject goods to India.

38. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Para 2 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Wherever the producers/exporters have provided transaction wise details of sales made in home market and same has been accepted by the Authority, the said information has been relied upon to determine the normal value of the subject goods sold in their home market.

39. For conducting ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the information provided by the producers/exporters and compared with domestic selling price to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. The authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of normal value for the cooperating producers/exporters where profit making transactions are more than 80% and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

40. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

### **Korea RP**

#### **Normal Value for cooperating exporters**

##### **Normal Value for M/s Hyundai Steel Company (“Hyundai Steel”) Korea RP, (Producer)**

41. During the POI, Hyundai Steel has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The authority notes that none of the related parties have filed questionnaire response. However, it is also noted that approximately \*\*\*% of the domestic sales have been made to non-affiliated parties during the POI. Therefore, the authority accepts the domestic sales for calculating the normal value. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

42. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of credit cost, warehouse expenses & inland freight and the same have been allowed by the authority. Accordingly, normal value at ex-factory level for Hyundai Steel has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

##### **Normal Value for M/s POSCO, Korea RP (Producer)**

43. During the POI, POSCO has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The authority notes that only one of the related party of the POSCO, M/s. POSCO P&S has filed the questionnaire response. However, it is also noted that more than \*\*\*% of the domestic sales have been made to non-affiliated parties during the POI. Therefore, the authority accepts the domestic sales for determination of normal value. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. Accordingly, all the domestic sales transactions have been considered for determination of the normal value. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

44. POSCO has claimed adjustment on account of commission, discount, warehousing, inland freight, packing cost, warranty cost, credit expense, indirect selling expenses & level of trade. The authority has not accepted the adjustments for warranty cost, indirect selling expenses & level of trade for the purpose of final determination. Accordingly, the normal value at ex-factory level for POSCO has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

##### **Normal Value for M/s Dongkuk Industries Co., (Producer)**

45. M/s Dongkuk Industries Co. (DKI) has made all the sales in the domestic market to non-affiliated parties during the POI. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken

into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

46. DKI has claimed adjustment on account of packing cost, claims, credit cost & inland freight and the same have been allowed by the authority. Accordingly, the normal value at ex-factory level for DKI has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

47. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Korea RP, the Authority has determined the normal value at ex-factory level on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for Japan**

##### **Normal Value for M/s JFE Steel Corporation Japan (Producer) (“JFE”)**

48. During the POI, JFE has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The authority notes that only one of the related entity M/s. JFE Shoji Trading has filed the response. However, it is also noted by the authority that domestic sales made to non-cooperating related parties are insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the authority has determined the normal value based upon the domestic sales. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.

49. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

50. JFE has claimed adjustment on account of credit cost, discounts, inland freight and storage cost. The authority has accepted all the adjustments for final determination. Accordingly, the normal value at ex-factory level for JFE has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

##### **Normal Value for M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (“NSSMC”)**

51. During the POI, NSSMC has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The authority notes that only two of the related entities M/s. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation and Nippon Steel & Sumikin Pipe Co, Ltd, have filed their responses. It is also noted by the authority that the domestic sales made to non-cooperative related parties are insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the authority has determined the normal value based upon the domestic sales. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.

52. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

53. NSSMC has claimed adjustments on account of price adjustments, rebate, warranty, early payment, credit cost, inland freight, insurance and storage. The authority has accepted all the adjustments except early payment. Accordingly, the normal value at ex-factory level for NSSMC has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Nissin Steel Co. Ltd.**

54. The authority notes that Nissin Steel Co. Ltd (“NSC”) has submitted the exporters’ response claiming to be producer of subject goods and informed that it has exported the subject goods through traders in Japan. However, the authority notes that NSC has not submitted any details about domestic sales/export to India in Appendix-1/ Appendix-2 and other costing information. NSC has submitted only Appendix-2A and 2B, which too are also grossly incomplete. Therefore, the authority is unable to determine the normal value and export price for NSC in the absence of any information and accordingly rejects the response filed by NSC. Accordingly, the normal value and export price for NSC is based on the facts available with the authority and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Japan**

55. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Japan, the Authority has determined the normal value at ex-factory level on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Normal Value for Ukraine**

#### **Market Economy Claims of M/s Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (“Zaporizhstal”),**

56. M/s Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (“Zaporizhstal”) has requested the authority for grant of Market Economy Treatment and has submitted a detailed Market Economy Treatment Questionnaire in this regard. During the course of verification it was pointed out that Ukraine has not been treated a Non-Market Economy by any member of WTO during last three years. The authority examined the claims of the company and notes as under:

- a. There is no state interference in Zaporizhstal while fixing the prices for its products.
- b. The decisions regarding costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference.
- c. The costs of major inputs substantially reflect market values.
- d. The production costs and financial situation of Zaporizhstal are not subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts.
- e. Zaporizhstal is subject to bankruptcy and property laws of Ukraine which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.

- f. Exchange rate conversions are carried out at the market rate in Ukraine since early 2015 .
- g. Zaporizhstal prepares its financial statements according to GAAP of Ukraine and the financial accounts are audited by independent auditors. The accounting standards followed in Ukraine are in line with the International accounting norms

**57.** Accordingly, the authority notes that Zaporizhstal satisfies the Market Economy criteria specified in the AD Rules. Therefore, the normal value of M/s Zaporizhstal is based on domestic selling prices and cost of production of the company.

**Normal Value for M/s Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (“Zaporizhstal”),**

58. During the POI, Zaporizhstal has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The related party Metinvest- SMC LLC has filed the complete information. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.

59. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Wherever there were no domestic sales or no profitable domestic sales of particular PCN/ grade, normal value was constructed based on the cost of production along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.

60. Zaporizhstal has claimed adjustment on account of inland freight, commission, credit cost and level of trade. The authority has accepted all the adjustments except level of trade. The adjustment for level of trade was claimed on the ground that the product under consideration was sold in the domestic market through retail centres directly to the consumers as against exports where the sale was not to the end user. However, there was no plausible justification given by the company for the claims well as the extent of the claim. Accordingly, the normal value at ex-factory level for Zaporizhstal has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Ukraine**

61. The Authority notes that no other producer/exporter from Ukraine has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Ukraine, the Authority has determined the normal value at ex-factory level on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**EXPORT PRICE**

**Export Price for Korea RP**

**Export Price for M/s Hyundai Steel Company, Korea RP, (Producer) along with M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s LG International Corp. and M/s P&A Corporation, Korea RP (Exporters/Traders).**

62. M/s Hyundai Steel, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed a questionnaire response along with its unrelated trading companies', namely, M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s. LG International Corp. and M/s P&A Corporation, Korea RP. These trading companies exported the subject goods to India manufactured by the Hyundai Steel during the POI. All of these Exporters/Traders have filed their Questionnaire responses with the Designated Authority.

63. The export of Hyundai Steel to India are either directly to its related company in India, namely, M/s. Hyundai Steel India Private limited or to unrelated Indian importers (through cooperating unrelated trading companies). The

exports are on FOB/CFR/CIF basis. It was observed by the authority that there was significant variation between the export price to its related company (M/s. Hyundai Steel India Private limited) and the export price to unrelated customers in India for the same PCN/Grade. M/s Hyundai Steel was unable to provide any valid reasons for such a significant variations in export prices between related and unrelated parties for the same PCN/grade. Therefore, authority has only considered the exports to unrelated parties for determination of export price in terms of Annexure I to the AD Rules. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, handling charge, bank charge and credit expenses and the same have been allowed. The export price has accordingly been determined for Hyundai Steel and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export price for M/s POSCO Korea RP, (Producer) along with M/s Hyundai Corporation, M/s LG International Corp., M/s POSCO Asia Co., Ltd, M/s POSCO Processing & Service Co., Ltd., (POSCO P&S), M/s POSCO Daewoo, M/s Samsung C&T (Exporters/Traders).**

64. M/s POSCO, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, M/s Hyundai Corporation, M/s LG International Corp., M/s POSCO Asia Co., Ltd., M/s POSCO Processing & Service Co., Ltd. (POSCO P&S), M/s POSCO Daewoo, M/s Samsung C&T who have exported the subject goods to India manufactured by the POSCO. POSCO has also made direct exports to its related company in India, POSCO Maharashtra during the POI.
65. The export sales of POSCO through its cooperating unrelated/related trading companies are on FOB/C&F basis. POSCO has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, handling charge, packing cost, commission and credit expenses and the same have been allowed. Accordingly, the export price has been determined for POSCO at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for M/s Dongkuk Industries Co., (Producer) through traders POSCO Daewoo and Kowon Trading Corp, Korea**

66. From the information provided to the authority, the authority notes that M/s Dongkuk Industries Co. (DKI) has exported the subject goods through traders POSCO Daewoo and Kowon Trading. From the response filed by POSCO Daewoo, the authority notes that POSCO Daewoo has exported all the quantity to its related company POSCO ICPC. It is also noted that export to India made through non-cooperative related/unrelated parties are insignificant in terms of total exports to India. Therefore, the authority accepts the exports to India for determination of export price. The export sales of DKI through its trading companies are on FOB/C&F/CIF basis. DKI has claimed adjustment on account of commission, inland freight, ocean freight, handling charge, insurance, bank charges, claim, packing cost and credit expenses and the same have been allowed. Further, the authority notes that POSCO Daewoo has exported the subject goods to India to POSCO ICPC at a price which does not cover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses and profit. Accordingly, the export price determined for DKI at ex-factory level has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

67. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Korea RP, the Authority has determined the export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for Japan**

**Export Price for M/s JFE Steel Corporation Japan (Producer) along with JFE Shoji Trade Corporation, Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Nissan Trading Co. Ltd, Ohmi Industries, Mitsui & Co. Ltd, Japan and Metal One Corporation, Japan (exporters/traders).**

68. JFE has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies' JFE Shoji Trade Corporation, Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Nissan Trading Co. Ltd, Ohmi Industries, Mitsui & Co. Ltd, Japan and Metal One Corporation, Japan.

69. JFE has claimed adjustment on account of inland freight, insurance and credit expenses and the same have been allowed. The authority notes that some of the traders have exported the subject goods to India at a price which does not cover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses also. The export price for JFE at ex-factory level has accordingly been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (“NSSMC”), Japan through Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan and Toyota Tshusho Corporation, Japan (Exporters/Traders)**

70. NSSMC has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan and Toyota Tshusho Corporation, Japan, who have exported the subject goods to India manufactured by the NSSMC.

71. The export sales of NSSMC through its unrelated/related trading companies are on FOB basis. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, credit cost, warranty, inland freight, insurance, storage and handling and the same have been allowed. The authority notes that some of the traders have exported the subject goods to India at a price which does not cover for traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses also. The export price has accordingly been determined for NSSMC and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Japan**

72. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Japan, the Authority has determined the export price for on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for China PR**

**M/s Angang Steel Company Limited, China PR (Producer)**

73. M/s Angang Steel Company Limited (“Angang”) in its questionnaire response has stated that Angang has exported the subject goods to India through related exporter/trader, namely, M/s Angang Group Hong Kong Co., Ltd. (“Angang HK”) and that Angang Group International Trade Corporation (“Angang International”) is acting as commission agent. However, during the verification, it was noted by the authority that commercial invoice to Angang HK are issued by Angang International. No invoices were issued by Angang to Angang HK. The status of Angang Group International Trade Corporation (“Angang International”) therefore is of an exporter / a trader rather than a commission agent. In view of the fact that no response has been filed by Angang International and also that this fact was suppressed Angang. the Authority does not accept the response of Angang and determines the export price for the company on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd. (Yangtze), (Producer) through related companies M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International), M/s Xinsha International PTE LTD (Xinsha), M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., and M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd., (Exporters/Traders).**

74. M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd. (Yangtze), is a producer/manufacturer of subject goods from China PR and has exported the subject goods to India during the POI. Yangtze has sold subject goods to India through related exporter/trader M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International), who has then sold the subject goods to M/s Xinsha International PTE LTD (Xinsha). Xinsha ultimately exported

the subject goods to India through two other exporters/traders, namely, M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd. and M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. The sales to Indian customers are on CFR basis and the total quantity exported to India has been considered. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges/customs fee, ocean freight and non- refundable VAT and the same have been allowed. Accordingly, the export price has been determined for Yangtze at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (Producer) through Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader) (Singapore)**

75. It is submitted by M/s Baoshan Iron & Steel Co. Ltd., Ltd (“Baoshan”) that the company has exported the subject goods through its related trader Baosteel Singapore Pte. Ltd. (Trader) (Singapore) to India. Baoshan has not submitted any information in Appendix-2. Therefore, the authority in absence of any information is unable to determine export price for Baoshan. Accordingly, the export price for Baoshan is based on the facts available with the authority.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from China PR**

76. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined the export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price of Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (Producer), Ukraine exported though Metinevest International SA.**

77. From the information submitted by M/s Zaporizhstal Integrated Iron-and-Steel Works (“Zaporizhstal”), the authority notes that Zaporizhstal has exported the subject goods to India through related exporter/trader M/s Metinevest International SA. The sales to Indian customers are on FOB basis. The producer/exporter has claimed adjustments on account of inland freight and credit cost and the same have been allowed. Accordingly, the export price has been determined for Zaporizhstal at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Ukraine**

78. The Authority notes that no other producer/exporter from Ukraine has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Ukraine, the Authority has determined the export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**DUMPING MARGIN**

79. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporter and accepted by the Authority) has been compared with the normal value to determine the dumping margin. The dumping margin during the POI for all the exporters/producers from the subject countries has been determined as shown in the Dumping Margin Table below.

**Dumping Margin Table**

S. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
1.	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 3. M/s. LG International Corp, Korea RP. 4. M/s P&A Corporation, Korea RP	***	***	***	***	45-55

2.	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s LG International Corp., 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO Processing and Service Co. Ltd., Korea RP	***	***	***	***	45-55
3.	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co	1. M/s Dongkuk Industries Co, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. Kowon Trading Corp, Korea	***	***	***	***	0-10
4.	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan, 2. Honda Trading Corporation, Japan, 3. Nissan Trading Co. Ltd, 4. Ohmi Industries, 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Metal One Corporation, Japan.	***	***	***	***	15-25
5.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. Kanematsu Corporation Ltd, Japan 3. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 4. Metal One Corporation, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 7. Sumitomo Corporation, Japan 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan	***	***	***	***	35-45
6.	China PR	M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd.	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR 2. M/s Xinsha International Pte Ltd, Singapore 3. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong 4. M/s Future Materials	***	***	***	***	85-95

			Industry (Hong Kong) Co., Ltd, Hong Kong					
7.	Ukraine	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works	Metinvest International SA, Switzerland	***	***	***	***	35-45

#### **Dumping Margin for other producers and exporters from the subject countries**

80. The Normal Value and export price to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best information available. The information provided by the responding exporters has been adopted for the purpose. The dumping margin so worked out is mentioned in the table below.

Particulars	UoM	Japan	Korea RP	China	Ukraine
Normal Value	US\$/MT	***	***	***	***
Net Export Price	US\$/MT	***	***	***	***
Dumping Margin	US\$/MT	***	***	***	***
Dumping Margin %	%	***	***	***	***
Dumping Margin % Range	% Range	55-65	85-95	85-95	35-45

81. It is seen that the dumping margins are quite significant and more than the limits prescribed under the Rules in respect of the exports made by all the producers-exporters of the product under consideration from the subject countries.

#### **Determination of Injury and Causal Links**

82. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure -II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

#### **Views of Exporter, importers and other Interested Parties regarding the injury claims of domestic industry**

83. The submissions made by the opposing interested parties with regard to injury related issues and considered relevant by the authority are as follows:

- Indian producers have not reduced prices in line with the declining raw material costs. It is not the cheap imports but high domestic prices of Cold Rolled Coils which have hit the Indian manufacturing sector and the Indian economy.
- The main reason for the cheap imports was steep fall in the domestic and global prices of iron ore, coking coal, lubricants etc.
- Misleading information has been provided by the domestic industry on return on investments. The fall in ROCE in the current case is account of other factors including investments made by the interested companies in recent times which have not generated returns. The injury information provided in Proforma IVA suggests that DI has not suffered any injury on account of continued imports.

- d. The Petition does not contain sufficient evidence of the negative impact of the allegedly dumped imports on the Domestic Industry. Production increased by 23%, domestic sales increased by 13%, market share increased by 4%, capacity increased by 45%, capital employed increased by 50% and export sales increased 2.5 times during April 2015-Dec 2015(A) as compared to April 2012-March 2013. The indicators definitely prove the positive development of the Petitioners.
- e. The share of the petitioners in the domestic production increased during the investigation period. The market share of the petitioners increased with the increase in domestic sales. Therefore, the information on record confirms that the Domestic Industry is not suffering any injury.
- f. As per publicly available information, the petitioner companies are not suffering any injury and are doing well. SAIL has plans for making strategic investments. Essar Steel points to a positive situation and the company has shown a positive trend with regard to the domestic consumption of steel. JSW Steel acknowledges that sales of cold rolled products surged by 54% in FY 2014-15 compared to FY 2013-14. Therefore, Metinvest draws the attention of the authority that the concerned companies themselves have not suffered injury but have actually registered positive performance.
- g. The reasons for alleged injury to the petitioner companies are high debt, underutilization of capacities and lower export prices vis -a vis domestic prices. Even if the entire Indian demand is met by the Petitioners, there would still be huge unutilized capacity in India. The Authority must investigate the burden of such excess capacities on costs before concluding injury. Production of the Petitioners remained stable over the years and no adverse impact appears to have been caused to the production.
- h. Essar has high finance cost, cost of material consumed, depreciation as compared to JSW Steel and SAIL.
- i. Embassy of Ukraine stated that Steel Authority of India Limited indicated in its publicly available annual report that the reasons for underperformance in 2014-2015 were higher salaries and wages, increase in royalty in iron ore, higher stores and spare expenditures, higher depreciation due to capitalization of new facilities, increased competition from domestic and international companies located in India.
- j. It is apparent that the injury to the Domestic Industry is self-inflicted and not due to alleged dumped imports. Massive indiscreet investments in India, loss making ventures beyond financial capacity, distorted debt equity ratio and heavy interest burden have resulted in poor performance of some of the producers. Moreover, the DI has neglected technological upgradation for cost reduction and product development.
- k. Any injury allegedly suffered by the Petitioners is due to factors other than imports from the subject countries. e.g. FTAs with other WTO members, overcapacity in China, overall negative outlook of the world steel industry, decrease in exports of steel from India and various negative factors relating to specific companies, viz., SAIL, Essar Steel, JSW Steel etc. may have had negative impact on the Indian domestic production.
- l. The information in the application as claimed by the applicants shows that the demand for the product has recorded significant decline. This shows that there is no causal link between alleged dumped imports and injury to the domestic industry. Any continued injuries are on account of other factors such as decline in demand.
- m. There is a strong competition in the domestic market amongst the domestic producers. Furthermore, SAIL referred in its Annual Report to the increasing competition from domestic and international steel companies located in India. Increase in the interest cost and cost of sales cannot be attributed to the influence of imports. Thus, competition amongst the domestic producers and growth in costs should be considered as other factors within the meaning of Article 3.5 of the Antidumping Agreement.

- n. The imports of Cold Rolled sheets/coils rose in July-September 2015 due to sharp fall in the production of HR Coils- the base material, necessitating higher imports by the manufacturing sector. Production of the PUC declined due to expansion and maintenance works at SAIL and the imports had no role in decline in the production.
- o. The complaint by the Petitioners is deficient concerning the very existence of price depression. The Petition neither provides evidence with regard to the effects caused by imports from any single country nor adequate evidence to substantiate the claim that the DI has suffered injury.
- p. As per the import statistics procured from International Trade Centre (based on UN COMTRADE), in 2015-16, Ukraine's share of imports in the total import was 2.48%, i.e., it should be deemed negligible within the meaning of Article 5.8 of the Antidumping Agreement. In 2015-16, imports from Ukraine halved as compared to previous years. Therefore, there was no significant increase in imports from Ukraine which could have caused injury to the domestic producers.
- q. Ukrainian imports are decreasing and are countercyclical with regard to imports from other sources. Imports from Ukraine do not represent a threat to the DI and are already decreasing even without imposition of anti-dumping duties. The impact of Ukrainian import should be decumulated from that of imports from other sources. Moreover, the imports from Ukraine are likely to decrease after stabilization of security situation in the country.
- r. Hyundai Steel company and Dongkuk Industries Co has submitted that Designated authority has determined negative injury margin for them in the Preliminary Findings. This shows that landed prices of exports made by above mentioned parties are higher as compared to Non-Injurious prices as determined by the designated authority in preliminary finding. Domestic Industry has also urged Designated Authority to confirm the Preliminary Finding at Final Finding.
- s. NIP is calculated on the basis of the production cost of the Domestic Industry and is inflated.
- t. There is no price undercutting from Japan. The respondent, thus, submits that in the absence of price undercutting and price suppression, no case of price injury is made out in the present investigation.

#### **Views of the domestic industry**

84. The authority has taken into consideration the relevant submissions of the petitioners made in the application filed with the authority.

#### **Examination of the issues by the Authority**

85. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as under :

- a. The interested parties have made submission that the prices of raw materials have declined and consequently there is a fall in prices of the subject goods. The Authority notes that landed values of imports of the subject goods from the subject countries have declined much more than the decline in raw material prices and the domestic industry has been forced to match such low prices causing injury to the domestic industry.
- b. Various interested parties have contended that the increased quantities of imports for PUC were due to the fact that the production of Hot Rolled products, which are used as input raw material for producing the PUC, have reduced sharply during the POI. The authority notes that the contention of the interested parties is not correct and that the production of Hot Rolled flat products in India have remained stable.

- c. It has been argued that the imports from Ukraine are negligible and there is no significant increase in the imports from Ukraine during 2015-16 which could cause injury to the domestic industry. The authority notes that the share of imports from Ukraine in total imports of the PUC into India is above de-minimis.
- d. Interested parties have submitted that the injury suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including increased interest burden, lower export prices, indiscreet investments in India, loss making ventures, high fixed cost burden, high freight cost, lack of technological upgradation, raw material crisis, underutilized capacities and inability to meet the quality requirements of specific downstream industry. The authority notes that these claims are very general and unsubstantiated. On detailed examination, the authority found that the domestic industry has suffered injury due to increased quantities of dumped imports coming into India from the subject countries. Further, detailed analysis of various injury parameters and causal link are discussed hereunder.

### **Cumulative Assessment**

86. Article 3.3 of WTO agreement and Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

87. The Authority notes that:

- a. The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
- b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
- c. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

88. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.

89. Rule 11 of AD Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules.

### **Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry**

#### **Assessment of Demand**

90. The demand of subject goods has been determined by adding the domestic sales of Indian producers of like product with the imports of the subject goods from all countries. For the purpose of present injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The Authority notes that demand of subject goods increased over the injury period as can be shown in the table below:

Particulars (Qty. in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Total Import from subject countries	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
Imports from other countries	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
Total Imports	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
Domestic Sales of Petitioners	17,72,143	17,93,934	19,66,473	19,96,730	9,66,568	19,33,136
Domestic Sales of Supporters	4,96,965	5,16,368	4,64,625	5,59,434	2,92,715	5,85,430
Domestic Sale of other producers	24,69,727	22,61,061	21,93,144	19,14,871	9,30,988	18,61,977
Total Demand	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656

#### **Import Volumes and Share of Subject countries**

91. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject good from the subject countries has been analyzed as under:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
China PR	MT	2,64,420	1,06,642	2,84,094	2,33,478	1,62,172	3,24,343
Japan	MT	3,04,308	2,59,711	2,50,269	3,75,895	2,02,561	4,05,122
Korea	MT	5,79,507	6,50,815	6,99,157	8,10,760	5,15,799	10,31,598
Ukraine	MT	50,008	52,699	1,33,912	1,18,789	38,781	77,562
Other	MT	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
Total Imports	MT	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Total Import from subject countries	MT	11,98,244	10,69,866	13,67,432	15,38,922	9,19,313	18,38,625
Trend	Indexed	100	89	114	128	77	153
Imports from other countries	MT	2,53,087	1,16,982	1,85,325	1,24,566	55,244	1,10,488
Trend	Indexed	100	46	73	49	22	44

Total Imports	MT	14,51,331	11,86,848	15,52,757	16,63,488	9,74,557	19,49,113
Trend	Indexed	100	82	107	115	67	134
Total Demand in India	MT	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
Trend	Indexed	100	93	100	99	51	102
Imports from Subject Countries relative to consumption	%	19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
Production of Petitioners	MT	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,849.93	22,92,142	45,84,284
Trend	Indexed	100	106	122	124	59	117
Imports from Subject Countries relative to petitioners' total production	%	30.6%	25.8%	28.5%	31.7%	40.1%	40.1%

92. The Authority notes as under from the above table:

- Dumped imports of the subject goods from subject countries have increased in absolute terms from 11,98,244MT in 2012-13 to 18,38,625 MT in POI (A).
- Dumped imports of the subject goods from subject countries have increased in relation to petitioners' production from 30.6% in 2012-13 to 40.1 % in the POI (A).
- Dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in relation consumption in India from 19.4% in 2012-13 to 29.0% in POI (A).

93. It is, thus, concluded that imports of the PUC from the subject countries have increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

#### **Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**

94. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

*"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."*

95. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

#### **Price Undercutting**

96. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic

industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. The domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

Price Undercutting	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015	POI (Jul 2015- Dec 15)
Landed Value	Rs. /MT	44,710	45,162	43,592	32,926	31,032
Trend	Indexed	100	101	97	74	69
Domestic Selling Price	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	99	82	80
Price Undercutting	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	(10) to 0	(20) to (10)	(10) to 0	0 to 10	0 to 10

Price Undercutting (POI)	Unit	China PR	Japan	Korea	Ukraine	Subject Countries
Landed Value	Rs. /MT	30,734	33,504	30,232	30,016	31,032
Domestic Selling Price	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs. /MT	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	0 to 10	(10) to 0	0 to 10	0 to 10	0 to 10

97. The Authority notes that during the POI, price undercutting exists for the subject countries except Japan, but is also of the opinion that for a proper examination, price undercutting should be examined in conjunction with price depression and price suppression and that price undercutting should not be examined in isolation in a situation where the Domestic Industry has been constantly forced to reduce its prices to match with the landed value of imports. If the Domestic Industry does not respond to imports by bringing down its prices, it will lose more customers and the injury would be more severe.

#### **Price Underselling**

98. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from subject countries. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Particulars	UOM	Japan	Korea RP	China PR	Ukraine
Weighted average-Non injurious price	Rs/MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs/MT	33,504	30,232	30,734	30,016
Price Underselling	Rs/MT	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***
Price Underselling	% Range	10-20	20-30	20-30	25-35

99. It is seen that the landed price of the subject goods from subject countries were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

**Price Suppression/Depression**

100. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015	POI (July 2015-Dec 15)
Cost to make and sell	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	101	93	92
Domestic Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	99	82	80
Landed Value	Rs./MT	44,710	45,162	43,592	32,926	31,032
Trend	Indexed	100	101	97	74	69

101. The authority notes that the cost to make and sell has declined by 8 indexed points during the POI as compared to 2012-13. On the other hand, the selling price has declined by 20 indexed points during the same period which is much higher than the reduction in cost to make and sell. It is observed that due to a significant decline in landed value of 31 indexed points from 2012-13 to the POI, the domestic industry has been forced to reduce its selling price. The imports were thus suppressing and depressing the prices of the domestic industry in the market.

**Economic parameters of the domestic industry**

102. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

**Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales**

103. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Installed Capacity	MT	61,48,000	72,21,716	89,20,404	89,20,404	44,77,750	89,55,500
Total production	MT	39,13,055	41,51,750	47,89,793	48,48,850	22,92,142	45,84,284
Capacity Utilisation	%	63.65%	57.49%	53.69%	54.36%	51.19%	51.19%

104. The authority notes that capacity utilization of the domestic industry has declined from 63.65% during 2012-13 to 51.19% during the POI. The domestic industry has been able to achieve best capacity utilisation of 63.65% during

2012-13. It is observed that due to increased quantities of dumped imports of the PUC into India, the domestic industry has not been able to utilise its spare capacity.

**Profits, profitability, return on investment and cash profits**

Profit/ (Loss)	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(449)	(301)	(1,144)	(594)	(1,189)
Profit/MT	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(443)	(271)	(1,015)	(1,090)	(1,090)

Cash Profits	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Cash Profits	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(188)	(50)	(668)	(351)	(702)
Cash Profit/MT	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(186)	(45)	(593)	(644)	(644)

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
ROCE (%)	***	***	***	***	***	***
Trend	100	46	91	(48)	(58)	(58)

105. It is observed from the above table that the return on capital employed has been significantly affected. Due to increased quantities of dumped imports, the domestic industry is unable to earn a reasonable return on its investments. It is also noted that the cash profits have turned into cash losses and the situation only worsened during the POI.

**Market Share**

106. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Demand (MT)	61,90,166	57,58,211	61,76,999	61,34,524	31,64,828	63,29,656
Indexed	100	93	100	99	51	102
Market Share						
Share of Petitioners	28.6%	31.2%	31.8%	32.5%	30.5%	30.5%
Share of Supporters	8.0%	9.0%	7.5%	9.1%	9.2%	9.2%
Share of Other Producers	39.9%	39.3%	35.5%	31.2%	29.4%	29.4%
Share of Subject countries	19.4%	18.6%	22.1%	25.1%	29.0%	29.0%
Share of Other countries	4.1%	2.0%	3.0%	2.0%	1.7%	1.7%

107. The market share of the Domestic Industry has decreased during POI as compared to the preceding year even though demand for the subject goods has been rising in India during the same period. This is due to the reason that the imports have aggressively captured the increase in demand.

108. The market share of import from the subject countries has constantly been increasing.

**Growth**

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15 (A)	POI(A)
Production	%	6%	15%	1%	-5%
Market Share	%	9%	2%	2%	-6%
Cost of Production	%	3%	-2%	-7%	-1%
Selling Price	%	-1%	0%	-17%	-3%
Loss per unit	%	343%	-39%	274%	7%
Return on Capital Employed	%	-54%	-19%	-230%	-21%

109. The Authority notes that the growth of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity utilization, profits, return on investment and cash profits remained negative during the entire injury investigation period. The situation worsened during the POI (A), despite positive growth in demand for the PUC in the country. On the whole, the growth of the domestic industry has been negative over the injury period.

**Ability to raise capital investments**

110. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the domestic industry has made investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and further investments may get adversely affected.

**Level of dumping & dumping margin**

111. It is noted that imports from the subject countries are entering into the country at dumped prices and that the margins of dumping are significant.

**Factors Affecting Domestic Prices**

112. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc., shows that the landed value of imported material from the subject countries, except Japan, is below the selling price and the landed value of imported goods from all the subject countries is below the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price under-cutting, price under-selling, price suppression and price depression in the Indian market. Thus, the primary factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from the subject countries.

**Conclusion on injury**

113. It is thus seen that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms. The imports have increased significantly in relation to consumption and production of the product in India. Imports have thus increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression, price depression and price under-cutting. Effect of dumped imports has been to reduce the domestic prices of the subject goods. Low priced dumped imports have forced the domestic industry to fetch a market price which could not even cover its cost. The domestic industry is facing price underselling. There does exist significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming in India. The dumping margin determined by the Authority is quite significant.

With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from the subject countries have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of production, domestic sales, capacity utilization, market share, profits, cash profits and return on investment. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been affected during POI. Thus, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

### **Causal Link**

114. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry has been done as follows:

#### **Imports from third countries**

115. The imports from countries other than subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the domestic industry. Moreover, the price at which goods are coming from other countries is much higher than the price at which goods are coming from subject countries.

#### **Contraction in demand**

116. The demand for the subject goods has shown an increasing trend. Accordingly, fall in demand cannot be the reason for injury to the domestic industry. In fact, the domestic industry has not been able to increase its sale and market share commensurate to increase in demand.

#### **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

117. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

#### **Developments in technology**

118. The technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor of causing injury to the domestic industry.

#### **Changes in pattern of consumption**

119. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

#### **Export performance**

120. Claimed injury to the domestic industry is not on account of possible significant deterioration in export performance of the domestic industry. In fact, exports by the domestic industry have not materially declined. In any case, the domestic industry has considered domestic performance wherever possible.

#### **Performance of the domestic industry with respect to other products**

121. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

**Productivity of the domestic industry**

122. The Authority notes that deterioration in productivity has not caused injury to the domestic industry.

**Factors establishing causal link**

123. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation.
- Imports of the subject goods have increased relative to production and relative to consumption in India.
- Market share of the dumped imports from subject countries has increased.
- The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
- There is significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming into India.
- The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. The return on capital employed, net profits and cash profits have followed a negative trend during the entire injury period and the losses have further increased during the POI.

124. The above analysis indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.

**Conclusion on Injury and Causation**

125. From the above examination of injury and causal link, the Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject countries. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in India. The dumped imports have had significant adverse effect on the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject countries has been determined and is considered significant. Dumped imports from the subject countries have adversely impacted production, sales and capacity utilization. Market share of the subject imports has significantly increased. Performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on investments. The Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumped imports from the subject countries.

126. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry and compared with the landed values of the subject imports of the responding exporters to determine the injury margin. The injury margin so determined has been considered for determination of weighted average injury margin. The injury margins have been determined as follows:

**Injury Margin**

S.No	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Price	Injury Margin	Injury Margin %	Range
1.	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP	***	***	***	***	5-15

			3. M/s. LG International Corp, Korea RP. 4. M/s P&A Corporation, Korea RP					
2.	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s LG International Corp., 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s POSCO Asia Co. Ltd, Hong Kong 7. POSCO Processing & Service Co., Ltd., Korea RP	***	***	***	***	35-45
3.	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	1. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. Kowan Trading Corp, Korea	***	***	***	***	(55)-(65)
4.	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan, 2. Honda Trading Corporation, Japan, 3. Nissan Trading Co. Ltd, 4. Ohmi Industries Ltd, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Metal One Corporation, Japan.	***	***	***	***	0-10
5.	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. Kanematsu Corporation Ltd, Japan 3. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 4. Metal One Corporation, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Nippon Steel & Sumikin Bussan	***	***	***	***	15-25

			Corporation, Japan 7. Sumitomo Corporation, Japan 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan					
6.	China PR	M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd.	1. M/s JiangsuShagang International Trade Co., Ltd., China PR, 2. M/s Xinsha International Pte Ltd, Singapore 3. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong 4. M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	55-65
7.	Ukraine	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works PJSC	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works PJSC	***	***	***	***	25-35

127. The level of dumping margins and injury margins as determined are significant.

**Landed Value and Injury Margin for other producers and exporters from the subject countries**

128. The landed value to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best information available. Information provided by the responding exporters has been adopted for this purpose. The injury margin so worked out is mentioned in the table below.

Particulars	UOM	Japan	Korea RP	China PR	Ukraine
NIP	US\$/MT	***	***	***	***
Landed Value	US\$/MT	***	***	***	***
Injury Margin	US\$/MT	***	***	***	***
Injury Margin %	%	***	***	***	***
Injury Margin % Range	% Range	15-25	35-45	55-65	25-35

**Indian industry's interest & other issues**

129. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

130. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. The domestic industry submitted that imposition of proposed duty shall have insignificant cost implications for the consumer. Therefore, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages

gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

#### **Post Disclosure Statement submissions by the Interested Parties**

**131.** The following comments on Disclosure statement are submitted by interested parties:

- (a) Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works submitted that a level of trade adjustment to domestic sales of Zaporizhstal (Appendix 1) should be applied in order to bring the Normal Value to a level comparable to Export Price. By rejecting claims of Ukrainian producer for the necessity for level of trade adjustment the Designated Authority violates the principle of the fair comparison as stipulated in the Article 2.4 of the Antidumping Agreement.
- (b) Metinvest also stated that the CV Disclosure of DM Calculation furnished is inadequate and the Export Price calculation is not clear. Also, they claimed that their export price has been determined in the Disclosure Statement on the basis of internal transfer prices of the producer (Zaporizhstal) to its related trading company located in Switzerland (Metinvest International SA, or MISA) for eventual export to India, but not on the actual export prices by Metinvest Group (i.e. Metinvest International SA) to the final unrelated buyer in India. The Hon'ble Authority has incorrectly decided to determine the Export Price at the level of transfer prices between Zaporizhstal and MISA.
- (c) JFE Steel Corporation and Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation have submitted that in the confidential dumping margin calculation sheet provided by the authority, there is no clarity on how the final normal value and cost were calculated. The belated and incomplete disclosure of the margin calculation has severely limited their ability to respond in the prescribed time in a fair manner. Also, with regard to the finding of the Hon'ble Designated Authority at paragraph 49 w.r.t. adjustments, it is submitted that Hon'ble Designated Authority has not disclosed what nature of adjustment was made.
- (d) Angang Steel Company Limited (Angang) submitted that the rejection of the questionnaire response is not correct. In this regards, Angang submitted that it has explained in its questionnaire response that Angang International is just a commission agent and it issues the commercial invoices on behalf of Angang under its own name. A copy of agreement has also been provided for the same.
- (e) POSCO has submitted that 22% return on capital employed should not be allowed as it is too high. POSCO further contends that Full Hard and Cold-rolled annealed products should be segregated for the purpose of calculating dumping margin.
- (f) The Japan Iron and Steel Federation proposed that certain steel products which are not competing with the domestic products such as those for "Automotive" and "E&E" should be excluded from the scope of this investigation.
- (g) Volkswagen India and Toyota Kirloskar Motor Private Limited submitted that DI list of PCN did not include the list of PCN submitted by the respondent for exclusion.
- (h) Various interested parties have submitted that the disclosure statement simply mentioned a general statement that the domestic industry is manufacturing all the grades (exactly matching / closely resembling PCNs). This lack of detailed information in the disclosure statement has seriously prejudiced the interested parties in providing a meaningful response as the respondent is not aware as to the details of the PCN manufactured by the DI which closely resembles the respondent's PCNs. Also, there is no disclosure (or even mention) of the actual evidence filed by the domestic industry which could be used to establish the PCNs they are claiming to be identical or closely resembling are appropriately coded (using the PCN methodology) and that the domestic industry actually produced and sold the PCNs which are being selected as closely resembling or identical.

(i) JFE Steel Corporation, Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation and Kobe Steel, Ltd. have submitted that the methodology of PCN comparison for the purposes of likeness test and exclusion, currently applied by the Hon'ble Designated Authority is an erroneous methodology. By not comparing the specification to specification test for the purposes of likeness and exclusion, the Hon'ble Designated Authority is purposefully including within the fold of the duties such products which the domestic industry could not even produce and then compete. The Hon'ble Designated Authority should have rightfully conducted the comparison of the specification test based on commercial sales made by the Domestic Industry.

(j) Ukrainian Side has argued that Article 7.4 of the Antidumping Agreement requires that provisional measures shall be limited to as short a period as possible, which could be extended upon request by exporters representing a significant percentage of the trade involved. However, the Authority did not name such exporters while extending the provisional measures. Further, the share of imports from Ukraine in total import was significantly lower than that of China, Japan and Korea. In POI, the share of imports from Ukraine in total imports was less than 4%, i.e. insignificant. Accordingly, there was neither significant increase in imports from Ukraine nor the significant presence on the Indian market that could have caused injury to the domestic producers. Therefore, there is no legal reason for application of anti-dumping measures against Ukrainian imports and Ukrainian side insists on revocation of provisional anti-dumping duty and termination of this investigation without imposition of anti-dumping measures.

(k) Various interested parties have submitted that the time provided for submitting the response is too short. Considering that the disclosure statement is based on submissions made by multiple parties including 3 companies which are part of the DI, any meaningful comments to the disclosure statement would require review of the previous submissions by the opposing parties and the corresponding essential facts arrived by the Hon'ble DA. This exercise would require a considerable time period and in view of the same, it is submitted that the time period of 2 days is grossly inadequate.

(l) Toyota Kirloskar Motor Private Limited, Volkswagen India and Kobe requested the DA to take reference price as the basis for imposition of anti-dumping duty, if any, at the time of issuing the final findings.

(m) Maruti Suzuki India Limited submitted that the data submitted by it for exclusion of some PCN (on confidential basis) is required to be examined by the Authority to determine whether all such grades are being produced by the domestic industry.

(n) Government of Japan submitted that in preliminary findings, there is no explanation on how the authority calculated the reference price. Thus the Government of Japan was not able to assess if the provisional duties are appropriate or not. Also, it is not clear whether the imposed duties are not exceeding dumping margin of specific companies.

(o) Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation, Kobe Steel, Ltd. and JFE Steel Corporation

- The name of the Producer at paragraph 4(e) that its name has incorrectly been referred to as 'Nippon Sumitomo', while its correct name is 'Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation'. It is requested that the Hon'ble Designated Authority take the same into consideration for the duty table in the final recommendation.
- It has been submitted that the Hon'ble Designated Authority has incorrectly excluded the effect of the MIP. MIP renders the POI highly unsuitable for a fair and unbiased analysis of injury. It is necessary to analyse the effect of the MIP and the status of the domestic industry and the imports from the subject country post imposition of the MIP.
- The Authority has not addressed all the non-attributive factors that the Producers and any other interested parties had identified, such as low domestic demand, sharp reduction in input prices, depreciation of currencies, higher usage of external inputs, new capacities etc.

(p) M/s Hyundai Steel Company, Korea RP, (Producer) along with M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s LG International Corp. and M/s P&A Corporation, Korea RP (Exporters/Traders) have submitted that rejection of the export transactions to related parties is not correct. Export price to related parties did not seem to be unreliable. Sales between Hyundai Steel Company, Korea RP, to Hyundai Steel India Private Limited (related party) are not influenced by any relationship and all transactions are at arm's length. In any event if the Authority was not satisfied

with the justifications given in our reply for price variation, the Designated Authority shall have resorted to Section 9A(b) of the Customs Tariff Act 1975. The Law provides that in case actual export price may not be used for the reasons set out under the Section 9A(b) of the Customs Tariff Act, 1975, the export price may be constructed on the basis of the price at which the imported goods are first resold to an independent buyer. Section 9A(b) requires that the export price must be worked back from the price at which the subject goods have been sold by Hyundai Steel India Private Limited to unrelated buyers in India. By rejecting the export transactions made by Hyundai Steel Company, Korea RP, to Hyundai Steel India Private Limited, the Designated Authority has violated Section 9A(b) of Customs Tariff Act 1975 as well provisions of Article 2.3 of Anti-Dumping Agreement.

(q) Baoshan Iron Steel Co Ltd., Boashan Company India Pvt. Ltd., Baosteel Singapore PTE Ltd. submitted that the data submitted by the group has been rejected without providing any basis to do so. It was submitted that the observations made in the disclosure statement are in complete disregard of the submissions made by them. It is further submitted that Appendix 2 of questionnaire response does not apply to Baoshan. Further, Baosteel Singapore Pte. Ltd. has submitted information in Appendix 2.

**Comments on Disclosure statement by domestic industry:**

**132.** The following comments on Disclosure statement are submitted by domestic industry:

- a. The non-injurious price computed in the subject investigation seems to be understated. In particular, the NIP computed for JSW Steel Coated Products Limited ("JSCPL") and Essar Steel India Limited ("Essar") is understated.
- b. From the confidential NIP workings shared by the Designated Authority vide emails dated 3 April 2017 and recent discussions with the Designated Authority, the domestic industry understands that NIP for JSCPL has been computed by considering the transfer price (being the market price) for HR Coils as input cost for the subject goods manufactured by JSCPL. The transfer price for HR Coils was very low during the POI because of dumped imports of HR Coils coming into India. The transfer price so considered does not even cover the cost of production of HR Coils, leave aside reasonable return, thereby keeping the NIP for JSCPL low. The authority is, therefore, requested to consider the full cost as well as the return on the capital employed for manufacturing HR Coils used by JSCPL as inputs for manufacturing the subject goods.
- c. From the confidential NIP workings shared by the Designated Authority vide emails dated 3 April 2017 and recent discussions with the Designated Authority, it is understood that certain deductions have been made from the net fixed assets while calculating the return on capital employed for Essar. Further, it was submitted that:
  - i. The Designated Authority should consider all the assets for Essar as reflected in the audited books of accounts.
  - ii. All the amounts have been capitalized in the books of accounts as per the relevant Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India. There is no reason for the Designated Authority to go beyond the audited books of accounts and disallow any amount on arbitrary basis. There is no provision in the law that allows the Designated Authority to make any such deduction from the assets deployed by the domestic industry.
  - iii. It was also submitted that the deductions made by the Designated Authority are contrary to Annexure III to the AD Rules. The Designated Authority's approach is arbitrary and in

violation of principles of natural justice. The above issues should be immediately addressed and all the net fixed assets should be considered in computing the NIP.

- d. The domestic industry had submitted that Dongkuk Industries Co., Ltd (“DKI”) should be treated as non-cooperative as the related party of its trader has not cooperated in the present investigation. The domestic industry further submits that DKI’s data should be closely scrutinised. A group company of DKI, Dongkuk Steel Mill Co. Ltd. had participated in an anti-dumping investigation on imports of CORE into United States (*supra*). The preliminary determination indicated the dumping margin for this company as 2.99%, which was close enough to de-minimis level. However, on close scrutiny of the data during the latter part of the investigation, dumping margin for this company significantly increased to 8.75% at the final determination stage. Due to the past conduct of a Dongkuk group company before the USDOC, it is all the more important that DKI’s response is closely scrutinised as it may reveal significant dumping margin and injury margin. It may also be noted that Dongkuk was given all other’s rate by the United States in another anti-dumping investigation on cold-rolled steel flat products from Korea. Further submitted that:
- e. The domestic industry understands that DKI has exported insignificant quantities of the subject goods to India during the POI (about 2000-3000 MT). The said exports are mere 0.08% to 0.13% of DKI’s annual cold-rolled capacity, which is 2.4 million MT. Further, the aforesaid exports comprise only 0.22% to 0.32% of imports from subject countries during the POI. Such low exports are not representative and should be disregarded for the purpose of dumping margin calculation and injury margin calculation. In previous investigations, the Designated Authority has disregarded low exports for calculating dumping margin and injury margin in several cases, such as (i) final findings dated 1 April 2016 in anti-dumping investigation concerning imports of Methyl Acetoacetate originating in or exported from United States of America (USA) and China PR, (ii) final findings dated 19 December 2014 in anti-dumping investigation concerning import of Sheet Glass originating in or exported from China PR, and (iii) final findings dated 7 December 2011 in sunset review of anti-dumping duty imposed on imports of Saccharin originating in or exported from China PR. As mentioned earlier, Dongkuk group is already facing high anti-dumping duties in the United States. Their low exports to India at alleged high prices are suspicious and the Designated Authority should disregard such unrepresentative exports for computing dumping margin and injury margin as per its consistent practice.
- f. In the alternative, if the Designated Authority intends to treat DKI as cooperative, the conditions in Note 2 to the duty table in the preliminary findings dated 3 August 2016 read with Note 2 to the duty table in the provisional customs notification No. 45 /2016-Customs (ADD) dated 17 August 2016 should be made applicable on DKI.
- g. The present comments are based on the essential facts under consideration and observations disclosed under Rule 16 of the AD Rules. If the essential facts under consideration and observations change at any time, it is requested that another disclosure statement be issued to the Respondents under Rule 16 of the AD Rules for examination and comments and another hearing should also be provided to the domestic industry.

#### **Examination of the Authority**

133. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and were already addressed earlier in the disclosure statement. The findings above ipso facto deal with these arguments of the parties. Further, the Authority has examined submissions of interested parties herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere:

- (a) With respect to submissions made by various interested parties regarding calculation of their respective normal value, export price and dumping margin, the Authority clarifies that the same have been calculated based on the verified data of the interested parties. Suitable adjustments were made in the normal value or export price for some of the interested parties as per the legal provisions to ensure fair comparison.

(b) Many parties have expressed concern that the time period to file comments on the disclosure statement was short. The Authority notes that the disclosure statement was issued on 31 March 2017 to all parties and all parties were given time till 5 April 2017 to file their comments. This time was reasonable and sufficient for parties to respond.

(c) Some interested parties have submitted that the DI's list of PCN did not include the list of PCN submitted by the interested parties and that the disclosure statement simply mentions a general statement that the DI is manufacturing exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN. They have further contended that Disclosure Statement does not provide any information on PCN grades which are claimed by the DI as exactly matching PCN or a closely resembling PCN. In this regard, the authority observes that the domestic industry provided a list of PCNs manufactured by them during the POI and the opposing interested parties provided a list of PCNs for which exclusion was sought by them. The list provided by domestic industry was provided to all the interested parties. On examination of the list of PCNs provided by the domestic industry and other interested parties, it was noticed that the domestic industry either manufactured exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN for which interested parties had requested exclusion. In case of exactly matching PCNs, the opposing interested parties have not raised any objection. The only objection is with regard to closely resembling PCNs. It is pertinent to mention here that one of the parameters in the PCN was quality. The domestic industry had manufactured all the qualities for which exclusion was being sought except one quality where the domestic industry had manufactured a higher strength quality than the quality for which exclusion was sought. The differences in the closely resembling PCNs were only on account of width, thickness, longitudinal edges and surface treatment. Therefore, the claim of opposing interested parties does not have any merit.

(d) Angang Steel Company Limited ("Angang") and Angang Group Hong Kong Co., Ltd. ("Angang HK") submit that Angang Group International Trade Corporation ("Angang International") is the commission agent and not a trader as it books commission as its sales revenue and not the value of the goods. They further argue that commercial invoice issued by Angang International on its behalf is the only invoice between Angang Steel and Angang HK; Angang International organises the export logistics, documentation and customs procedure. This practice is accepted under Chinese Law. They have now provided a copy of an agreement between Angang and Angang International. Such contentions could have been easily examined had Angang International filed a questionnaire response along with verifiable documents in support. Without cooperation from Angang International and in absence of any questionnaire response with verifiable records from Angang International, the Authority is unable to accept the contentions raised by Angang. The Authority confirms its observations regarding determination of export price for Angang on the basis of best facts available.

(e) Hyundai Steel Company, Korea ("Hyundai") argues that in case the Authority finds that Hyundai's export price to its related company is not reliable, the Authority should construct the export price. The Authority notes that even in the disclosure comments Hyundai has not been able to provide any valid reason for significant variation between its export price to related company and unrelated customers. Further, for the first time in the disclosure comments it has been brought to the notice of the authorities that Hyundai Steel India Private Limited has sold 19% of the subject goods to related end user and 81% of the subject goods to unrelated end users. These facts were never brought to the Authority's attention before. At this belated stage, the Authority finds it difficult to accept this new unverified information. In view of this, the Authority has correctly relied on exports to unrelated parties for determination of Hyundai's export price

(f) JFE Steel argues that PCN-wise comparison is inappropriate to decide product exclusions. This is contrary to JFE Steel's earlier consent to the Authority regarding PCN-wise comparison to decide product exclusions. During the second public hearing itself, representatives of all parties including JFE Steel's representatives had consented that PCN-wise comparison should be conducted for deciding product exclusions. Only after the consent of all interested parties, the Authority requested all interested parties during the second public hearing to provide a list of PCNs for which they needed exclusions. Pursuant to

this, JFE Steel provided a list of PCNs along with their written submissions filed with the Authority after the second public hearing. The Authority has done a thorough analysis of such exclusion requests. Now, JFE Steel is taking a contrary stand at the very end of the investigation and contending that the Authority should reject PCN-wise comparison, which JFE Steel and other interested parties had themselves agreed to earlier. The process of PCN-wise comparison to decide product exclusions was conducted in a fair, thorough and objective manner and in view of the requests and consent of all interested parties. The Authority is not in a position to disregard this entire exercise just because some interested parties have not found a favourable outcome as a result of this exercise. In view of the above, the Authority does not accept JFE Steel's contentions in their comments on disclosure statement with regard to PCN-wise comparison. As regards sharing calculations with JFE Steel, the Authority has provided the calculations regarding normal value, export price and dumping margin to JFE Steel. The reason regarding making adjustments in export price of traders have been explained very clearly in the disclosure statement as well as the present findings.

- (g) Kobe Steel Limited and Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation have made similar submissions as JFE Steel Limited, which have already been addressed above. All these companies have raised other issues, which they had raised earlier as well. The Authority has already addressed such issues in other parts of the present findings.
- (h) Upon issuance of disclosure statement, Maruti Suzuki India Limited ("Maruti") had one more opportunity to provide a list of PCNs on non-confidential basis for which they needed exclusions along with their comments on disclosure statement. Despite this opportunity, Maruti yet again expressed inability to provide the PCN list on non-confidential basis. The Authority observes that in view of such excessive exercise of confidentiality, the domestic industry has been denied the opportunity to compare Maruti's PCN list with theirs and offer comment on the same. The essence of PCN-wise comparison was to allow interested parties the opportunity to substantiate with evidence why certain type/ grade of the product under consideration should be excluded from the product scope. This could be accomplished only when interested parties provided list of PCNs on non-confidential basis to the domestic industry for comments, thereby enabling the Authority to examine contentions and evidences provided by both sides to arrive at a fair and objective decision regarding the product exclusion. However, Maruti yet again chose to deny access to its PCN list to the domestic industry because of its confidentiality claim. This has prevented the Authority from examining their exclusion requests and accordingly the product exclusion requests could not be examined by the Authority.
- (i) Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works and its related trader/exporter Metinvest International SA argue that the normal value and export price for the companies is not at the same level of trade. The Authority clarifies that the data of these companies have been duly considered and normal value and export price has been compared at the ex-factory level as per the AD Rules. Suitable adjustments were made in the normal value and export price as per the legal provisions to ensure that comparison in normal value and export price is made at the same level of trade. In view of this, the Authority does not find their contentions acceptable.
- (j) The Ukrainian side argues that investigation against Ukraine may be terminated in view of low imports. The Authority observes that imports from Ukraine are above de-minimis and also satisfy the requirements for cumulation in the present case. Therefore, investigation against Ukraine cannot be terminated.
- (k) Interested parties argue that the effect of MIP should have been considered by the Authority. However, the Authority observes that MIP is a post POI development and under the AD Rules, the Authority is obligated to consider only the POI and the previous three years for analysis. The Authority's injury analysis is in accordance with the AD Rules.
- (l) Society of Indian Automobile Engineers ("SIAM") and The Japan Iron and Steel Federation ("JISF") have made very generic submissions. JISF has requested for exclusion of products such as "automotive" and "E&E". The Authority finds these submissions vague and thus unacceptable. SIAM and JISF have not been able to identify even one specific grade or PCN for which they need exclusion. In the absence of a specific request for product exclusion from SIAM and JISF, the Authority cannot accept these submissions.

- (m) Regarding POSCO's submissions that return on capital employed of 22% should not be allowed, the Authority observes that return on capital employed has been allowed as per the standard practice of the Authority. POSCO's contention that Full Hard and Cold-rolled annealed products should be segregated for the purpose of calculating dumping margin has been taken care of in the PCN-wise dumping margin examination conducted by the Authority.
- (n) Baoshan Iron & Steel Co. Ltd. ("Baoshan") contends that it should be treated as cooperative. However, Baoshan has not provided any information in Appendix 2. In view of this, the Authority is unable to determine Baoshan's export price. In view of this, the Authority has applied best facts available.
- (o) Volkswagen India ("Volkswagen") and Toyota Kirloskar Motor Private Limited ("Toyota") argue that certain specific PCNs should have been excluded from the product scope as the same did not feature in the domestic industry's list of PCNs. However, the Authority notes that the domestic industry has manufactured closely resembling PCNs, because of which Volkswagen's and Toyota's exclusion requests cannot be accepted. Volkswagen and Toyota have repeated other issues, which have already been addressed by the Authority in the present findings.
- (p) As regards the domestic industry's concerns regarding non-injurious price, the Authority observes that non-injurious price has been calculated in accordance with Annexure III of the AD Rules. The Authority finds no merit in the domestic industry's contentions on disregarding export transactions of Dongkuk Steel Mill Co. Ltd. However, the Authority accepts the domestic industry's request that Note 2 of the preliminary findings applicable on the company be confirmed for the purpose of the present findings.
- (q) All other issues raised by the interested parties have already been addressed in other parts of the present findings.
- (r) With regard to issue raised by Government of Japan on methodology of calculation of reference price, the authority has done the calculation keeping in mind the concept of lesser duty rule followed by the Indian authority.

### **Recommendations**

134 After examining the submissions made and issues raised, and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject countries.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

135. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.

136. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject

goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

### Duty Table

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. 1.	7209, 7211, 7225 and 7226	Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non- alloy steel or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated	Korea RP	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP  2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP  3. M/s. LG International Corp, Korea RP.  4. M/s P&A Corporation, Korea RP	576	MT	US\$
2.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP  2. M/s POSCO Daewoo Corporation , Korea RP  3. M/s LG Internationa l Corp.,  4. M/s Hyundai Corporation , Korea RP  5. M/s Samsung C&T Corporation , Korea RP  6. M/s POSCO Asia Co. Ltd, Hong Kong  7. POSCO Processing & Service Co., Ltd.,	576	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						Korea RP			
3.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	1. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation , Korea RP 3. Kowon Trading Corp, Korea	NIL (Please Refer Note -1 below the Duty Table)	MT	US\$
4.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	M/s Dongkuk Industries Co. Ltd	1. M/s Dongkuk Industries Co. Ltd, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation , Korea RP 3. Kowon Trading Corp, Korea	576	MT	US\$
5.	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	Any combination other than S. No. 1, 2, 3, & 4		576	MT	US\$
6.	-do-	-do-	Korea RP	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Any	Any	576	MT	US\$
7.	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Korea RP	Any	Any	576	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
8.	-do-	-do-	Japan	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan, 2. Honda Trading Corporation, Japan, 3. Nissan Trading Co. Ltd, 4. Ohmi Industries Ltd, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Metal One Corporation, Japan.	576	MT	US\$
9.	-do-	-do-	Japan	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. Kanematsu Corporation Ltd, Japan 3. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 4. Metal One Corporation, Japan 5. Mitsui & Co. Ltd, Japan 6. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 7. Sumitomo Corporation, Japan 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan	576	MT	US\$
10.	-do-	-do-	Japan	Japan	Any combination other than S. No. 8 & 9		576	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
11.	-do-	-do-	Japan	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Any	Any	576	MT	US\$
12.	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Japan	Any	Any	576	MT	US\$
13.	-do-	-do-	China PR	China PR	M/s Zhangjiagang Yangtze River Cold Rolled Sheet Co., Ltd.	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR, 2. M/s Xinsha International Pte Ltd, Singapore 3. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong 4. M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd, Hong Kong	576	MT	US\$
14.			China PR	China PR	Any combination other than S. No. 13		576	MT	US\$
15.			China PR	Any country other than those subject to anti-dumping duty	Any	Any	576	MT	US\$
16.			Any country other than those subject to anti-dumping duty	China PR	Any	Any	576	MT	US\$

S.No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
17.	-do-	-do-	Ukraine	Ukraine	Zaporizhstal Integrated Iron and Steel Works PJSC	Metinvest International SA, Switzerland	576	MT	US\$
18.	-do-	-do-	Ukraine	Ukraine	Any combination other than S. No. 17		576	MT	US\$
19.	-do-	-do-	Ukraine	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Any	Any	576	MT	US\$
20.	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti- dumping duty	Ukraine	Any	Any	576	MT	US\$

Note-1: Only applicable for following quality/grades:

- i. Micro-alloyed steels of Advanced High Strength Quality with minimum UTS  $\geq$  590MPa having width = < 600mm oiled and with trimmed edges.
- ii. Medium and High Carbon steels with Carbon  $>0.15\%$  having width = <600mm oiled and with trimmed edges.

134. The description of goods does not include the imports of the following:

- (a) *Stainless Steel.*
- (b) *High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.*
- (c) *Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels i.e. alloy steels containing by weight, atleast 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.”*

138. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

Dr. INDER JIT SINGH, Designated Authority